राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

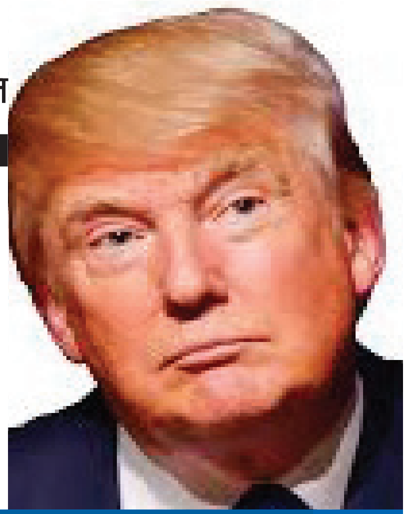

11 बेन स्टोक्स को खलने लगी विराट कोहली की कमी

ट्रंप ने तीसरी बार बढ़ाई टिकटॉक की बिक्री की समय सीमा 10

वर्ष : 13 | अंक : 69 | पटना, गुरूवार, 19 जून, 2025 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य : 03.00 | www.pratahkiran.com

जी-7 आउटरीच सत्र के दौरान आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक शक्तियों से पीएम की दो टूक

मानवता का दुश्मन है आतंकवाद : मोदी

कहा-आतंकवाद का समर्थन मानवता के साथ विश्वासघात

■ आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुटता अनिवार्य

प्रातः किरण/एजेंसी

कनाडा/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाये जाने के मुद्दे पर विश्व के ताकतवर देशों को सीधे सीधे चुनौती दी और उनसे दो टूक शब्दों में कहा कि निजी हितों के लिए, आतंकवाद को मूक सम्मति देना, आतंक या आतंकवादियों का साथ देना, पूरी मानवता के साथ विश्वासघात है।

श्री मोदी ने यहां मंगलवार को ऊर्जा सुरक्षा पर जी-7 आउटरीच सत्र के दौरान अपने संबोधन में आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक शक्तियों से सीधे एवं कठोर सवाल पूछे। श्री मोदी ने कहा, एक गंभीर विषय की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं- वह है आतंकवाद। आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। हाल ही में भारत को एक क्रूर और कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले का सामना करना पड़ा। बाइस अप्रैल को हुआ आतंकवादी हमला केवल पहलगाम पर ही नहीं, बल्कि हर भारतीय की आत्मा, अस्मिता और गरिमा पर भी सीधा आघात था। यह पूरी मानवता पर आघात था। आप सभी मित्रों ने जिन कड़े शब्दों में इसकी निंदा की, संवेदनायें व्यक्त की, उसके लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, आतंकवाद मानवता का दुश्मन है। लोकतान्त्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले सभी देशों का विरोधी है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुटता अनिवार्य है। भारत के पड़ोस में तो आतंकवाद का ब्रीडिंग ग्राउन्ड है ! वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए, हमारी सोच और नीति स्पष्ट होनी चाहिए- यदि कोई भी देश आतंकवाद का समर्थन करता है, तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी।

लेकिन दुर्भाग्यवश, वास्तविकता इसके उलट है। एक तरफ तो हम अपनी पसंद-नापसंद के आधार पर, भांति-भांति के प्रतिबंध लगाने में देर नहीं करते। दूसरी ओर, जो देश खुले आम आतंकवाद का समर्थन करते हैं, उन्हें पुरस्कृत करते हैं। इस कमरे में जो बैठे हैं, उनसे मेरे कुछ गंभीर सवाल हैं। श्री मोदी ने पूछा, क्या हम आतंकवाद को लेकर गंभीर हैं भी या नहीं? क्या हमें आतंकवाद का मतलब सिर्फ तब समझ आएगा जब वह हमारे घर के दरवाजे पर दस्तक देगा? क्या आतंकवाद फैलाने वाले को और आतंकवाद से पीड़ित को एक ही तराजू में रख कर देखा जायेगा? क्या हमारे वैश्विक संस्थान एक मजाक बन कर रह जायेंगे? उन्होंने विश्व शक्तियों को आगाह करते हुए कहा, यदि हमने आज मानवता के विरुद्ध खड़े इस आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कदम नहीं उठाये, तो इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। निजी हितों के लिए, आतंकवाद को मूक सम्मति देना, आतंक या आतंकवादियों का साथ देना, पूरी मानवता के साथ विश्वासघात है। भारत ने सदैव अपने हितों से ऊपर उठकर मानवता के हित में काम किया है। हम आगे भी सभी विषयों पर जी-7 के साथ अपना संवाद और सहयोग जारी रखेंगे।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का शानदार स्वागत एवं आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त किया और जी-7 समूह के 50 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर सभी को बधाई दी। उन्होंने विषय पर चर्चा शुरू करते हुए कहा कि भावी पीढ़ियों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। हम इसे केवल अपनी प्राथमिकता ही नहीं, बल्कि अपने देशवासियों के प्रति जिम्मेदारी भी मानते हैं। उपलब्धता, पहुंच, किफायत और स्वीकार्यता के मूल सिद्धांतों पर आगे बढ़ते हुए भारत ने समावेशी विकास का रास्ता तय किया है।

भारत ने कभी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया

प्रातः किरण

कैनानास्की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मंगलवार को आतंकवाद, ऑपरेशन सिन्दूर, पाकिस्तान के बारे में बहुत खुल कर बात हुई जिसमें श्री मोदी ने दो टूक शब्दों में कहा कि लड़ाई रोकने के लिए व्यापार समझौते या मध्यस्थता की कोई बात नहीं हुई थी और भारत इसे कतई स्वीकार नहीं करता है।

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कनाडा से रवाना होने के पहले एक वक्तव्य में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की द्विपक्षीय मुलाकात जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर होनी तय थी, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप को जल्दी वापस अमेरिका लौटना पड़ा जिसके कारण यह मुलाकात नहीं हो पाई। इसके बाद, राष्ट्रपति ट्रंप के आग्रह पर दोनों नेताओं की फोन पर बात हुई। बातचीत लगभग 35 मिनट चली। विदेश सचिव ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने फोन पर प्रधानमंत्री मोदी को शोक संवेदना प्रकट की थी और आतंकवाद के खिलाफ समर्थन व्यक्त किया था। उसके बाद दोनों नेताओं की यह पहली बातचीत थी। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से ऑपरेशन सिंदूर के बारे में विस्तार से बात की। श्री मिस्त्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को स्पष्ट रूप से कहा कि 22 अप्रैल के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का अपना दृढ़ संकल्प पूरी दुनिया को बता दिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि छह-सात मई की रात को भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सिर्फ. आतंकवादी ठिकानों को ही निशाना बनाया था। भारत का एक्शन बहुत ही नपीतुली, सटीक और गैर उकसावे वाली थी। इसके साथ ही भारत ने यह भी स्पष्ट कर दिया था कि पाकिस्तान की गोली का जवाब भारत गोले से देगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति से कहा कि 09 मई की रात को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उन्हें फोन किया था। उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा था कि पाकिस्तान भारत पर बड़ा हमला कर सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें साफ शब्दों में बताया था कि यदि ऐसा होता है तो भारत पाकिस्तान को उससे भी बड़ा जवाब देगा। श्री मोदी ने श्री ट्रंप को बताया कि 09-10 मई की रात को पाकिस्तान के हमले का भारत ने बहुत सशक्त जवाब दिया, और पाकिस्तान की सेना को बहुत नुकसान पहुंचाया। उसके मिलिटरी एयरबेसों को अक्षम बना दिया। भारत के मुंहतोड़ जवाब के कारण पाकिस्तान को भारत से सैन्य कारवाई रोकने का आग्रह करना पड़ा। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को स्पष्ट रूप से कहा कि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान कभी भी, किसी भी स्तर पर, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते या अमरीका द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता जैसे विषयों पर बात नहीं हुई थी। सैन्य कारवाई रोकने की बात सीधे भारत और पाकिस्तान के बीच, दोनों सेनाओं की मौजूदा चैनलों के माध्यम से हुई थी और पाकिस्तान के ही आग्रह पर हुई थी। श्री मिस्त्री के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दे कर कहा कि भारत ने न तो कभी मध्यस्थता स्वीकार की थी, न करता है, और न ही कभी करेगा। इस विषय पर भारत में पूर्ण रूप से राजनीतिक मतैक्य है।

संक्षिप्त खबरें

सेना प्रमुख और पूर्व सेना प्रमुखों ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर की बारिकीयों पर सैन्य नेतृत्व के साथ गहन विचार विमर्श के एक दिन बाद सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी के साथ कई पूर्व सेना प्रमुखों ने बुधवार को तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ मुलाकात की। राष्ट्रपति से मिलने वालों में जनरल वी पी मलिक, जनरल एन सी विज, जनरल जे जे सिंह, जनरल दीपक कपूर, जनरल बिक्रम सिंह और जनरल मनोज पांडे शामिल हैं। पूर्व सेना प्रमुखों ने मंगलवार को सेना द्वारा आयोजित चीफ्स चिंतन सम्मेलन में ऑपरेशन सिंदूर के बाद भविष्य की चुनौतियों तथा आकस्मिक स्थितियों से और बेहतर ढंग से निपटने की तैयारियों में जुटे सैन्य नेतृत्व के साथ इस ऑपरेशन के बारे में विस्तार से चर्चा की थी।

उखेती को उन्नत, समृद्ध करने के प्रयास का आह्वान

नई दिल्ली। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण शिवराज सिंह चौहान ने खेती को उन्नत और समृद्ध करने के प्रयास का आह्वान करते हुये कहा है कि भविष्य की कृषि नीति किसानों के सझावों के आधार पर बनेगी। श्री चौहान ने विकसित कृषि संकल्प अभियान के समापन पर यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार निरंतर किसानों के बीच खेतों में जाकर खेती को उन्नत और किसानों को समृद्ध बनाने का प्रयत्न करती रहेगी। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान मिले किसानों के सुझावों को कृषि नीति में अनिवार्य रूप से शामिल किया जायेगा

दुनिया में बढ़ रही परमाणु हथियारों की होड़, सबसे ज्यादा रुस-अमेरिका के पास

नौ देशों के पास कुल 12 हजार 241 परमाणु हथियार मौजूद

प्रातः किरण/एजेंसी

लंदन। दुनिया में परमाणु बम बनाने की रेस तेज हो रही है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट से साफ हो गया है कि इस दौड़ में अब भी सिर्फ 9 देश शामिल हैं और सभी ने जनवरी 2024 से जनवरी 2025 के बीच परमाणु मोर्चे पर खुद को मजबूत किया है। आंकड़े बताते हैं कि दुनिया के करीब 90 फीसदी परमाणु हथियार तो सिर्फ रूस और अमेरिका के पास ही हैं। सूची में अमेरिका और रूस के अलावा ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में कुल 12 हजार 241 परमाणु हथियार थे, जिनमें 9 हजार 614 सैन्य भंडार में थे। करीब 3 हजार 912 परमाणु हथियार मिसाइलों और विमानों के साथ तैनात हैं। अमेरिका के पास कुल 5177 परमाणु हथियार हैं, जिनमें 1477 रिटायर्ड वारहैड हैं। सैन्य भंडार में 3700 हैं। इनमें से 1770 तैनात हैं और 1930 स्टोर किए हुए हैं। रूस के पास कुल 5459 परमाणु हथियार हैं, जिनमें से सैन्य भंडार 4309 हैं। यहां 1718 वारहैड तैनात हैं और 2591 को स्टोर कर रखा है। रूस ने 1150 वारहैड रिटायर कर दिए हैं। वहीं ब्रिटेन ने 120 वारहैड तैनात किए हैं और 105 स्टोरेज में हैं। इसका सैन्य भंडार 225 हथियारों का है। ब्रिटेन के पास कुल हथियारों की संख्या 225 है। फ्रांस के पास कुल 290 परमाणु हथियार हैं। इनमें से उसने 280 तैनात किए और 10 स्टोर किए हैं। चीन के पास करीब 600 परमाणु हथियार हैं। इसने 24 वारहैड तैनात कि और 576 को स्टोरेज में रखा है। सूची में 6वें स्थान पर भारत है। भारत के पास कुल 180 परमाणु हथियार हैं और सभी स्टोरेज में हैं। पाकिस्तान के पास 170, उत्तर कोरिया के पास 50 और इजराइल के पास 90 वारहैड हैं और इन मुल्कों में सभी सैन्य भंडार में हैं। चीन के पास कम से कम 600 परमाणु हथियार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक किसी भी अन्य देश की तुलना में चीन ने सबसे ज्यादा तेजी से परमाणु हथियार भंडार बढ़ाया है। पर्यवेक्षकों के मुताबिक चीन के बढ़ते परमाणु हथियार भंडार का भारत पर भी प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि बीजिंग का करीबी सहयोगी पाकिस्तान भी अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम में तेजी ला रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि चीन को इस रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता है।

अगले 48 घंटे ईरान के लिए महत्वपूर्ण : अमेरिका

वाशिंगटन। अमरीकी अधिकारियों ने व्हाइट हाउस सिचुएशन रूम में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक के दौरान कहा कि अगले 24 से 48 घंटे निर्णायक सिद्ध होंगे जो यह निर्धारित करेंगे कि ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष का कूटनीतिक समाधान संभव है या फिर राष्ट्रपति सैन्य कार्रवाई का सहारा लेंगे। अमरीकी टेलीविजन नेटवर्क एबीसी ने बुधवार को रिपोर्ट में यह जानकारी दी। अमरीका के अधिकारियों ने कहा है कि वह अगले 24 से 48 घंटे यह निर्धारित करेंगे कि ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष का कूटनीतिक समाधान संभव है या राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सैन्य कार्रवाई का सहारा लेना पड़ेगा। एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने व्हाइट हाउस सिचुएशन रूम में ट्रंप के साथ बैठक के दौरान कहा कि वह अगले 24 से 48 घंटे यह निर्धारित करेंगे कि ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष का कूटनीतिक समाधान संभव है या राष्ट्रपति को सैन्य कार्रवाई का सहारा लेना पड़ेगा। ट्रंप ने मंगलवार को ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग करते हुए कहा कि अमरीका का धैर्य खत्म हो रहा है।

राज्यपाल के साथ शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम नीतीश

राजभवन में बनेगा राजेन्द्र भवन, राज्यपाल सचिवालय एवं राजभवन अतिथिगृह

सीएम बोलें- निर्माण कार्य जल्द और उच्च गुणवत्ता के साथ करें पूरा

प्रातः किरण/एजेंसी

पटना। राजभवन परिसर में राजेन्द्र भवन, राज्यपाल सचिवालय एवं राजभवन अतिथिगृह के निर्माण कार्य के शिलान्यास कार्यक्रम में बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल हुये। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समक्ष अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राजेन्द्र भवन, राज्यपाल सचिवालय एवं राजभवन अतिथिगृह के निर्माण कार्य से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। प्रस्तुतीकरण के पश्चात मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका निर्माण कार्य जल्द और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें। दरअसल, राज भवन, पटना, बिहार के परिसर में राजेंद्र भवन, राज्यपाल सचिवालय और अतिथि गृह के निर्माण के लिए पिछले वर्ष दिसम्बर 2024 में ही ईपीसी आधार पर टेंडर आमंत्रित की गई थी। अब इसका निर्माण कार्य आरंभ हो रहा है जिसके बाद राजभवन में नए भवनों का निर्माण होगा। शिलान्यास कार्यक्रम के अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, भवन निर्माण मंत्री जयंत राज, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, राज्यपाल के प्रधान सचिवआरएल चोंग्यू, भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि, पटना प्रमंडल के आयुक्त डॉ० चन्द्रशेखर सिंह, पटना के जिलाधिकारी डॉ त्यागराजन एसएम सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में बेहतर कार्य के लिए मुखिया का हुआ सम्मान

फाइलेरिया मुक्त पंचायत बनाने में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण

■ फाइलेरिया मुक्त पंचायत पहल कार्यशाला में सूबे के कई मुखिया हुए शामिल

प्रातः किरण संवाददाता

पटना- राज्य को फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से पूरी तरह मुक्त करने के लिए समन्वित और एकजुट प्रयासों की आवश्यकता है. राज्य सरकार एवं पीरामल फाउंडेशन फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, उक्त बातें मंगलवार को पटना में पीरामल फाउंडेशन द्वारा आयोजित फाइलेरिया मुक्त पंचायत पहल कार्यशाला में पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने कही. उन्होंने राज्य के मुखियाओं को प्रशस्ति पत्र एवं जिला परिषद अध्यक्षों को स्मृति चिन्ह देकर फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया. कार्यशाला में मंत्री के साथ कई वरिष्ठ अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि और संस्था से जुड़े विशेषज्ञ शामिल हुए. कार्यशाला में पंचायतों की भूमिका को केंद्र में रखते हुए फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर रणनीति और सहभागिता पर विस्तृत चर्चा की गई.

मंत्री ने स्पष्ट किया कि फाइलेरिया जैसी बीमारी से लड़ाई केवल किसी एक संस्था या सरकार के प्रयास से संभव नहीं है. इसके लिए पंचायत स्तर पर कार्य करने वाले सभी जनप्रतिनिधियों जैसे मुखिया, पंचायत सदस्य, वार्ड सदस्य और जिला परिषद सदस्य की सक्रिय और समन्वित भागीदारी आवश्यक है. जब तक सभी प्रतिनिधि मिलकर एकजुट होकर काम नहीं करेंगे, तब तक फाइलेरिया जैसी बीमारी का उन्मूलन संभव नहीं हो पाएगा. उन्होंने अपील की कि पंचायतों में पहले से चल रहे नौ प्रमुख विकास थीम के साथ फाइलेरिया उन्मूलन को भी जोड़ें. प्रधानमंत्री का सपना है कि भारत स्वास्थ्य के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने और गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचे. यह तभी संभव होगा जब फाइलेरिया जैसी बीमारियों को जड़ से खत्म किया जाए.अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी (फाइलेरिया) डॉ. श्यामा राय ने बताया कि राज्य में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत चलाये जाने वाले सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम में पंचायतों के मुखिया द्वारा अत्यंत ही सराहनीय काम किया गया है. यह कार्यशाला न केवल स्वास्थ्य क्षेत्र में एक मजबूत पहल है बल्कि पंचायत को सशक्त बनाकर स्वस्थ और रोगमुक्त समाज की स्थापना की दिशा में एक ठोस पहल है.

एस्पिरेशनल भारत कोलेबोरेटिव के सीईओ मनमोहन सिंह ने कहा कि पीरामल फाउंडेशन 1932 से देश भर में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम कर रही है, और सरकार के साथ मिलकर जमीनी स्तर पर बदलाव ला रही है. उन्होंने कहा कि अगर समाज में परिवर्तन लाना है तो सबसे पहले पंचायत स्तर से शुरूआत करनी होगी. गांवों में जब कोई समस्या आती है तो सबसे पहले मुखिया ही लोगों के पास पहुँचते हैं. इसलिए फाइलेरिया जैसे रोग के खिलाफ लड़ाई में पंचायतों की भूमिका सबसे अहम है. उन्होंने बताया कि फाउंडेशन अंतिम पायदान पर खड़े समुदायों के साथ मिलकर काम करता है, जिससे हर व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें और रोगों से बचाव हो.

इस मौके पर फाइलेरिया मुक्त भारत अभियान से जुड़े विकास सिन्हा ने भी अपने विचार व्यक्त किए. उन्होंने कहा कि हमारी टीम सरकार और पंचायतों के साथ मिलकर लगातार फाइलेरिया उन्मूलन की दिशा में प्रयासरत है. अगर सभी विभाग और पंचायत प्रतिनिधि मिलकर काम करें, तो इस बीमारी को पूरी तरह खत्म किया जा सकता है. कार्यक्रम में अन्य उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपने विचार साझा किए और सभी ने एकजुट होकर ह्फाइलेरिया मुक्त पंचायतह्व के लक्ष्य को हासिल करने का संकल्प लिया.

बुद्धा शक्ति शोरूम का उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया उद्घाटन

प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा। बुधवार को नेशनल हाईवे 30 पर नारायण चौक के पास बुद्धा शक्ति शोरूम का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया। इस दौरान बिहार सरकार के मंत्री सुमित सिंह, रामकृपाल यादव, मंत्री अशोक चौधरी एवं विजय चौधरी भी मौजूद रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में टाटा समूह के वाइस प्रेसिडेंट राजेश कौल भी मौजूद रहे। इस बुद्धा ग्रुप के प्रबंध निदेशक परेश कुमार ने बताया कि यह शोरूम मुख्य रूप से ट्रक और बस का पूर्वी क्षेत्र का मुख्य और सबसे बड़ा शोरूम है। यहां टाटा की कमर्शियल गाड़ियों का सबसे बड़ा सेल्स एवं सर्विस शोरूम है जिसमें सभी ग्राहकों की सुविधाओं का ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। अगर इस शोरूम की विशेषताओं की बात करें तो यहां 4 टन लोड लेकर 55 टन तक के ट्रक और 20 सीट से लेकर 44 सीट तक के बस का फुल रेंज उपलब्ध है। वहीं बुद्धा शक्ति के जनरल मैनेजर मनोहर झा ने बताया कि बुद्ध शक्ति टाटा मोटर्स के कमर्शियल गाड़ियों बस-ट्रक का बिहार का सबसे बड़ा शोरूम एवं सर्विस सेंटर है। उन्होंने कहा कि सर्विस वर्कशॉप कस्टमर सर्विस के लिए 24 घंटे 7 दिन खुला रहेगा। जो भी कस्टमर ड्राइवर गाड़ियों की सर्विस के लिए आते हैं तो उनको यहां ठहरने के लिए एक डॉरमेट्री एवं भोजन निशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। यहां पर 24 गाड़ियों का एक साथ सर्विस करने की सुविधा होगी जो की कमर्शियल रेंज में सबसे बड़ा सर्विस सेंटर है। इस शोरूम में एक साथ 24 गाड़ियों को सर्विस करने की सुविधा प्राप्त होगी।

दानापुर नगर परिषद क्षेत्र में 140 सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्णय लिया गया

प्रातः किरण संवाददाता

दानापुर। नगर परिषद क्षेत्र का 140 सीसीटीवी कैमरे से निगरानी होगी। आम लोगो के सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद क्षेत्र के 46 स्थानो पर सीसीटीवी लगाने की तैयारी में जुटी है। जल्दी ही नगर परिषद क्षेत्र सीसीटीवी कैमरा के नजर में होगा। इसको लेकर अनुमंडल कार्यालय में एक बैठक भी आयोजित किया गया। जिसमें कार्यपालक पदाधिकारी एवं इलाके थाना के पदाधिकारी शामिल हुएकार्यपालक पदाधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि नगर परिषद के 46 स्थानो पर 140 सीसीटीवी लगाने को लेकर डीपीआर तैयार कर कार्रवाई शुरू कर दी गयी है। इस पर करीब 4 करोड की लागत आयेगी। क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर सीसीटीवी लगाने का निर्णय लिया गया है।

जिसको लेकर अनुमंडलाधिकारी वं पुलिस पदाधिकारी के साथ बैठक कर उन्हे जानकारी दी गयी है। डीपीआर तैयार कर कार्रवाई तेज कर दी गयी है। सीसीटीवी लगने से लोगो को काफी लाभ होगे। सीसीटीवी कैमरा अत्याधुनिक होगा। जिससे रात में सब कुछ साफ साफ रिकॉड होगा।

अंकिता ने नीट 2025 की परीक्षा में लहराया सफलता का परचम, बढ़ाया परिवार का मान

प्रातः किरण संवाददाता

बिहटा / मनेर :- गोपाल विद्यार्थी प्रखंड के हल्दी छपरा गांव के नयका टोला की प्रतिभाशाली भगिनी अंकिता सिंह ने नीट 2025 परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम गर्व से रोशन किया है। स्व. उपेंद्र नारायण सिंह की नतीनी एवं प्रख्यात चिकित्सक और शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. शंभु कुमार तथा आईआईटी बिहटा पटना में कार्यरत कृपाशंकर सिंह की भगिनी, और कृष्ण नंदन सिंह व जयंती सिंह की सुपुत्री अंकिता ने अपने पहले प्रयास में ही 99.12 परसेंटाइल प्राप्त कर सफलता की मिसाल कायम की है। इस उपलब्धि से उनके ननिहाल में हर्षोल्लास का माहौल है और पूरे गांव के लोग इस गौरवपूर्ण सफलता पर गर्व महसूस कर रहे हैं। अंकिता की इस उपलब्धि ने उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और आत्मविश्वास की कहानी को सशक्त रूप से बयान किया है। अंकिता ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवार और शिक्षकों को दिया, जिनके अथक सहयोग और प्रेरणा के बिना यह मुमकिन नहीं था। इस अवसर पर श्री अर्जुन सिंह, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकताओं और स्थानीय ग्रामीणों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।उल्लेखनीय है कि अंकिता की बड़ी बहन अंजलि भी दो वर्ष पूर्व मेडिकल परीक्षा में उत्तीर्ण होकर वर्तमान में एमबीबीएस के दूसरे वर्ष की छात्रा हैं। यह परिवार की शिक्षा के प्रति गहरी प्रतिबद्धता और चिकित्सा सेवा के प्रति समर्पण का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है। लोगों ने अंकिता के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

भारी मात्रा में शराब के साथ 5 तस्कर गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

दानापुर खगौल रेल पुलिस द्वारा चल रही आपरेशन रेड के तहत रेल पुलिस उपाधीक्षक, दानापुर के नेतृत्व में रेल थाना बक्सर, आरा के मार्गरक्षी दल समेत विशेष छापामारी दल ने विशेष चेकिंग अभियान चलाया। विशेष चेकिंग अभियान में गाड़ी श्रमजीवी एक्सप्रेस के जेनरल बोगी से दो महिला एवं तीन पुरूष को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। जिसके पास से पुलिस 101.680 लीटर विदेशी शराब बरामद किया। रेल पुलिस अधीक्षक अमृतेन्दू शेखर ठाकुर ने बताया कि आपरेशन रेड की तहत विशेष छापेमारी दल व मार्गरक्षी दल ने श्रमजीवी एक्सप्रेस के जेनरल बोगी से दो महिला समेत पांच लोगो को संदिग्धावस्था में गिरफ्तार किया गया। जिनके पास से करीब 101.680 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया। गिरफ्तार लोगो में फुलमंती कुमारी आसियापुर, नालंदा पूजा कुमारी जक्कनपुर गर्दनीबाग मुकेश कुमार सकुरवाय बरियापुर लालबाबु कुमार अर्जुनटोला बरियारपुर एवं शंकर राय मूशतमपुर राघोपर शामिल है। जप्त शराब की अनुमानित राशि 1,01,680/-रूपया बताया जाता है। उन्होने बताया कि रेल पुलिस लगातार ऐसा अभियान चला रही है।

मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स में रोबोट तकनीक से हुआ बिहार के 95 वर्षीय मरीज के दोनों घुटनों का सफल ऑपरेशन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना : सेक्टर-16 स्थित मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स में ऑर्थोपेडिक एवं जॉइंट्स रिप्लेसमेंट सर्जरी टीम ने बिहार निवासी 95 वर्षीय तैय्यब अली के दोनों खराब घुटनों का रोबोट तकनीक से सफल ऑपरेशन कर न केवल उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने में सफलता हासिल की है बल्कि लंबे समय से बिस्तर पर पड़े रहने के कारण होने वाली पीड़ा से भी राहत प्रदान की है। मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स में ऑर्थोपेडिक एवं रोबोटिक जॉइंट्स रिप्लेसमेंट विभाग के प्रोग्राम क्लिनिकल डायरेक्टर एवं एचओडी, डॉ. अनुराग अग्रवाल ने कहा कि जब बिहार से मरीज हमारे पास आया तो उस समय वह अपने पैरों पर खड़ा नही हो पा रहा था, मरीज पूरी तरह से बिस्तर पर ही सिमित था इसलिए पेशाब एवं पॉटी करने के लिए उन्हें दूसरी व्यक्ति की मदद लेनी पड़ती थी। ठीक से जाँच

करने पर पता चला कि मरीज के दोनों घुटने गंभीर रूप से खराब हो चुके थे। मरीज की उम्र ज्यादा होने की वजह से परिजन सर्जरी के लिए तैयार नहीं हो रहे थे लेकिन अच्छे से समझाने पर परिजन मरीज की सर्जरी के लिए मान गए। मरीज की हृदय रोग विशेषज्ञ द्वारा भी जाँच की गई। पूरी तरह से फिट होने पर रोबोट तकनीक की मदद सेसर्जरी करके मरीज के दोनों घुटनों को एक साथ बदल दिया। सर्जरी के अगले ही दिन मरीज ने चलना-फिरना शुरू कर दिया। चार दिन बाद मरीज ने थोडा-थोडा सीडियों पर भी चढ़ना शुरू कर दिया। मरीज ने बिना किसी सहारे के चलकर पेशाब और पॉटी करना शुरू कर दिया। स्वास्थ्य होने पर मरीज को डिस्चार्ज कर दिया। अब मरीज एक सामान्य जीवन जी रहा है। डॉ. अनुराग अग्रवाल ने कहा कि रोबोट तकनीक बुजुर्ग लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है क्योंकि इसमें छोटा सा चीरा लगाया गया इसलिए ब्लडलोस कम हुआ और मरीज ने रिकवरी बहुत तेजी से की। रोबोट तकनीक की मदद से इम्प्लांट की पोजीशन भी बहुत अच्छे से हुई। मरीज के दोनों घुटनों की रिप्लेसमेंट सर्जरी में लगभग 2 घंटे का समय लगा यह सर्जरी मरीज के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ा देती है क्योंकि इसमें घुटने के सॉफ्ट टिश्यू और हड्डी बहुत ही कम कटती है।डॉ विनीत विमल कर्ण और डॉ रोहित ठक्कर ने बताया कि हड्डी में अलग से कोई होल नहीं करने पड़ते हैं इसलिए सर्जरी के बाद मरीज को दर्द भी कम होता है।

रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी में हिप, घुटने और टखने का सिटी स्कैन किया जाता है। फिर इस जानकारी को कंप्यूटर में फीड किया जाता है। इसके बाद सर्जरी की प्लानिंग की जाती है। रोबोटिक तकनीक जटिल सर्जरी प्रक्रियाओं को अधिक सटीकता एवं नियंत्रण के साथ करने में मदद करती है, जिससे बेहतर एलाइनमेंट होता है, रिकवरी जल्दी होती है और जॉइंट इम्प्लांट लंबे समय तक चलते हैं। मरीज को हॉस्पिटल से जल्दी छुट्टी मिल जाती है और मरीज कुछ ही दिनों में अपनी दैनिक क्रियाओं को तेजी से करना शुरू कर देता है।

शहीद की पत्नी को मोमेंटो और प्रशंसा पत्र प्रदान कर किया गया सम्मानित

प्रातः किरण संवाददाता

दानापुर नगर के अंतर्गत कारगिल युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुए बिहार के गौरव शहीद विद्यानंद सिंह सेना मेडल की शहादत को नमन करते हुए भारतीय सेना की एक टीम ने उनके परिजनों से मुलाकात की। सूबेदार अमिताभ दास के नेतृत्व में कारगिल से आए चार सदस्यीय आर्मी दल बुधवार को दानापुर के विजय सिंह यादव पथ स्थित शहीद के आवास पर पहुंचा, जहां उन्होंने शहीद की पत्नी वीर नारी पार्वती देवी को मोमेंटो और प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सेना के जवानों ने शहीद विद्यानंद सिंह की वीरता और देश के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को याद किया। सूबेदार अमिताभ दास ने कहा कि शहीद केवल एक परिवार के नहीं, बल्कि पूरे देश के गौरव होते हैं। उनके परिवारों को सम्मानित करना सेना का कर्तव्य है, क्योंकि उनका बलिदान हमारी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता है। यही वजह है कि आर्मी के तरफ उन्हें मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

साथ ही वीरांगना पार्वती देवी के धैर्य और साहस को सलाम किया। उपस्थित सैन्य अधिकारियों ने उनसे हालचाल लिया और कहा कि ऐसे अवसर न सिर्फ शहीदों के परिजनों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का जरिया होते हैं, बल्कि समाज को भी अपने कर्तव्यों और देशभक्ति की भावना की याद दिलाते हैं।

शहीद विद्यानंद सिंह 1999 में कारगिल युद्ध के ऑपरेशन विजय के दौरान अदम्य साहस और शौर्य का परिचय देते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। उन्हें सेना मेडल से सम्मानित किया गया था। उनकी वीरता की गाथा आज भी लोगों को गर्व और प्रेरणा से भर देती है।

इस मौके पर उपेंद्र सिंह भी उपस्थित थे।

मॉक ड्रिल कर आग से बचाव की दी गई जानकारी

पटना सिटी (प्राकि)। पटना सिटी फायर स्टेशन की ओर से मालसलामी, मारुफगंज व अन्य स्थान पर स्थित दुकान व होटलों में मॉक ड्रिल कर आग से बचाव की जानकारी लोगों को दी गई। मौके पर। मौजूद लोगों को बताया गया कि आग लगने पर क्या करें और क्या नहीं करें। फायर कर्मी पंकज कुमार रजक, दीपक कुमार राम व अंभा कुमारी ने आग से बचाव की जानकारी दी। उन सबों ने कहा कि संस्थान में अग्निशमन यंत्र अवश्य रखें और बीच बीच में इसका अभ्यास भी करते रहें। अग्निशमन यंत्र का उपयोग कैसे करें, इसकी जानकारी संस्थान के लोगों को दी गई। फायरकर्मियों ने बताया कि क्षतिग्रस्त विद्युत तारों का उपयोग नहीं करें और अस्थायी विद्युत कनेक्शन लेने से बचें। इन दिनों लगातार जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। आग लगने की स्थिति में फायर बिग्रेड कार्यालय को भी सूचित करें।

एनएमसीएच में नवपदस्थापित डीएस डॉ आरआर सिन्हा ने लिया प्रभार

पटना सिटी (प्राकि)। नालंदा मेडिकल कॉलेज के बायोकेमेस्ट्री विभाग के प्राध्यापक डॉ राजीव रंजन सिन्हा ने बुधवार को एनएमसीएच के उपाधीक्षक का पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने उपाधीक्षक रहे डॉ सरोज कुमार से पदभार लिया। इस मौके पर नवपदस्थापित उपाधीक्षक डॉप्रो राजीव रंजन सिन्हा ने कहा कि मरीजों को बेहतर सुविधा मिले, यही उनकी प्राथमिकता होगी। अधीक्षक के द्वारा जो कार्य उन्हें सोप जाएगा उनके साथ सभी विभक्ति अध्यक्ष फैकल्टी चिकित्सा कर्मियों के साथ ताजमहल बिठाकर कार्य को किया जाएगा बिहार सरकार की जो हर किसी को इलाज और दवा उपलब्ध कराने की है उसे पूरा किया जाएगा। मरीजों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसका ख्याल रखा जाएगा। इसके लिए सबों का सहयोग जरूरी है। अस्पताल मे कोविड वार्ड बना है। अगर कोविड का कोई मरीज आता है, तो भर्ती कर उसका इलाज किया जाएगा। मौके पर अधीक्षक डॉप्रो रश्मि प्रसाद, सर्जरी के एचओडी डॉ पीडी वर्मा, मेडिसिन के एचओडी डॉ अजय कुमार सिन्हा, एनेस्थीसिया के एचओडी डॉ बिजॉय कुमार, डॉ मोतीलाल दास, डॉ प्रदीप कारक, डॉ अनिता कुमारी, डॉ सत्येंद्र शर्मा, डॉ संजय कुमार, डॉ ओमप्रकाश, डॉ प्रवीण साहू, डॉ राजेंद्र प्रसाद, डॉ संतोष कुमार, प्रशासी पदाधिकारी डॉ मुकुल कुमार सिंह सहित अनेक चिकित्सक, मेट्रो व कर्मी उपस्थित रहे।

झाऊगंज के आर्य समाज मंदिर में 21 को होगा योग शिविर

पटना सिटी (प्राकि)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आर्य समाज मंदिर झाऊगंज में योग शिविर का आयोजन 21 जून को किया जा रहा है। इस शिविर में योगाचार्य डॉ कर्ण द्वारा मधुमेह और रक्तचाप से पीड़ित लोगों को विशेष रूप से योग का प्रशिक्षण देंगे। कार्यक्रम 21 जून को प्रातः 5.45 से सात बजे तक होगा।

कार्यक्रम वार्ड 66 से पार्षद श्रीमती कांति देवी की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। इसकी तैयारी और जनसंपर्क के लिए पूर्व पार्षद मनोज कुमार उर्फ गोप भी प्रयत्नशील हैं। इसमें अधिवक्ता प्रदीप कुमार गुप्ता दिलीप डिडवानिया, प्रदीप काश, सहित अनेक लोग कार्यक्रम की सफलता में लगे हैं।

मेहंदीगंज से किशोर लापता, पुलिस कर रही जांच

पटना सिटी (प्राकि)। मेहंदीगंज थाना क्षेत्र के रानीपुर काली स्थान मुहल्ला से 13 वर्षीय किशोर लापता है। पुलिस परिजनों की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले में छानबीन कर रही है। लापता किशोर की दादी जीतन देवी ने दर्ज शिकायत में पुलिस को बताया है कि उनका पोता 11 जून की शाम से लापता है। वह शाम को पांच बजे घर से बाहर खेलने को निकला था। इसके बाद से वापस नहीं लौटा है। परिजनों ने खोजबीन के बाद थाना में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। इस आधार पर पुलिस मामले में छानबीन कर रही है।

तीन मोबाइल झपटमार को किया गया गिरफ्तार, बाइक भी बरामद

पटना सिटी। आलमगंज थाना की पुलिस ने तीन मोबाइल झपटमार को और चोरी की मोबाइल बेचने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष राहुल कुमार ठाकुर ने बताया कि बीते मंगलवार को गोपालगंज जिला के फुलवरिया थाना क्षेत्र के रहने वाले प्रदीप कुमार का मोबाइल गायघाट के पास एक बाइक पर सवार तीन झपटमारों ने झपट लिया था। प्राथमिकी दर्ज करने के साथ ही थानाध्यक्ष के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी की गई। इसमें खाजेकलां थाना क्षेत्र के मासूक अली रोड सोनार टोली निवासी प्रिंस कुमार, गुरहट्टा दीवान मुहल्ला निवासी सिद्धार्थ कुमार और महाराज घाट निवासी अंशु कुमार को गिरफ्तार किया गया। घटना में उपयोग बाइक को बरामद करते हुए झपटा गया और चोरी का मोबाइल बरामद किया गया। छापेमारी दल में दारोगा अभिषेक राज और सत्यम कुमार शामिल थे।

लैंगिक उत्पीड़न पर जांच समिति ने बंद लिफाफे में अधीक्षक को सौंपी रिपोर्ट

प्रातः किरण संवाददाता

पटना सिटी। नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के शिशु रोग विभाग के एनआरसी में कार्यरत नर्स के साथ छेड़खानी और अभद्र व्यवहार किए जाने का आरोप स्वास्थ्य प्रबंधक प्रणय कुमार पर लगाया गया था। घटना शिशु रोग विभाग के चेंजिंग रूम के पास 14 मई को अपराह्न करीब 3.30 बजे के आसपास की है। घटना के दूसरे दिन पीड़िता ने अधीक्षक को लिखित रूप से शिकायत की थी। इसके बाद अधीक्षक डॉप्रो रश्मि प्रसाद ने मामले को जांच समिति के समक्ष सौंपे जाने की बात कही थी। इस पर पीड़िता सचिवालय स्थित स्वास्थ्य विभाग में जाकर अधिकारियों से शिकायत की। हालांकि इसके दूसरे ही दिन जांच समिति का गठन हुआ और सुनवाई शुरू हो गई। जांच समिति के में डॉप्रो बीपी जायसवाल, डॉप्रो दीप्ति रॉय, डॉप्रो प्रदीप कारक, डॉप्रो अनिता कुमारी एवं एक अधिवक्ता को बाद में शामिल किया गया। इस दौरान वहां पर लगे सीसीटीवी में भी पूरा मामला कैद हो गया। इसमें स्वास्थ्य प्रबंधक रहे प्रणय कुमार के द्वारा नर्स के साथ छेड़खानी की जा रही थी। वह उसे अपनी ओर खींच रहे थे, जबकि वह लगातार हटने का प्रयास कर रही थी। किसी तरीके से वह चेंजिंग रूम की ओर भाग कर जाने में सफल रही। हालांकि वह वीडियो काफी कुछ बोल रहा था। इस बीच 17 मई को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय का कार्यक्रम सेंटर आफ एक्सीलेंस में मेडिसिन विभाग में आयोजित आयोजित था। इसी बीच पीड़िता मंच पर जाकर मंत्री को भी आवेदन देते हुए आपबीती सुनाई। इस बीच मंत्री और अधीक्षक के बीच गुफ्तगू हुई।

उसी दिन अधीक्षक ने स्वास्थ्य प्रबंधक प्रणय कुमार को कार्य मुक्त करने का आदेश जारी कर दिया। इस दौरान जांच समिति के द्वारा अनेक दौर में पूछताछ का दौर भी चला। कभी अलग-अलग, तो साथ में बैठा कर भी पूछताछ की गई। अंततः जांच समिति ने बंद लिफाफे में अपनी रिपोर्ट अधीक्षक डॉप्रो रश्मि प्रसाद को सौंप दी है। अब देखना है कि बंद लिफाफे में सौंप गई रिपोर्ट में क्या लिखा गया है अब बुधवार को अधीक्षक पहले उपाधीक्षक के पद पर डॉप्रो राजीव रंजन सिंह के प्रभार लेने और उसके बाद उन्हें बधाई देने के साथ ही क्रय समिति की बैठक में व्यस्त रहीं। इसी बीच जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट उन्हें सौंपी है। अब कल या इसके बाद अधीक्षक उक्त जांच रिपोर्ट को देखकर अध्ययन करेंगी और विभागीय मंत्री या वरीय अधिकारी से परामर्श कर उचित निर्णय लेकर आदेश जारी करेंगी।

इन उपायों से गर्मी में अपने पोल्ट्री फार्म को सुरक्षित रख सकते हैं मुर्गीपालक

गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग ने जारी की सलाह

- छत पर सफेद चूना, घास-टाट बिछाकर पानी छिड़कें तथा कूलर/फैन का उपयोग करें
- मुर्गियों को ठंडा पानी उपलब्ध कराएँ, टंकियों को छाया में रखें और इलेक्ट्रोलाइट्स मिलाएँ
- सुबह-शाम ठंडे समय में दाना दें, प्रोटीन कम कर विटामिन/खनिज बढ़ाएँ
- तनाव कम करने वाले सप्लीमेंट्स दें, टीकाकरण व डि-वॉर्मिंग का ध्यान रखें
- फार्म को सूखा व साफ रखें, नियमित कीटनाशक छिड़काव करें

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।बिहार सरकार के पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग ने गर्मी के मौसम में पोल्ट्री फार्म को सुरक्षित और उत्पादनशील बनाए रखने के लिए मुर्गीपालकों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि गर्मी के मौसम में तापमान बढ़ने के कारण मुर्गियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसके कारण अंडा-मांस उत्पादन में कमी, मुर्गियों की मृत्यु दर में वृद्धि और विभिन्न बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है।

इससे बचने के लिए विभाग ने कई उपाय सुझाए हैं। विभाग की ओर से जारी सलाह में कहा गया है कि तापमान को नियंत्रित रखने के लिए पोल्ट्री शेड में उचित वेंटिलेशन रखें। शेड की छत पर सफेद चूना या रिफ्लेक्टिव पेंट का प्रयोग कर और घास-टाट बिछाकर उसपर पानी के छिड़काव से तापमान को नियंत्रित किया जा सकता है। इसके साथ ही कूलर, फैन या वाटर फॉगिंग सिस्टम का उपयोग करें।

जल प्रबंधन पर जोर देते हुए, विभाग ने साफ-ठंडा पानी हमेशा उपलब्ध रखने, पानी की टंकियों को दिन में 2-3 बार भरने और उन्हें छाया में रखने की सलाह दी है। साथ ही इलेक्ट्रोलाइट्स व विटामिन सी पानी में मिलाने की सलाह दी है ताकि मुर्गियों को डिहाइड्रेशन से बचाया जा सके।

आहार के लिए सुबह-शाम ठंडे समय में ऊर्जा युक्त दाना देने, हाई प्रोटीन से बचने और खनिज-विटामिन की मात्रा बढ़ाने की बात कही है। पशु एवं मत्स्य संसाधान विभाग की ओर से जारी इस सलाह में स्वास्थ्य प्रबंधन के तहत तनाव कम करने वाले सप्लीमेंट्स देने, टीकाकरण और डि-वॉर्मिंग शेड्यूल का पालन करने, बीमार मुर्गियों को तुरंत अलग करने की बात कही गई है।

साथ ही, सफाई और स्वच्छता के लिए फार्म और बिछावन को साफ-सूखा रखने, नियमित रूप से कीट-नाशक छिड़काव की सलाह दी गई है। विभाग का कहना है कि इन उपायों से मुर्गीपालक गर्मी के दुष्प्रभावों से अपने पोल्ट्री फार्म को बचा सकते हैं और उत्पादन को बनाए रख सकते हैं।

तीन दिवसीय बसियौरा मेला में मां शीतला की पूजा शुरू

पटना सिटी। अगमकुआं स्थित शीतला माता मंदिर में बुधवार को तीन दिनों का बसियौरा मेला शुरू हो गया है। पहले दिन में सप्तमी पर भगवती की पूजा अर्चना की गई। गुरुवार को शीतला अष्टमी पर माता शीतला की पूजा अर्चना होगी। मंदिर के पुजारी जयप्रकाश, अमरनाथ बबलू, मनोज श्रीमाली उर्फ छोटू पुजारी, प्रबंधक पंकज पुजारी व सुनील पुजारी ने बताया कि मंदिर में बसियौरा मेला में पूजा अर्चना के लिए सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालु की भीड़ उमड़ी थी। शुक्रवार नवमी पूजन के साथ तीन दिनों के मेला और पूजा का समापन होगा। इस दौरान शहर व गांव से पूजनकरणी वालों की खासा भीड़ जुटती है। हालांकि मंदिर के दो दरवाजे के बाहर ही अतिक्रमण रहने और अवैध रूप से ऑटो और ई रिक्शा के पार्किंग होने से श्रद्धालुओं को मंदिर के अंदर जाने व बाहर निकलने में खासा परेशानी होती है।

अनुग्रह बाबू की जयंती पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया नमन, दी श्रद्धांजलि

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार के प्रथम उप मुख्यमंत्री और राज्य के वित्त मंत्री रहे डॉ अनुग्रह नारायण सिंह की जयंती पर उन्हें राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित अन्य गणमान्य जनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। बिहार विभूति स्व डॉ अनुग्रह नारायण सिंह की जयंती पर बुधवार को राजकीय समारोह का आयोजन किया गया। बिहार विधानमंडल परिसर स्थित डॉ अनुग्रह नारायण सिंह जी की आदमकद प्रतिमा पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शत-शत नमन किया। इस अवसर पर बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नन्द किशोर यादव, बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह, विधान पार्षद संजय सिंह, पूर्व सांसद रामकृपाल यादव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, बिहार राज्य नागरिक परिषद् के पूर्व महासचिव अरविंद कुमार उर्फ छोटू सिंह, बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य शिवशंकर निषाद सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, सामाजिक कार्यकताओं एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भी बिहार विभूति डॉ अनुग्रह नारायण सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती पूजन, बिहार गीत एवं देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया गया।

कौन थे अनुग्रह बाबू

बिहार विभूति अनुग्रह नारायण सिंह, जिन्हें बाबू साहब के नाम से भी जाना जाता है, एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता थे, जो आधुनिक बिहार के निमाताओं में से एक थे। वे 1946 से 1957 तक बिहार के पहले उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री रहे। वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के साथ सक्रिय रूप से शामिल थे और बिहार में गांधीवादी आंदोलन का नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्हें आधुनिक बिहार के निमाताओं में से एक माना जाता है, जिन्होंने राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

लंबित मामलों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर हो : सरावगी

राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री ने राजस्व से जुड़े लंबित वादों की समीक्षा बैठक की

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भूमि सर्वेक्षण से जुड़े कार्यों में पारदर्शिता के साथ काम में तेजी लाने को लेकर विभाग लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में मंगलवार को राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने बिहार राजस्व सेवा के अधिकारियों, अंचलाधिकारियों पर गठित आरोप, परिवाद से संबंधित लंबित वादों की समीक्षा बैठक की। बैठक में विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह, सचिव जय सिंह, सचिव गोपाल मीणा भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान लम्बित वादों की अद्यतन स्थिति की गहन समीक्षा की गई। मंत्री संजय सरावगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे वादों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, ताकि गलत करने वालों को सजा मिले और निर्दोष को न्याय। इससे प्रशासनिक पारदर्शिता बनी रहेगी तथा अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने यह भी कहा कि लम्बित मामलों के निपटारे में ढिलाई किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने जिलों से प्राप्त होने वाले प्रतिवेदन की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। साथ ही कहा कि ऐसे अधिकारी जिनपर गंभीर प्रकृति के आरोप लगे हों, उनपर त्वरित कार्यवाई सुनिश्चित की जाये। अपर मुख्य सचिव ने मंत्री को लम्बित वादों की अद्यतन स्थिति से अवगत कराते हुये कहा कि सभी मामलों की लगातार समीक्षा कर पुराने मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा सुनिश्चित कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अंचल अधिकारी/राजस्व अधिकारी पर कार्रवाई के कुल 544 मामलों का निपटारा किया गया है। इसमें 248 को लघु दंड, 92 को वृहद दंड, 89 की पेंशन कटौती और 135 पर चेतावनी की कार्रवाई की गई। इनमें से 234 मामलों का निष्पादन वर्ष 2024-2025 में किया गया है। राजस्व मंत्री ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विभागीय निगरानी प्रणाली को और मजबूत कर निष्पादन प्रक्रिया को गति दी जाये और यह सुनिश्चित किया जाये कि लंबित वाद जल्द से जल्द सुलझाए जाएं। मंत्री सरावगी ने ऐसे आवेदन जो मुख्यालय में आते हैं उनके निष्पादन के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि लोग उम्मीदों के साथ विभाग में आकर अपना आवेदन देते हैं, हमें उनका यह विश्वास बनाये रखना है। इसके लिये ऐसी व्यवस्था बनायी जाये कि इन आवेदनों की समुचित जांच के पश्चात त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाये। निष्पादन के क्रम में आवेदनों के अद्यतन स्थिति की जानकारी भी संबंधित अधिकारियों को रहे। ऐसी व्यवस्था का निर्माण किया जाये। समीक्षा बैठक में चकबंदी निदेशक राकेश कुमार, संयुक्त सचिव अनिल कुमार पांडेय, विशेष कार्य पदाधिकारी मणिभूषण किशोर समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

महिला कांग्रेस चलाएगी सेनेटरी पैड वितरण अभियान

महिलाओं के स्वास्थ्य और स्वाभिमान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। विधायक प्रतिमा कुमारी दास, पूर्व विधायक अमिता भूषण, बिहार कांग्रेस की महिला प्रभारी श्रीमती प्रीति उपाध्याय, एवं महिला कांग्रेस की टीम ने आज कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम पटना में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान महिलाओं के न्याय, विशेषकर आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर प्रकाश डाला। इन नेताओं ने कहा कि जब हम आर्थिक और राजनीतिक न्याय की बात करते हैं, तो बिहार की स्थिति अत्यंत गंभीर नजर आती है। बिहार में अभी तक नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट जारी नहीं हुई है, लेकिन कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए सर्वे के अनुसार, बिहार में 80% किशोरियों को सेनेटरी पैड नहीं मिलते हैं। आंकड़ों के अनुसार, बिहार के 40,000 स्कूलों में से मात्र 350 स्कूलों में ही सेनेटरी पैड उपलब्ध हैं।

यह कार्य बिहार सरकार को करना चाहिए था, लेकिन राहुल गांधी के नेतृत्व में भारतीय राष्ट्रीय महिला कांग्रेस ने प्रियदर्शिनी उड़ान प्रोजेक्ट के तहत यह जिम्मेदारी उठाई है। इस परियोजना के तहत कांग्रेस द्वारा बेगूसराय, वैशाली में सेनेटरी नैपकिन बनाने की मशीनें स्थापित की गई हैं। राहुल गांधी जी के जन्मदिन के अवसर पर, महिला कांग्रेस बिहार में 25,000 महिलाओं को सेनेटरी पैड वितरित करेगी, ताकि महिलाएं कपड़ा मुक्त हो सकें और स्वच्छता के साथ सम्मानपूर्ण जीवन जी सकें। प्रेस वार्ता में विधायक प्रतिमा कुमारी दास , पूर्व विधायक अमिता भूषण, महिला कांग्रेस के बिहार प्रभारी प्रीति उपाध्याय विनीता भगत सुधा प्रसाद प्रियंका कुमार मौजूद थी।

राज्य सरकार किसानों को ससमय उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध : विजय

राज्य में उर्वरकों की आपूर्ति और भंडारण की स्थिति बेहतर, उर्वरक की कोई कमी नहीं

प्रातः किरण संवाददाता

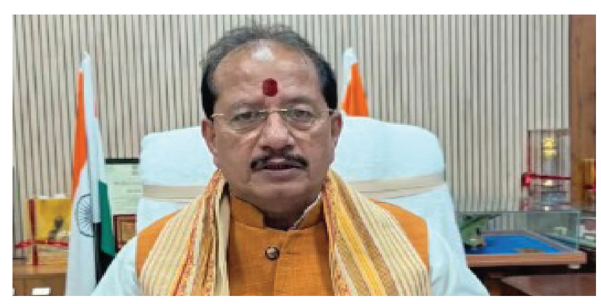

पटना। उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि खरीफ 2025 मौसम के लिए भारत सरकार द्वारा बिहार राज्य हेतु 10.32 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 2.20 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 2.50 लाख मीट्रिक टन एनपीके., 0.50 लाख मीट्रिक टन एमओपी तथा 0.75 लाख मीट्रिक टन एसएसपी उर्वरकों की आवश्यकता का निर्धारण किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में उर्वरकों की आपूर्ति और भंडारण की स्थिति बेहतर है तथा किसी भी जिले में उर्वरक की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि 18 जून 2025 तक राज्य में 3.74 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 0.93 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 2.33 लाख मीट्रिक टन एनपीके, 0.69 लाख मीट्रिक टन एमओपी और 0.92 लाख मीट्रिक टन एसएसपी का भंडार उपलब्ध है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उर्वरकों की कालाबाजारी, अवैध भंडारण एवं अधिक मूल्य पर बिक्री को रोकने हेतु राज्य सरकार सतर्क एवं सक्रिय है। उन्होंने बताया कि खरीफ 2025 के दौरान अब तक 1 उर्वरक प्रतिष्ठान के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है तथा 42 उर्वरक विक्रेताओं के प्राधिकार पत्र रद्द किए गए हैं। उन्होंने सभी जिला कृषि पदाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे जिला एवं प्रखंड स्तरीय उर्वरक निगरानी समितियों की बैठक नियमित रूप से आयोजित करें तथा प्रखंडवार उप-आवंटन क्षेत्र की आवश्यकता एवं आच्छादन के अनुसार सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों में पॉस मशीन में दर्शाई गई उर्वरक मात्रा एवं भौतिक रूप से उपलब्ध मात्रा का सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर त्वरित विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। इसके अतिरिक्त, उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने एवं अधिक मूल्य पर विक्रय को नियंत्रित करने हेतु नियमित छापामारी एवं निरीक्षण के लिए कृषि विभाग के पदाधिकारियों की विशेष जांच टीम का गठन किया जाये। उप मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे जिलों में उर्वरक की तस्करी रोकने के लिए सशस्त्र सीमा बल के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना तुरंत जिला कृषि कार्यालय को दें ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। राज्य सरकार किसानों को समय पर, पर्याप्त मात्रा में और उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

दिघवारा सड़क दुर्घटना में घायल लोगों से मिला जदयू प्रतिनिधिमंडल

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम, मीडिया पैनलिस्ट महेश दास, पार्टी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश त्यागी एवं अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश पासवान ने पीएमसीएच जाकर सैदपुर, दिघवारा में पिकअप दुर्घटना में घायल हुए इलाजरत लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने घायलों से उनका हालचाल पूछा साथ ही अस्पताल प्रबंधन से उनके समुचित इलाज के लिए मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

परिजनों ने जद यू प्रतिनिधिमंडल से बातचीत के दौरान कहा कि उन्हें अस्पताल प्रबंधन की तरफ से पूरी सुविधा दी जा रही है साथ ही उनका इलाज भी अच्छे तरीके से हो रहा है। घायलों के परिजनों ने बताया कि मरीजों को देखने के लिए समय पर डॉक्टर भी आते हैं साथ ही उन्हें सभी प्रकार की दवाईयां भी उपलब्ध करायी जा रही है। परिजनों ने बताया कि अब घायलों के स्वास्थ्य में भी काफी सुधार हुआ है और उनकी हालत पहले से अब कहीं बेहतर है।

विस चुनाव में 25 सीटों पर सिमटेंगे तेजस्वी : अशोक

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसे लेकर सभी दलों ने अपनी-अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इस बीच, आरोप-प्रत्यारोप का भी सिलसिला जारी है। हाल के दिनों में परिवारवाद को लेकर एनडीए और महागठबंधन के नेताओं में बयानबाजियों का दौर जारी है। राजद नेता और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव हाल ही में सरकार में आयोगों के गठन के बाद परिवारवाद को लेकर एनडीए पर हमलावर हैं। इस बीच, बिहार के मंत्री और जदयू के नेता अशोक चौधरी ने कहा कि तेजस्वी यादव इस चुनाव में 25 सीटों पर सिमटेंगे। बुधवार को पटना में पत्रकारों ने जब मंत्री अशोक चौधरी से विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के जीजा आयोग बनाए जाने की नसीहत के संबंध में पूछा, तो उन्होंने कहा, ये लोग इस बार 25 सीट पर सिमटेंगे, चिंता मत कीजिए। इस दौरान उन्होंने जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर पर भी किसी प्रकार की टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि उन्हें इतना बड़ा नेता मत बनाइए। राजद नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को परिवारवाद को लेकर एनडीए को घेरते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी परिवारवाद की बात करते हैं। उन्हें बिहार आकर देखना चाहिए। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि जमाई आयोग बनाया ही है, साथ में जीजा आयोग भी बना दीजिए। अधिकारी लोग भी अपनी धर्मपत्नियों को एडजस्ट करने में लगे हुए हैं।

आरएसएस की नीतियों पर चल रही सरकार : तेजस्वी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार पर जमकर निशाना है। उन्होंने कहा कि आरएसएस की ही नीतियों और निर्णयों पर नीतीश सरकार चल रही है, हमारी इस बात को सरकार में शामिल मंत्री ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार कर उस पर मुहर लगा दी है। अब तो सीएमओ में भी आरएसएस कोटा से अधिकारियों का पदस्थापन हो चुका है। कहा कि हम तो यह जानना चाह रहे हैं कि और कौन लोग आरएसएस कोटा से हैं। यह मुख्यमंत्री को बताना चाहिए। तेजस्वी ने आगे कहा कि दलितों-पिछड़ों-अतिपिछड़ों के65 प्रतिशत आरक्षण को रोकना हो, नौकरियों में आरक्षित वर्गों की हकमारी हो, प्रशासन में वंचित वर्गों के अधिकारियों को दरकिनार करना हो, दलित-पिछड़े-अतिपिछड़े और मुस्लिम वर्गों के कर्मचारियों और अधिकारियों पर अधिक से अधिक मनगढ़ंत कारवाई हो, मुसलमानों पर अत्याचार हो, बिहार में यह सब आरएसएस करवा रही है। मुख्यमंत्री अचेत है। भूंजा पार्टी रिटायर्ड अधिकारी की अगुवाई में बिहार को दोनों हाथों और पैरों से लूट रही है।

निशांत को राजनीति में आने से रोकने की हो रही साजिश

वहीं,पटना में पत्रकारों से बातचीत में राजद नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री के बेटे निशांत कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया है। तेजस्वी ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को एक साजिश के तहत राजनीति में आने से रोका जा रहा है और यह षड्यंत्र मुख्यमंत्री के करीबी नेताओं और तथाकथित भुंजा पार्टी के कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा किया जा रहा है। कहा कि मुख्यमंत्री के आसपास मौजूद कुछ लोग, जो खुद को भुंजा पार्टी से जोड़ते हैं, वे नहीं चाहते कि निशांत कुमार राजनीति में आएं। निशांत की राजनीति में आने की इच्छा है, लेकिन उन्हें योजनाबद्ध तरीके से रोका जा रहा है। मुख्यमंत्री की उम्र और अनुभव का फायदा उठाकर ये लोग अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति करना चाहते हैं। ये लोग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का इस्तेमाल कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि इन लोगों ने अपने रिश्तेदारों, जमाइयों और सबको सेट कर दिया।

उन्होंने यह भी कहा कि वह इन लोगों का चिट्ठा जनता के सामने रखेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार आगमन पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा, प्रधानमंत्री रोजगार बांटने, गरीबी खत्म या पलायन रोकने बिहार नहीं आ रहे हैं। प्रधानमंत्री पढ़ाई, दवाई, कमाई, सिंचाई की बात करने भी नहीं आ रहे हैं। प्रधानमंत्री फिर से ठगने आ रहे हैं और लंबा चौड़ा भाषण देने आ रहे हैं। लालू यादव और हम लोगों को गाली देने आ रहे हैं।

अनर्गल आरोप तक सीमित है विपक्ष की राजनीति : श्रवण

- कहा-जनकल्याण के संकल्प को पूरी प्रतिबद्धता से पूरा कर रही सरकार

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने विपक्षी दलों के आरोपों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मंत्री ने बुधवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि विपक्ष की राजनीति अब सिर्फ अनर्गल आरोप लगाने और जनता को गुमराह करने तक सीमित रह गई है, लेकिन बिहार की जागरूक जनता अब ऐसे झूठे और भ्रामक बयानों में फंसने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में डबल इंजन की एनडीए सरकार प्रदेश के समग्र विकास, सामाजिक न्याय और जनकल्याण के संकल्प को पूरी प्रतिबद्धता से पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में विपक्ष का पूरी तरह से सफाया तय है, क्योंकि बिहार की जनता आज विकास और सुशासन के साथ खड़ी है और एनडीए गठबंधन को आमजनों का पूर्ण समर्थन प्राप्त है। इससे पहले ग्रामीण विकास मंत्री ने राज्य के विभिन्न जिलों से आए आम नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

राजद के नवगठित राज्य परिषद की बैठक में आज

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के नवगठित राज्य परिषद की बैठक राज्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ तनवीर हसन की अध्यक्षता में आज पटना के ज्ञान भवन में होगी। बैठक में राजद के वरिष्ठ नेता मंगनीलाल मंडल के बिहार प्रदेश राजद का निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने की औपचारिक घोषणा की जाएगी और उन्हें निर्वाचित होने का प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। नवगठित राज्य परिषद की बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू प्रसाद जी, पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती राबड़ी देवी जी, नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी यादव जी सहित राज्य के सभी वरिष्ठ नेता, सांसद, पूर्व सांसद, विधायक एवं पूर्व विधायक सहित लगभग 800 राज्य परिषद के सदस्य शामिल होंगे।

बैठक में कई सांगठनिक प्रस्ताव लिए जाएंगे। ज्ञातव्य है कि राजद के सांगठनिक सत्र 2025 - 2028 के लिए श्री मंगनीलाल मंडल बिहार प्रदेश राजद के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित किए जा चुके हैं। पार्टी के सांगठनिक चुनाव कोषांग द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया है ।

इस शहर में अब लाश और गिद्ध है बाकी ----

दशरूपक फिल्म्स एवं काव्यानुशीलन मंच के उद्घाटन पर हुआ डा अनिल सुलभ का एकल काव्य-पाठ

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। उठ गए हैं ओ लोग जो रहे कभी ज़िन्दा / इस शहर में अब लाश और गिद्ध है बाकी !--- सहरा में दो बूँद आब सी है ज़िंदगी/ खूबसूरत मगर खाब सी है ज़िंदगी !, ---- मैं मरुथल-सा चिर प्यासा तू प्रेम सुधा की अविरल धारा, ----- दिल ही था तो ज़ख़्म भी था, कम न था/ आप सा जो इक हकीम था कुछ गम न था !,--- नयन मिले हैं जब से उनसे क्या हुई है बात/ मंत्र-भारित हो गए हैं, हर एक दिन हर रात ! बुधवार की संध्या ग्रीन-व्यू, रामनगरी स्थित दशरूपक फिल्म्स के सभागार में, गीत गजलों की इन्हीं हृदय-स्पर्शी पंक्तियों का श्रोताओं ने जी भर के आनन्द उठाया। अवसर था दशरूपक फिल्म्स के कार्यालय एवं काव्यानुशीलन मंच के उद्घाटन का। इस अवसर पर समारोह के मुख्यअतिथि और बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ का एकल काव्य-पाठ रखा गया था। आरंभ में दशरूपक फिल्म्स की निदेशक ललिता पाण्डेय एवं कवि ओम्‌ प्रकाश पाण्डेय ने अतिथियों का अंग-वस्त्रम और पुष्प-हार से स्वागत किया। डा पाण्डेय ने बताया कि उनकी संस्था गुणवत्तापूर्ण फिल्मों के निर्माण एवं काव्य-अनुशीलन के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करती रहेगी। श्री पाण्डेय के आग्रह पर डा सुलभ ने ओ सितारों भरे आकाश शीर्षक रचना से अपना काव्य-पाठ आरंभ किया। अपनी एक गजल पढ़ते हुए डा सुलभ ने कहा कि हमने सुना है इस सदी में पत्थर के दिल धड़केंगे/ इसीलिए जिस्मो-दिल को पत्थर बनाता जाता हूँ/ किसी रोज तेरे छत पर आसमां से चाँद उतरेगा/ तेरी गली में इसीलिए हर वक़्त आता जाता हूँ/ फूल में खुशबू में हर शय में, बस तू ही दिखता है/ सबके सामने झुकता हूँ, सबको गले लगाता हूँ। पटना विश्वविद्यालय के पूर्व संकायाध्यक्ष डा अखिलानंद त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में वरिष्ठ कवि प्रो सुनील कुमार उपाध्याय, वरिष्ठ लेखिका विभा रानी श्रीवास्तव, शुभ चंद्र सिन्हा, कुमार अनुपम, सुनील कुमार दूबे, शायरा शमा कौसर शमा, डा अर्चना त्रिपाठी, ई अशोक कुमार, डा अनिता मिश्र सिद्धि, सूर्य प्रकाश उपाध्याय, इंदु भूषण सहाय, डा मनोज गोवर्द्धनपुरी, सोनी मिश्र, मृत्युंजय गोविन्द, चंदा मिश्र, डा प्रियंका बासु, रविकान्त ओझा, प्रियंका पाण्डेय, प्रियम पाण्डेय, राज आनन्द, प्रणव दूबे, दृश्य केतु, नयना, राजेश कुमार आदि प्रबुद्ध श्रोता उपस्थित थे।

बिहार को पलायन के दलदल में ढकेलने वाले आज कर रहे झूठा दावा : अंजुम

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा ने कहा कि जिनके शासनकाल में बिहारवासियों ने पलायन और गरीबी का दंश झेला उन्हें आज जनता के साथ झूठा वादा नहीं करना चाहिए। उन्होंने तेजस्वी यादव पर आरोप लगाते हुए कहा कि महज चुनावी फायदे के लिए नेता प्रतिपक्ष लोगों को भ्रमित करने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि साल 1990 से लेकर साल 2005 तक के लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के शासनकाल को कौन भूल सकता है जब बड़े पैमाने पर बेरोजगारी, डर के चलते लोगों ने बिहार से पलायन किया।

उस दौर में अपहरण, हत्या, अवैध वसूली के डर से बड़े पैमाने पर बिहार से उद्योगपतियों, छात्रों, किसानों का पलायन हुआ जिससे ना केवल राज्य की अर्थव्यवस्था चैपट हुई बल्कि कृषि व्यवस्था भी चैपट हो गई।

पूर्व मध्य रेल

ई–खुली निविदा सूचना

सं०–एस–टी/सोन/ई–खुली निविदा/25–26/04 दिनांक: 12.06.2025

मंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूर संचार)/सोनपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए 'खुली ई– निविदा आमंत्रित करते हैं। ई–निविदा की अंतिम तिथि **03.07.2025 को 12.00 बजे** तक निर्धारित है। ई–निविदा संबंधी एव निविदा प्रपत्र का अवलोकन वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर किया जा सकता है। **क्रम सं०: 1, ई–निविदा सं०: एस & टी/सोन./ ई–खुली निविदा /25 – 26 /04, कार्य का नाम (मद सं० सहित) :** सोनपुर मंडल के अंतर्गत समस्तीपुर–बछवाड़ा–बरौनी खंड में ट्रैक के दोनों ओर ऑप्टिकल फाइबर केबल (2x48 ओएफसी) का प्रावधान। **अनुमानित लागत (रू. में):** 6,36,12,286.30, **बयाने की राशि(रू. में):** 4,68,100.00, **निविदा प्रपत्र की कीमत अप्रतिदेय (रू. में):** 0.00, **समापन अवधि:** एल.ओ.ए. जारी होने की तिथि से 09 (नौ) माह तक। उपरोक्त निविदा सूचना वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। दिनांक 12.06.2025 को अपलोड कर दिया गया है।

निविदा संबंधी रेल का अधिकार–किसी भी निविदा को स्थगित करने/निरस्त करने अथवा निविदा मे सुधार करने हेतु रेलवे का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदा दाता का इसमे कोई दावा मान्य नही होगा। निविदा सूचना में पाए गए किसी भी विसंगति विवरण के मामले में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबंधक (सिग० एवं दू० इंजी०)
पूर्व मध्य रेल, सोनपुर

पीआर/0410/एसईई/एसएनडीटी/टी/25–26/36

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात वाहन की ठोकर से किशोर जख्मी

कल्याणपुर। समस्तीपुर थाना क्षेत्र के समस्तीपुर दरभंगा मुख्य पथ के जनार्दनपुर गांव के समीप अज्ञात वाहन को ठोकर से एक किशोर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जख्मी को ईलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने डीएमसीएच दरभंगा रेफर कर दिया गया। जख्मी किशोर की पहचान जनार्दनपुर गांव निवासी राम पुकार राम के दस वर्षीय पुत्र के रूप में हुई है। वहीं पुलिस ने बताया कि जख्मी के परिजन द्वारा आवेदन मिलने पर आगे कार्रवाई किया जाएगा।

युवक को घर से बुला कर किया पिटाई

कल्याणपुर। समस्तीपुर चकमेहसी थाना क्षेत्र के गंगा पारन गांव में एक युवक को घर में बंधक बनाकर पिटाई का मामला प्रकाश में आया है।जिससे युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जख्मी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों की मदद से ईलाज के लिए सीएससी कल्याणपुर में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर ने गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल समस्तीपुर रेफर कर दिया गया। जख्मी युवक की पहचान श्रीनाथ पारन के अशरफी बैठा के पुत्र पवन कुमार के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार युवक को कुछ लोग घर से बुलाकर ले गया।ले जाने के बाद युवक को एक घर में बंधक बनाकर पिटाई कर देने का मामला प्रकाश में आया है। परिजन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को बरामद कर ईलाज पीएचसी भेज दिया।थाना अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने बताया कि परिन द्वारा आवेदन मिलने पर आगे कार्रवाई किया जाएगा।

सबका साथ सबका विकास महज एक जुमला है : कीर्ति आजाद

दरभंगा। टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कहा कि भाजपा जनता का विश्वास खो चुकी है। सबका साथ सबका विकास प्रारंभ से ही महज एक जुमला है। बिहार में सत्ता पर पुनः काबिज होने के लिए भाजपा अब हिंदुओं को बाँटकर जातीय सम्मेलन का आयोजन कर रही है।सबका साथ सबका विकास पर अब भाजपा को आस नहीं रहा है। सांसद श्री आजाद ने कहा कि अलग-अलग जातीय सम्मेलन आयोजित करने का एकमात्र उन जातियों का हित नहीं बल्कि ब्राह्मणों को प्रतिनिधित्व विहीन करने की साजिश है।उन्होंने कहा कि बिहार के सभी 243 विधानसभा क्षेत्र में ब्राह्मण मतदाताओं की उपस्थिति है। जातिगत जनगणना में भी ब्राह्मण एवं भूमिहार के पिछड़ेपन का जिक्र है। इसके बाद भी विधानसभा के चुनाव में ब्राह्मणों को उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया जाता है।इस कारण शासन प्रशासन से ब्राह्मण लगातार पीछड़ रहे हैं।श्री आजाद ने कहा कि ब्राह्मण मतदाताओं के समर्थन से भाजपा सत्ता हासिल कर लेती है। अब समय आ गया है कि ब्राह्मण सोच समझकर भविष्य को देखते हुए मतदान करें। सांसद श्री आजाद ने कहा कि मिथिला के लोगों को बंगाल में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। बड़ी संख्या में पूर्वांचल के लोग व्यवसाय से जुड़कर अपनी मजबूत स्थिति का एहसास करा रहे हैं।उन्होंने कहा कि मुझे दरभंगा की जनता ने लोकसभा में तीन बार प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्रदान किया इसके लिए सबो का ऋणी हूँ।

बाढ़ सुरक्षा के लिए सजग प्रयासः मधुबनी में पाँच स्थलों पर कटाव रोधी कार्य कराए गए

मधुबनी। बिहार सरकार के जल संसाधन विभाग द्वारा संभावित बाढ़ संकट को लेकर लगातार सतर्कता बरती जा रही है।इसी क्रम में मधुबनी जिले के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में कुल पाँच स्थलों पर कटाव रोधी एवं तटबंध सुरक्षा कार्य सक्रिय रूप से कराए गए हैं।प्रखंड मधेपुर अंतर्गत पंचायत बकुआ के चैनल घाट स्थित ग्राम राधीकापुर में कटाव रोधी कार्य कराया गया है।इसी प्रखंड के पंचायत महपतिया अंतर्गत ग्राम सोनबरसा में भी सुरक्षा कार्य संपन्न कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त विस्तारित सिकरहट्टा मंझारी निम्न बांध के किमी 20.600 से किमी 20.950 तथा किमी 24.00 से किमी 24.50 के बीच आवश्यक कटाव निरोधक कार्य किए गए हैं। साथ ही पश्चिमि कोशी तटबंध के किमी 30.105 स्पर (घोघरदिहा के नीचे) पर भी कार्य किया गया है।इन कार्यों के माध्यम से जल संसाधन विभाग बाढ़ के संभावित प्रभाव को न्यूनतम करने तथा तटबंधों की मजबूती सुनिश्चित करने के लिए निरंतर सक्रिय है।

उपभोक्ताओं को ससमय गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न की आपूर्ति सुनिश्चित करें: डीएम

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। उपभोक्ताओं को उचित मात्रा में ससमय गुणवत्तापूर्ण अनाज वितरण करना सुनिश्चित करें। सभी मार्केटिंग ऑफिसर जन वितरण प्रणाली की दुकानों पर पूरी जवाबदेही से प्रतिमाह सरकारी मानक के अनुरूप खाद्यान्न का वितरण करायें तथा अनुमंडल पदाधिकारी पूर्वी एवं पश्चिमी प्रभावी मानिटरिंग करें। यह बातें जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने समाहरणालय सभागार में मंगलवार को आयोजित जिला आपूर्ति टास्क फोर्स की बैठक में कही। पैक्स गोदाम एवं मीलों के कामकाज में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु 18 जून को सघन जांच अभियान चलाया जायेगा तथा खाद्यान्न के भंडारण का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। इसके लिए प्रखंडवार जिला स्तरीय अधिकारियों की तैनाती की गई है तथा उन्हें उसी दिन शाम को जांच प्रतिवेदन जिला पदाधिकारी को समर्पित करने का निर्देश दिया गया है। दोषी पैक्स एवं मिलर के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्य में प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी अगर दोषी पाए जाएंगे उनके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। हरेक प्रखंड के प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी को जांच कार्य में अपेक्षित सहयोग करने तथा गोदाम खोले रखने का निर्देश दिया गया है। बैठक में निर्देश दिया गया कि गोदाम पर कोई भी बिचौलिया और डीलर को नहीं जाना है। पकड़े जाने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बंदरा प्रखंड के सिमराचक श्रीकंठ के पैक्स में अब तक एक भी लॉट सीएमआर जमा नहीं किया गया है। जबकि इन्हें पूर्व में ही आदेश दिया जा चुका है। जिलाधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पदाधिकारी पूर्वी को जांच कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। गबन का मामला पाये जाने पर मिलर के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया गया। सभी प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि पैक्स द्वारा अधिप्राप्त गेहूं का 22 जून तक निश्चित रूप से राज्य खाद्य निगम को उपलब्ध कराया जाय। मुख्य परिवहन अभिकर्ताओं को पर्याप्त संख्या में वाहन लगाकर टीपीडीएस गोदामों पर ससमय खाद्यान्न पहुंचाने का निर्देश दिया गया। साथ ही जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम को निदेश दिया गया कि जिन मुख्य परिवहन अभिकर्ताओं द्वारा पर्याप्त संख्या में वाहन उपलब्ध नहीं कराया जाता है तो उनके विरुद्ध कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। ई-केवाईसी लाभुक वेरीफिकेशन में अपेक्षित प्रगति नहीं लाने के कारण सरैया के मार्केटिंग ऑफिसर का वेतन बंद कर दिया गया है तथा 15 जून तक सुधार नहीं लाने पर उनके विरुद्ध प्रपत्र क गठित की जाएगी। अनुमंडल पदाधिकारी पूर्वी एवं पश्चिमी को अपने अनुमंडलीय क्षेत्र के मार्केटिंग ऑफिसर के कार्य की साप्ताहिक समीक्षा करने तथा प्रगति लाने का निर्देश दिया गया। राशन कार्ड रद्दीकरण से संबंधित मामले की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने पूरी सावधानी एवं जवाबदेही से यह कार्य करें जिससे जरूरतमंद एवं झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले गरीब व्यक्ति वंचित न हो जाये, इसका विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया।

मंत्री मदन सहनी ने किया एजीएल टाइल्स शोरूम का भव्य शुभारम्भ

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा दिल्ली मोर के चौधरी पेट्रोल पंप के बगल में एजीएल टाइल्स मार्बल के शोरूम का भव्य उद्घाटन समाज कल्याण विभाग के मंत्री मदन साहनी के करकमलो के द्वारा हुआ। जहां मुख्य अतिथि सीजीएल के डीजीएम मनीष सिंह, आरएम विश्वजीत चौधरी, आरएम सेल्स कुमुद रंजन पाठक, सुशील कुमार, विजय कुमार,मुखिया महासंघ के जिला अध्यक्ष राजीव कुमार चौधरी, केजीएम ग्रुप के निर्देशक डॉ तकनीम अख्तर, राजद नेता प्रेमचंद उर्फ भोलू यादव आदि मौके पर उपस्थित थे।शोरूम के प्रोपराइटर राजू कुमार मिश्रा ने कहा कि यह पहला उत्तर बिहार का इतना भव्य शोरूम है।इस शोरूम में आपको देश स्तर के बड़े-बड़े टाइल्स और मार्बल मिलेंगे।यहां कंपनी के सभी डिजाइन उपलब्ध है। लोगो के सपनों के घरों को यहां के टाइल्स मार्बल से एक अलग पहचान मिलेगी। हम लोग की प्रथम प्राथमिकता अपने कस्टमर की संतुष्टि है।हम लोग कस्टमर को संतुष्ट करने के लिए ही कार्य करते हैं।वहीं मौके पर सीए सुजीत कुमार आचार्य, शरद कुमार सिंह, शशिरंजन प्रताप सिंह, मनोज कुमार सिंह आदि उपस्थित थें।

परिवारों की सूची को अपडेट करने को लेकर विशेष ग्राम सभा का होगा आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

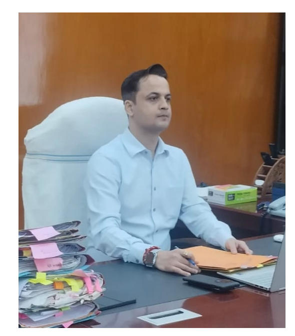

मधुबनी।जिलाधिकारी आनंद शर्मा के निर्देश के आलोक में जिले के सभी पंचायतों में कल 19,जून 2025 को संपूर्ति पोर्टल पर जांचोपरांत परिवारों की सूची को अपडेट करने को लेकर विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा।इसको लेकर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि विशेष ग्राम सभा में सभी राजस्व कर्मचारी आपदा सम्पूर्ति पोर्टल पर संधारित सूची की प्रति के साथ बैठक में उपस्थित रहेंगे। पंचायत सचिव बैठक आयोजन की सूचना सभी संबंधित सदस्य/कर्मी को देना सूचित करेंगे।राजस्व कर्मचारी का यह दायित्व होगा, कि प्रत्येक परिवार से एक व्यक्ति (मुखिया) को लाभार्थी के रूप में चिन्हित कर डाटा को अपडेट करेंगे, ध्यान रहे की एक परिवार के एक से अधिक व्यक्ति को लाभार्थी के रूप में चिन्हित नहीं किया जाय।संभावित बाढ़ प्रभावित परिवारों के मुखिया का बैंक खाता (व्यक्तिगत) एवं आधार सीड होना आवश्यक है। आधार कार्ड एवं बैंक खाता में अंकित नाम को ही पोर्टल पर प्रविष्ट किया जाय। नाम में भिन्नता नहीं हो इस पर विशेष ध्यान दिया जाय।लाभार्थी का बैंक खाता ढक्ष्ब्र से वैलिडेशन किया जाना है। अतः इसके मद्देनजर कैंप मोड में आधार सीड करवाना सुनिश्चित करेंगे।ताकि भुगतान के क्रम में भुगतान असफल नहीं हो।परिवारों की सूची में मृत/ट्रेसलेस/द्वितीय प्रविष्टि, पति-पत्नी इत्यादि मामले पर विशेष ध्यान देते हुए सूची अपडेट करेंगे। आपदा सम्पूर्ति पोर्टल पर लाभार्थियों की सूची अपलोड करने के क्रम में यह प्रमाण पत्र संलग्न करें, कि सभी बिंदुओं का शत प्रतिशत अनुपालन किया गया है। जिलाधिकारी ने निदेश दिया है की बैठक के उपरांत उक्त बिंदुओं पर कृत कार्रवाई की सूचना से संबंधित प्रतिवेदन हार्ड कॉपी/ सॉफ्ट कॉपी जिला आपदा प्रबंधन शाखा, मधुबनी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे उन्होंने कहा कि बैठक की पर्यवेक्षक हेतु संबंधित प्रखंडों के वरीय प्रभारी पदाधिकारी को प्राधिकृत किया गया है। सभी प्रखंडों के वरीय पदाधिकारी उक्त तिथि को अपने आवंटित प्रखंडों के मुख्यालय पंचायत में उपस्थित रहेंगे। शेष पंचायतो में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी उक्त निर्धारित तिथि को अनिवार्य रूप से बैठक का आयोजन हेतु शेष पंचायतो में पर्यवेक्षकिय कोटि के पदाधिकारी,अंचल अधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका पदाधिकारी, आवास पर्यवेक्षक, आवास सहायक,पंचायत सचिव राजस्व कर्मचारी की प्रतिनियुक्ति करना सुनिश्चित करेंगे।

संगीत दिवस पर गायन- वादन में तबला की संगति पर हुआ व्याख्यान

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के संगीत एवं नाट्य विभाग द्वारा विश्व संगीत दिवस के अवसर पर आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय संगीत कार्यशाला के तीसरे दिन भूपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा के संगीत विभागाध्यक्ष डॉ पंकज कुमार शर्मा का ऑनलाइन सोदाहरण व्याख्यान हुआ। व्याख्यान ह्य विभिन्न गायन शैलियों में तबला संगतिह्न विषय पर बोलते हुए डॉ पंकज कुमार शर्मा ने तबला और उसकी संगति के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया। ध्रुपद की संगति अलग होती है। इसमें ताल भी अलग होते हैं। खयाल की संगति अलग होती है, उसके ताल अलग होते हैं।सुगम संगीत की संगति अलग होती है, उसके ताल भी अलग होते हैं। ध्रुपद के साथ चारताल, सूलताल, तीव्र आदि तालों की संगति होती है ।खयाल के साथ तीनताल, एकताल,आडा चारताल आदि तालों में इसे गाया जाता है। सुगम संगीत के तालों में दादरा, कहरवा,रूपक आदि ताल प्रयुक्त होते हैं।उप शास्त्रीय गायन शैली में ठुमरी के संग दीपचंदी, जत आदिताल बजाए जाते हैं तो दादरा-गायन के साथ दादरा, कहरवा और रूपक ताल बजाया जाता है। होरी, चैती, कजरी आदि में छोटी- छोटी मात्राओं के ताल बजते हैं। गायन के साथ तबला संगति का तारतम्य होने से कार्यक्रम में चार चांद लग जाता है। इसके पूर्व स्नातकोत्तर संगीत के द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों द्वारा गणपति वंदना प्रस्तुत किया गया। इसके बाद विभागाध्यक्ष द्वारा स्वागत उद्बोधन किया गया। बुधवार को आयोजित व्याख्यान दो सत्रों में हुआ। प्रथम सत्र में विषय विशेषज्ञ द्वारा सोदाहरण -व्याख्यान के बाद विभाग के द्वितीय सेमेस्टर के संगीत विषय के छात्र-छात्राओं द्वारा ह्य कजरी के रंग, विभागीय छात्र-छात्राओं के संग ह्य के अंतर्गत सात कजरी गीतों के समूह गायन की प्रस्तुति हुई जिसमें विभाग के सत्तर छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।विभिन्न परिधानों में सजे छात्र-छात्राओं द्वारा यह कार्यक्रम अत्यंत मनमोहक था। संपूर्ण कार्यक्रम की ऑनलाइन और ऑफलाइन जुड़े सभी प्रतिभागियों और उपस्थित सदस्यों ने भरपूर सराहना की। बता दें आज कार्यशाला के चतुर्थ दिवस में तीन वाह्य विशेषज्ञ प्रो नीरा चौधरी(गायन), प्रो रीना सहाय(संगीत शास्त्र-संबंधी व्याख्यान)और प्रो रीता दास(सरोद वादन) का व्याख्यान होगा।

हत्या मामले में पांच आरोपी दोषी करार

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा सिविल कोर्ट के जिला एवं तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश सुमन कुमार दिवाकर की कोर्ट ने सकतपुर थाना क्षेत्र के लगमा गांव में मदन मोहन चौधरी की नृशंस हत्या मामले में बुधवार को पांच आरोपी को दोषी करार दिया है।श्री दिवाकर की कोर्ट ने भादवि की धारा 302(मानववध) और 120(बी) में दोषी करार दिया है।एपीपी रेणू झा ने बताया कि सभी पांचो जूर्मियों का सजा अवधि निर्धारण के बिन्दु पर सुनवाई और निर्णय के लिए 11 जूलाई की तिथि निर्धारित किया है।

मृतक के बहनोई मोहन चौधरी ने बताया कि श्री शंकर संस्कृत विद्यालय लगमा में शिक्षक नियुक्ति विवाद के कारण पहली जनवरी 2016 की रात में मनीगाछी थानाक्षेत्र के बलौर निवासी सुनील कुमार झा तथा लगमा गांव के किशोर कुमार चौधरी, राघवेंद्र चौधरी, ध्रुव कुमार चौधरी, सिद्धार्थ शंकर चौधरी समेत अन्य लोगों ने मृतक को बुलाकर किशोर चौधरी के दुकान के निकट हत्या कर शव को फेंक दिया था।जिसकी प्राथमिकी सकतपुर थानाकांड सं.01/16 दर्ज की गई।न्यायालय में इसका बिचारण सत्रवाद सं.229/17 के तहत चल रही है।सुचक ने अपने अधिवक्ता अमरेंद्र नारायण झा एवं एपीपी रेणू झा के माध्यम से अपना पक्ष प्रस्तुत किया।प्रभार ग्रहण के महज एक सप्ताह के अन्दर नये लोक अभियोजक अमरेंद्र नारायण झा ने अपने निर्देशन में एपीपी श्रीमती झा द्वारा अभियोजन का पक्ष रखा और पांचों जूर्मियों का दोषसिद्ध कराने में कामयाब रहे।पीपी श्री झा ने बताया कि हत्यारों ने मृतक के शरीर और चेहरे को पहचान मिटाने के उदेश्य से कुचल दिया।मशक्कत के बाद परिजनों ने शव की शिनाख्त उसके कपड़े और बांह के दाग से किया था।ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष से न्यायालय में दस गवाहों की गवाही और आठ प्रदर्श दाखिल किया।कोर्ट ने बुधवार को सभी दोषियों का बंधपत्र खंडित कर दरभंगा जेल भेज दिया है।

सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, गुरुजी गौतम ऋषि को विशेष सम्मान,अधिक प्रवासियों की सहभागिता

मधुबनी। आयोजित रज उत्सव 2025 की अंतिम संध्या एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक संगम नोएडा स्टेडियम के रूप में उभरी, जहां 25,000 से अधिक प्रवासी ओडिया समाज के लोगों ने अपनी सक्रिय सहभागिता से आयोजन को एक गौरवमयी ऊँचाई प्रदान की। सामुदायिक विकास समिति द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय महोत्सव ने दिल्ली-एनसीआर में ओडिया संस्कृति की जीवंतता और एकजुटता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। इस महोत्सव का नेतृत्व समिति के अध्यक्ष एवं आयोजन के मुख्य संयोजक डॉ. मनोरंजन मोहंती के मार्गदर्शन में हुआ। यह पहली बार था जब नोएडा में रज पर्व राजा परबा जैसे पारंपरिक त्योहार को इतनी भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में उस समय विशेष गरिमा जुड़ गई जब सांसद एवं पार्लियामेंट हाउस कमिटी के चेयरमैन डॉ. महेश शर्मा ने सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य गुरुजी गौतम ऋषि को अंगवस्त्र और भगवान श्रीजगन्नाथ जी की प्रतिमा भेंट कर विशेष रूप से सम्मानित किया। यह सम्मान प्रवासी ओडिया समाज के लिए गर्व का क्षण था। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद एवं ओडिशा भाजपा प्रभारी श्री विजय पाल सिंह तोमर, समेत कई गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। सभी ने प्रवासी समाज की एकजुटता और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के इस प्रयास की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।रज उत्सव की अंतिम संध्या ओडिशा की पारंपरिक कलाओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और व्यंजनों की अद्भुत छटा से सराबोर रही। इस आयोजन ने नोएडा और समूचे एनसीआर क्षेत्र में एक नया सांस्कृतिक इतिहास रचते हुए प्रवासी ओडिया समाज की सांस्कृतिक शक्ति और आत्मीयता को रेखांकित किया।

नीतीश कुमार के कार्यकाल में स्वास्थ्य के क्षेत्र में परिवर्तन किया गया है : प्रो विनय चौधरी

प्रात: किरण संवाददाता

बहेड़ी(दरभंगा)। स्थानीय विधायक प्रो विनय कुमार चौधरी ने बुधवार को जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम अंतर्गत बहेरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में लगभग एक दर्जन धात्री महिलाओं को जच्चा-बच्चा कीट वितरण किया ।इस दौरान उन्होंने जच्चा बच्चा की समुचित देखभाल के संबंध में विस्तृत जानकारी उपस्थित जनसमूह को दी। इस अवसर पर विधायक श्री चौधरी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यकाल में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र मेंआमूल चूल परिवर्तन किया गया है । उनके सत्ता संभालने के समय बिहार में शिशु मृत्यु दर प्रति 1000 पर 47 थी जो वर्तमान समय में घटकर मात्र 27 रह गई है जो आधे के आसपास है एवं यह औसत राष्ट्रीय औसत से भी कम है जो अपने आप में एक मिसाल है। लेकिन सरकार इसे न्युनतम करने के लिए प्रयास कर रही है इसके लिए सरकार द्वारा विभिन्न चरणों में जननी बाल सुरक्षा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना जैसे प्रभावी कार्यक्रम चलाए गए ।जिसका परिणाम आज देखने को मिल रहा है कि मातृ शिशु मृत्यु दर लगातार घट रही है जो एक हर्ष का विषय है ।साथ ही गर्भवती माता एवं नवजात बच्चों में कुपोषण दूर करने के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं जिससे कि उचित पोषाहारऔर समय टीकाकरण के माध्यम से जच्चा बच्चा को स्वस्थ रखने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके लिए वार्ड स्तर पर ममता एवं आशा की बहाली के साथ-साथ आंगनबाड़ी केंद्र संचालित है जो प्रतिदिन गर्भवती एवं प्रसूति महिलाओं की नियमित देखभाल के साथ-साथ निकटतम स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से सभी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा रही है ।जिसका सार्थक परिणाम आज देखने को भी मिल रहा है ।विधायक श्री चौधरी द्वारा उपलब्ध कराए गए जच्चा बच्चा कीट में सुधा स्पेशल घी,खिचड़ी प्रीमिक्स,नमकीन दलिया रीमिक्स ,वेसन वर्फी सहित अन्य पोषक सामग्री उपलब्ध कराए गए हैं ।इस दौरान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ ब्रह्मदेव महतो,डॉ अनुरंजन कुमार,युवा जदयू जिलाध्यक्ष राम शंकर सिंह,मनीष कुमार,संतोष साह,स्वास्थ्य प्रबंधक सतीश पांडे,डीएमसीए राजीव मिश्रा,लेखपाल अमरेश कुमार ,एनएम कल्याणी भारती, मनोरमा, कुसुमति सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे ।

जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा के कारण नहीं हुआ कांटी क्षेत्र का विकास : अजीत

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।राज्य के पूर्व मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता अजीत कुमार मंगलवार को कांटी क्षेत्र के छितरपट्टी गांव में किसान- मजदूर, युवा जनसंवाद कार्यक्रम के तहत सैकड़ो लोगों से रूबरू हुए। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी एवं मौके पर अधिकारियों से बात कर कई समस्याओं का निदान कराया।स्थानीय लोगों ने पूर्व मंत्री से सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड नहीं बनाए जाने,अनावृष्टि के कारण व्याप्त पेयजल संकट, दाखिल खारिज एवं अन्य कार्यों में अंचल कार्यालय में हो रही परेशानी, विद्युत विभाग द्वारा विद्युत आपूर्ति में की जा रही लापरवाही, की शिकायतें कीं। पूर्व मंत्री ने लोगों की शिकायतें गंभीरता से सुनी एवं उसके निदान के लिए सक्षम अधिकारियों से बात कर त्वरित कारवाई कराने का भरोसा दिलाया।जन संवाद कार्यक्रम के उपरांत ग्रामीणों को संबोधित करते हुए श्री कुमार ने कहा कि इस क्षेत्र में बने समस्या का मकरजाल के लिए कांटी के जनप्रतिनिधि पूरी तरह जिम्मेवार हैं। उनके उदासीनता के कारण बीते 10 वर्षों में कांटी क्षेत्र का अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है, जो गंभीर चिंता का विषय है।उन्होंने लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आप चिंता न करें, हम लड़ाई लड़कर आपके क्षेत्र का सर्वांगीण विकास, बेरोजगारों को रोजगार व सम्मान हर हालत में दिलाएंगे। जन संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता पैक्स अध्यक्ष सरोज कुमार तिवारी ने किया। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद कुमार सिंह, विवेक रंजन, मनोज तिवारी, डॉक्टर अमरेश कुमार, वार्ड सदस्य मोहम्मद मेराज, संजीत सहनी , शंकर सहनी, वीरेंद्र सहनी, सदिक मियां ,ओम प्रकाश शाह , हैदर अंसारी आदि उपस्थित थे।

उर्वरकों की कालाबाजारी करने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई : जिलाधिकारी

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक समाहरणालय में की गई। उन्होंने सभी प्रखंडों में समानुपातिक रूप से आच्छादन के अनुसार उर्वरकों का वितरण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि उर्वरकों की कालाबाजारी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके लिए प्रशासनिक अधिकारियों की टीम गठित कर विशेष जांच अभियान चलाने तथा दोषी के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई करने का निर्देश जिला कृषि पदाधिकारी को दिया। उन्होंने जिला कृषि पदाधिकारी को अधिक से अधिक उर्वरकों का नमूना लेकर उसकी जांच करने तथा गलत उर्वरक बेचने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने किसानों की जरूरत के अनुसार बांछित उर्वरक उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण रूप से ससमय उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। उर्वरक स्थल एवं दुकान पर उर्वरक की उपलब्धता के बारे में जानकारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी, कृषि समन्वयक एवं किसान सलाहकार से ली जा सकती है। साथ ही उर्वरक की बिक्री से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत जिला कृषि पदाधिकारी अथवा अनुमंडल कृषि पदाधिकारी से की जा सकती है।किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने तथा प्रखंडों में उर्वरक की उपलब्धता के संबंध में जानकारी देते हुए जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि गुणवत्तापूर्ण उर्वरकों की बिक्री हेतु अब तक 303 लक्ष्य के विरुद्ध 78 नमूना का संग्रहण कर गुण नियंत्रण प्रयोगशाला को भेजा गया है। साथ ही खरीफ 2025 में उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा प्राप्त उर्वरक को फसल आच्छादन लक्ष्य के अनुरूप प्रखंडवार आवंटित किया गया है।बैठक में विधायक विजेंद्र चौधरी ,जिला कृषि पदाधिकारी सुधीर कुमार ,जिला सहकारिता पदाधिकारी राम नरेश पांडे सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बड़कागांव के नोनिया टोला में नहीं है सरकारी विद्यालय और सड़क

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। राज्य के पूर्व मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता अजीत कुमार बुधवार को बड़कागांव बिनमा के ढाह नोनिया टोला पहुंचे,जहां जन संवाद कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय लोगों के समस्या से रूबरू हुए। जन संवाद कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके गांव का सर्वांगीण विकास नहीं होने के कारण जनप्रतिनिधियों के प्रति गहरा आक्रोश व्यक्त किया। लोगों ने पूर्व मंत्री से बिजली की जर्जर स्थिति एवं मुख्य सड़क से गांव तक पक्की सड़क नहीं होने के वजह से आने -जाने में हो रही कठिनाईयों को दूर कराने को कहा।कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने बस्ती के अंदर बच्चों की पढ़ाई के लिए सरकारी स्कूल की व्यवस्था कराने का भी पूर्व मंत्री से कहा । मौके पर श्री कुमार ने बिजली विभाग के कर्मी को बुलाकर विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने को कहा। उन्होंने विद्यालय एवं सड़क के मामले पर सक्षम अधिकारीयों से बात कर इस समस्या का निदान कराने का लोगों को आश्वासन दिया। लोगों ने चुनाव के बाद जनप्रतिनिधि के द्वारा उनका सुधि नहीं लिए जाने पर भी गहरा आक्रोश व्यक्त किया। लोगों ने श्री कुमार से कहा कि आप कांटी के गरीबों का विकास व सम्मान के लिए संघर्ष करें, हम सब आप के साथ हैं। उपस्थित लोगों ने हाथ उठाकर श्री कुमार को समर्थन का वादा किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता व वार्ड सदस्य गणेश महतो ने किया। इस मौके पर पूर्व मुखिया रंजीत कुमार सिंह , पप्पू गुप्ता ,संतोष कुमार शाही, पूर्व वार्ड सदस्य मालती देवी, हरेंद्र महतो, उपेंद्र महतो,प्रभु दास, सिया देवी ,महादेव महतो, प्रभु साह, केदार महतो,भदई महतो, रामचंद्र सहनी, धाना देवी, रमेश महतो, ज्ञायंती देवी, मदन सिंह, रामनाथ महतो आदि लोगों ने कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाया।

अलग-अलग सड़क निर्माण कार्य में अनियमितता को लेकर बीडीओ को दिया आवेदन

प्रात: किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड के मुस्तफापुर निवासी समाजसेवी राम नरेश ने अलग-अलग सड़क निर्माण कार्य में अनियमितता को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी को लिखित आवेदन देकर शिकायत की है। बताया है कि मुस्तफापुर वार्ड 05 विशनपुर पोखर से रामनरेश झा के गाछी होते हुए बुच्चन झा के घर तक मिट्टीकरण का कार्य करवाया जा रहा है। जिसमें मिट्टी नाममात्र देकर सड़क को छिलकर गड्ढा भरकर बराबर कर दिया गया है। कार्य में धांधली एवं अनियमितता बरती जा रही है। जबकि इस सड़क पर बारिश के समय जलजमाव से आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं इस संबंध में रोजगार सेवक से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि उच्च पदाधिकारी बीडीओ,पीओ को कमीशन देते है।काम ऐसा ही होगा जहां जाना है जाइए सभी पदाधिकारी मेरे जेब में है। वहीं दूसरी ओर वार्ड 09 में संतोष महतो के घर से सोनी मियां के घर तक एवं वार्ड 04 में शंकर पासवान व वदन पासवान के घर होते हुए रामप्रीत राय के घर तक मनरेगा कार्य में भी धांधली किया जा रहा है। वार्ड 09 में पीसीसी सड़क का ढ़लाई होने वाला है लेकिन अभी तक योजना का बोर्ड नहीं लगाया गया है। जिससे पता चल सके कि योजना कितना का है।इस संबंध में ग्राम सेवक से पूछे जाने पर बिगड़कर बोला तुम लंगड़ा होकर काबिल है हमलोग मूर्ख है। अपने इच्छानुसार काम करवाउंगा। सभी को कमीशन देते है। वहीं वार्ड 04 में सड़क पर मिट्टी बिल्कुल दिखाई नहीं दे रहा है।

डॉ अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत शिविर आयोजित

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड के महिषी पंचायत पासवान टोला वार्ड 03 में रंजीत पासवान के दरवाजे पर डॉ अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति टोला में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पंचायत स्तरीय कर्मी एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित हुए। मौके पर सिविल प्रभारी अजीत कुमार ठाकुर, पंचायत सचिव विनय प्रसाद, राजेश कर्मचारी सत्येंद्र पासवान, विकास मित्र अजय कुमार रमन, पंचायत रोजगार सेवक डी पासवान, किसान सलाहकार रंजीत कुमार, टोला सेवक प्रेमजीत राम, डाटा एंट्री ऑपरेटर अमृता आदि उपस्थित हुए।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, गुरूवार, 19 जून, 2025

गोलियों की तड़तड़ाहट से थरार्या लखीसराय का पिपरिया दियारा, मुखिया सहित दो को गोलियों से भूना, हुई मौत

- डीआईजी राकेश कुमार व एसपी अजय कुमार पहुंचे घटनास्थल पर, कहा, हत्यारे जल्द होंगे पुलिस की गिरफ्त में
- तीन संदिग्धों को पुलिस ने लिया हिरासत में
- जिला मुखिया संघ ने डीएम से मृतक के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए मुआवजा व नौकरी देने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय(सरफराज आलम) लखीसराय में मंगलवार की देर रात अपराधियों ने पिपरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत वलीपुर पंचायत के मुखिया चंदन कुमार उर्फ डोमू सिंह और वार्ड सदस्य प्रतिनिधि चंदन कुमार की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी ! जानकारी के मुताबिक दोनों देर रात श्रद्धा भोज से लौट रहे थे इसी दौरान पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन पर तांबड़तोड़ फायरिंग कर दी !उसके बाद अपराधी वहां से फरार हो गए !अपराधियों द्वारा मुखिया को 6और वार्ड सदस्य प्रतिनिधि को 2 गोली मारी गई !गोलियों की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और दोनों को अस्पताल लेकर पहुंचे !हालांकि, अस्पताल पहुँचने से पहले मुखिया और वार्ड सदस्य प्रतिनिधि की मौत हो चुकी थी !घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुँच जाँच शुरू कर दी है !प्राथमिक जांच में हत्या का कारण आपसी रंजिश बताई जा रहा है !ग्रामीणों के मुताबिक मुखिया और वार्ड सदस्य प्रतिनिधि भोज स्थल से 20से 30 मीटर दूर हीं गए थे ! तभी अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी ! अपराधियों ने 24 से 25 राउंड फायरिंग की ! पिपरिया दियारा में मुखिया चंदन कुमार की हत्या एवं भारी गोलीबारी से इलाके में सनसनी फैल गई है !वहीं एसपी अजय कुमार ने कहा कि अविलंब अपराधियों की गिरफ्तारी की जाएगी !फिलहाल तीन संदिग्ध को हिरासत में लेकर कड़ी पूछताछ की जा रही है !वहीं घटनास्थल पर मुंगेर प्रक्षेत्र के डीआईजी राकेश कुमार भी पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया तथा अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए !वहीं लखीसराय जिला मुखिया संघ के प्रतिनिधियों ने संघ के अध्यक्ष अनिल सिंह उर्फ मखरू सिंह के नेतृत्व में डीएम मिथिलेश मिश्र से भेंट कर मृतक मुखिया तथा वार्ड सदस्य के परिजनों को 1-1 करोड रुपए मुआवजा के साथ जिले के सभी मुखिया को आर्म्स लाइसेंस देने की मांग की ! जिस पर डीएम ने कहा कि उनकी मांगों को गंभीरता से लिया जाएगा ! वैसे उक्त घटना से पिपरिया दियारा सहित पूरे जिले में सनसनी फैल गई है !

नयानगर में खरीफ कृषि जनकल्याण चौपाल का किया गया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

नयानगर (मधेपुरा) उदाकिशुनगंज प्रखंड के नयानगर पंचायत के सिंगारपुर पंचायत भवन में दो जून से 21जून 2025 तक पंचायतबार तिथिवार एवं टीमवार खरीफ कृषि जनकल्याण चौपाल का आयोजन किया गया। नयानगर के मुखिया प्रतिनिधि रूपेश झा की अध्यक्षता में कृषि जनकल्याण चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में उदाकिशुनगंज के कृषि समन्वयक मनीष कुमार किसान सलाहकार अनिल कुमार पाठक ने कई खरीफ फसलों के बारे मे विस्तृत जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। इस मौके पर उपस्थित कृषि समन्वयक मनीष कुमार के साथ किसान सलाहकार अनिल कुमार पाठक ने उपस्थित किसानों को विज वितरण, जैविक खेती बर्मी पिट इकाई निर्माण, मिट्टी जाँच नमूना संग्रह के बारे में विशेष जानकारी प्रदान की। जबकि खेतों में रासायनिक खाद का उपयोग कम करने, वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग ज्यादा से ज्यादा करने एवं खरीफ फसल श्री विधि धान, अरहर, मक्का सहित मौसम के बदलते परिवेश में धान की सीधी बुआई, अरहर की उन्नत खेती, सहित कई तकनीकी जानकारी से किसानों को विस्तृत रूप से अवगत कराते हुए मुनाफे कमाने हेतु प्रेरित किया। वही मुखिया प्रतिनिधि रूपेश झा ने कहा कि किसानों को परंपरागत खेती से दूर हटकर वैज्ञानिक तरीके से खेती करने के लिए सुझाव बताए। इस अवसर पर किसान मुकेश झा, संजीव झा, कैलाश मंडल, गौतम मंडल, महेशर मंडल, नरेश मंडल, रंजीत झा, पप्पू चौरसिया, दुलारचंद शर्मा, जवाहर चौरसिया, विदेस्वरी शर्मा सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । मंगलवार को सदर प्रखंड अंतर्गत हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर चड़ौन का प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुशील कुमार झा ने हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर चौहान का औचक निरीक्षण करने पहुंचे । निरीक्षण के दौरान डॉ सुनीता कुमारी अनुपस्थित पाई गई। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने अनुपस्थित डाक्टर का एक दिन का वेतन काटने का आदेश देते हुए उक्त अनुपस्थित महिला डाक्टर से स्पष्टीकरण मांगने क। आदेश दिया। वहीं उन्होंने सभी प्रकार के पंजी तथा दवा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ स्वास्थ्य प्रबंधक रवि कुमार तथा कार्यालय कर्मी राहुल कुमार सी एच ओ आरती कुमारी एवं एएनएम उपस्थित रहे।

मुंगेर की 10 वर्षीय बेटी सृष्टी भारती ने नेपाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नृत्य प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल प्राप्त कर जिले और राज्य का नाम रोशन किया

प्रात : किरण संवाददाता

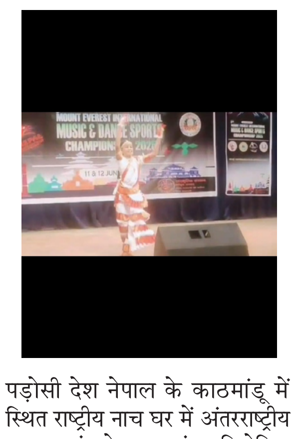

मुंगेर / बरियारपुर (मुंगेर) । हुनर किसी का मोहताज नहीं होता है अगर इसमें परिवारवालों का साथ मिल जाए तो लड़के हो या लड़कियां किसी भी क्षेत्र में अपना झंडा गाड़ सफलता प्राप्त कर सकता है। ऐसा ही एक मामला देखने को मिला जब मुंगेर शहर के रिफ्यूजी कॉलोनी निवासी सूर्यकांत भारती (जीतू) व नूतन भारती की 10 वर्षीय बेटी सृष्टी भारती ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित नृत्य प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल प्राप्त कर जिले और राज्य का नाम रोशन किया है। सृष्टि ने बताया कि उसने यह मेडल पड़ोसी देश नेपाल के काठमांडू में स्थित राष्ट्रीय नाच घर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इंटरनेशनल डांस प्रतियोगिता 2025 में देश के विभिन्न राज्यों से आए 200 कलाकारों को नृत्य में हराकर दूसरा स्थान प्राप्त किया । उसके पिता मोबाइल मैकेनिक है । इस प्रतियोगिता के लिए बीते 2 माह से तैयारी कर रही थी । बधाई देने आए लोगों ने बताया कि एक छोटे से शहर में नृत्यकला से संबंधित कोई विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था नहीं है । ऐसे स्थान से निकलकर अंतराष्ट्रीय स्तर पर स्थान प्राप्त करना अपने आप में बड़ी बात है । वहीं सृष्टी के पिता और माता ने बताया कि वह बचपन से ही नृत्य करने की शौकीन है । वर्ष 2024 से अपने घर में ही मोबाइल पर यूट्यूब के माध्यम से क्लासिकल नृत्य को सिख रही है । वहीं सृष्टी वर्ष 2025 के जनवरी माह से जून तक राज्य स्तर, नेशनल के अलावा अंतराष्ट्रीय स्तर पर आवार्ड जीत चुकी है । इसके अलावा बंगाल में भी नृत्य में सृष्टी ने पहला स्थान प्राप्त किया । उन्होंने बताया कि उसका सपना है कि बड़ा होकर वह एक बड़ा सेलिब्रेटी बनने के साथ कोरियोग्राफर बनना है । सृष्टी अभी एक निजी स्कूल में स्टैंडर 2 में पढ़ाई कर रही है। सृष्टी की इस खुशी से उनके घर के सभी लोग काफी उत्साहित हैं । इधर सृष्टी को अंतराष्ट्रीय स्तर पर सिल्वर मेडल और प्रमाण पत्र मिलने के बाद रविवार को कई लोग उनके घर आकर बधाई दी ।

मुखिया हत्याकांड : कोर्ट ने दो और आरोपियों को सुनाई आजीवन कारावास की सजा

अलीगंज लछुआड़ थाना अंतर्गत दरखा पंचायत के नवनियुक्त मुखिया जयप्रकाश मातहतों की हत्या मामले में कोर्ट ने बुधवार को दो और आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। ए. डी. जे. फर्स्ट सत्य शिव हर की अदालत ने मामले में दोषी पाए गए मोहम्मद सिकंदर और नंदलाल तांती को 25-25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। मामले की जानकारी देते हुए केस के अधिवक्ता परिमल सिंह ने बताया कि यह हत्याकांड लछुआड़ थाना क्षेत्र में वर्ष 2021 में घटित हुआ था। 3 दिसंबर 2021 को दिनदहाड़े दरखा पंचायत के नवनियुक्त मुखिया जयप्रकाश मातहतों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में लछुआड़ थाना में कांड संख्या 02/21 दर्ज की गई थी, जिसमें कुल छह लोगों को अभियुक्त बनाया गया था। इससे पहले 23 दिसंबर 2023 को ए. डी. जे. फर्स्ट धीरेन्द्र बहादुर सिंह की अदालत ने इसी मामले में दो अन्य आरोपियों – मोहम्मद शालिक मलिक और मोहम्मद जावेद – को दोषी करार देते हुए उन्हें भी आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। उन्हें भी 25-25 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया था। अब तक इस हत्याकांड में कुल चार आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा मिल चुकी है। शेष दो आरोपियों के मामले में सुनवाई अभी जारी है।

मृगशिरा नक्षत्र में बिचड़ा के लिए खेतों की हो रही जुताई एवं सोहनी

सब्सिडी काटकर किसानों को 55 रुपए किलो दिया जा रहा व्यापार मडंल पर बौना एवं राजेंद्र मंसूरी धान के बीज

- राष्ट्रीय बीज निगम का लाभ ले रहे किसान
- किसान भवन में भी हर रोज विभिन्न वैरायटी के धान बीज को लेने के लिए पहुंच रहे किसान

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर(मुंगेर) ।अनुमंडल क्षेत्र तारापुर के सभी हिस्सों में खरीफ फसल में धान की खेती को लेकर किसानों ने मृग शिरा नक्षत्र में अपने अपने खेतों में विभिन्न प्रजाति के धान बीज गिराने के लिए बिचड़ा वाले खेतों की जुताई एवं घास की सोहनी शुरू कर दिया है । गौरतलब है कि पूर्व की भांति तरह-तरह की वैरायटी वाले धान बीज आ जाने से क्षेत्र के अधिकतर किसानों द्वारा मृगशिरा नक्षत्र एवं आद्रा नक्षत्र में धान के बीज खेतों में खेती के लिए गिराते हैं। पहले की तुलना में किसानों के बीच काफी जागरूकता आने के बाद अधिकतर लोगों ने अब वैज्ञानिक तरीके से धान की खेती करते है। जहां कम लागत में अधिक उपज प्राप्त करते हैं । लंबे समय से जिले भर में धान का कटोरा कहे जाने वाले क्षेत्र तारापुर संग्रामपुर एवं असरगंज के क्षेत्रों में प्रति वर्ष किसानों द्वारा 18,718 हेक्टेयर उपजाऊ जमीन में विभिन्न वैरायटी के धान की खेती करते हैं। किसान सह पैक्स अध्यक्ष बिहारी लाल कुशवाहा रवि रंजन कुमार अरुण कुमार सिंह श्रवण कुशवाहा इत्यादि ने बताया कि क्षेत्र में छिटपुट रूप से कहीं कहीं कुछ किसानों ने ही पुरानी पद्धति के अनुसार रोहिन नक्षत्र में लेट वैरायटी के धान बिचड़ा को खेतों में गिराया है। आगे बताया कि क्षेत्र के अधिकतर किसानों ने सोनम, सौरव ,कतरनी, स्वर्णा ,बौना, राजेंद्र मंसूरी ,सहित कई प्रजाति के हाइब्रिड धान बिचड़ा को मृगशिरा नक्षत्र एवं आद्रा नक्षत्र के दौरान अपने अपने खेतों में गिराने का काम में जुट गए हैं। पिछले वर्ष रसायनिक यूरिया खाद की घोर किल्लत के कारण इस वर्ष क्षेत्र के अधिकतर किसानों ने अपने अपने खेतों को मजबूत बनाने के लिए खुद खरपतवार के माध्यम से कंपोस्ट तैयार कर धान खेतों में अभी से ही उसे गिरा कर छोड़ दे रहे हैं। जिससे खेतों की मिट्टी में उर्वरा शक्ति मजबूत बना रहे । किसान आगे बताते हैं कि मुख्यमंत्री तीव्र बीज विस्तार योजना का लाभ अधिक से अधिक किसानों को मिल रहा है । कई प्रजाति के धान बीज मुहैया कराया जा रहा है । इधर पिछले करीब 7 दिनों से किसान भवन एवं व्यापार मंडल तारापुर पर धान बीज के लिए क्षेत्र से लगातार किसान पहुंच रहे हैं ।

अतिक्रमणकारियों पर चला प्रशासन, का बुलडोजर हडकंप

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर) ।नगर पंचायत स्थित अंबेडकर चौक से लेकर अस्पताल चौक तक व्यवसायियों द्वारा किए गए अतिक्रमण कारियों को जेसीवी से मुक्त कराया गया।अतिक्रमण को लेकर स्थानीय प्रशासन द्वारा अभियान चलाकर सड़क व चौराहों को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।सीओ निशीथ नंदन ने बताया कि अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार रंजन के निर्देश पर संग्रामपुर बीडीओ अनीश रंजन थानाध्यक्ष विनोद कुमार झा बीपीआरओ अमरजीत कुमार सावरी आदि के नेतृत्व में अभियान चलाकर अंबेडकर चौक से अस्पताल चौक तक अतिक्रमण मुक्त कराया गया।साथ ही नदी किनारे सत्संग के नाम पर सरकारी जमीन पर बनाए गए भवन को भी तोड़ा गया। प्रशासन के इस कारवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया. वहीं, आम लोग इस कारवाई से खुश नजर आ रहे थे।सीओ ने कहा कल पुरे बाजार से अतिक्रमण हटाया जायेगा।ताकि सावन में किसी प्रकार की कोई समस्या नही हो मौके पर बीडीओ अनीश रंजन ने बताया कि बाजार जाने वाली सड़कों व चौराहों को स्थानीय व फुटपाथी दुकानदार अतिक्रमण कर दुकान चलाते हैं,जिससे जाम की समस्या बनने तथा आवागमन में लोगों को परेशानी होती है. जिसकी शिकायत पर यह कार्रवाई की गयी है। उन्होंने सभी फुटपाथी दुकानदार को हिदायत देते हुए कहा कि सड़क को अतिक्रमण से हर हाल में मुक्त रखे। उन्होंने कहा कि व्यवस्था के उल्लंघन करने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी मौके पर संग्रामपुर थाना के पुअनि सत्यम कुमार, अंकित कुमार, एस आई धनंजय कुमार, संजय सिंह आदि काफी संख्या मे पुलिस बल और अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

खेतों का पटवन के लिए कृषि कनेक्शन हेतु सुविधा ऐप्प के माध्यम से करें आवेदन, महंगी सिंचाई से मिलेगी मुक्ति

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा । बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सहरसा क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। विद्युत कार्यपालक अभियंता सहरसा अमित कुमार ने बताया की यह योजना न केवल किसानों को डीजल पंपों के महंगे और प्रदूषणकारी विकल्प से छुटकारा दिला रही है, बल्कि कृषि उत्पादन और उनकी आर्थिक समृद्धि को भी बढ़ावा दे रही है। पहले किसानों को सिंचाई के लिए डीजल आधारित पंपों पर निर्भर रहना पड़ता था। डीजल की बढ़ती कीमतें और पंपों के रखरखाव का खर्च किसानों के लिए एक बड़ी चुनौती थी इसके अलावा, डीजल पंपों से होने वाला प्रदूषण पर्यावरण के लिए भी हानिकारक था लेकिन मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना और बिजली की उपलब्धता की फसल सिंचाई की लागत करीब 98 फीसदी तक कमी आयी है। किसानों को बिजली से चलने वाले मोटर पंप से सिंचाई करने की लागत घटकर मात्र दो रुपए प्रति घंटे रह गई है, जिससे वे खुशहाल हो रहे हैं। किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार इस योजना के लाभुकों को प्रति यूनिट 6 रुपए 19 पैसे का अनुदान दे रही है। किसानों का कहना है कि बिजली से चलने वाले दो हॉर्स पावर के मोटर पंप के संचालन के प्रति घंटे मात्र 3-4 यूनिट बिजली की खपत होती है, जो काफी किफायती है। इस योजना के लागू होने से पहले जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल, डीजल, केरोसिन) आधारित मोटर पंप से फसलों की सिंचाई करने में प्रति घंटे करीब 100 रुपये तक की लागत आती थी लेकिन अब मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना के तहत कनेक्शन लेने के बाद किसानों को सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध हो रही है। मुख्यमंत्री विद्युत सहायता योजना के तहत बिहार विद्युत विनियामक आयोग द्वारा पटवन कार्य की दर 6.74 प्रति यूनिट निर्धारित की गई है। राज्य सरकार द्वारा इस हेतु 6.19 प्रति यूनिट की दर से अनुदान दिया जा रहा है। कृषि कनेक्शन पर राज्य सरकार द्वारा मिलने वाले अनुदान के कारण किसानों को पटवन कार्य के लिए बिजली केवल 55 पैसे प्रति यूनिट पर उपलब्ध कराई जा रही है। किसानों को सिंचाई के लिए निःशुल्क कृषि विद्युत कनेक्शन प्रदान किए जा रहे हैं। कृषक कृषि कार्य हेतु नया विद्युत कनेक्शन लेने के लिए सुविधा ऐप्प एवं विभागीय वेबसाइट के माध्यम से आवेदन करें एवं आवेदन करते समय पहचान पत्र एवं आवासीय पहचान पत्र के लिए आधार कार्ड या वोटर आईडी कार्ड तथा जमीन से जुड़े कागजात समर्पित करना है।

नमन विद्या पब्लिक स्कूल की छात्रा ने नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में हुए सफल, परिवार में खुशी

प्रात : किरण संवाददाता

अलीगंज, प्रखंड के स्थित नमन विद्या पब्लिक स्कूल के बच्चों ने नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में पाई सफलता,स्कूल सहित परिवार में खुशी, लगातार बच्चो की उज्जवल भविष्य बनाने हेतु शिक्षको के द्वारा अथक प्रयास से बच्चे सफलता प्राप्त कर परचम लहरा रहे है ,वहीं 2025 नवोदय प्रवेश परीक्षा में इस्लामनगर निवासी राजू चौधरी की पुत्री रिया कुमारी, ने सफलता हासिल कर गौरवान्वित किया, वहीं स्कूल डायरेक्टर वेद प्रकाश ने बताया की रिया कुमारी बचपन से पढ़ने में मेघावी रही लगातार अपनी परिश्रम एवं लगन के साथ साथ शिक्षको के मार्गदर्शिका पर चल कर इस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर स्कूल सहित गांव का नाम रौशन किया , परीक्षाओ में शिक्षको के यथक प्रयास एवं छात्रों के कड़ी मेहनत से लगातार सफलता मिली है, बच्चों ने नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त कर स्कूल एवं गांव का मान बढ़ाकर गौरवान्वित किया,प्राचार्य अर्चना कुमारी ने कहा की इससे पूर्व भी हमारे स्कूल से सैनिक स्कूल सहित अन्य परीक्षाओं मैं अपने प्रतिभाओं का लोहा मनवाया है,इस सफलता से अभिभावकों के अटूट विश्वास, शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन तथा विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम, लगन और गहन अध्ययन से अपने गांव एवं स्कूल का नाम रौशन कर अभिभावक सहित शिक्षकों को गौरवान्वित किया रौशन करें,इस सफलता पर क्षेत्र के समाजसेवी जनप्रतिनिधि एवं परिजनों ने शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की

अहमदाबाद और केदारनाथ में विमान क्रैश मानवता के लिए असहनीय आघात

प्रात : किरण संवाददाता

जमुईः गुजरात के अहमदाबाद की दर्दनाक विमान दुर्घटना (12 जून 25) में मारे गए 275 से अधिक लोगों के दुःख से देश उबर भी नहीं पाया कि 15 जून 2025 को केदारनाथ में हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई। कहते हैं कि केदारनाथ में 14 वर्षों में 13 हेलीकॉप्टर क्रैश किया है,जिसमें 50 से अधिक लोग काल कलवित हो गए। विमान हादसा केवल तकनीकी चूक ही नहीं, बल्कि मानवता के लिए असहनीय आघात है। विमान दुर्घटना तकनीकी विफलता और मानवीय त्रासदी की पराकाष्ठा है। एयर इंडिया का विमान उड़ान भरने के कुछ ही क्षणों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में 242 में 241 यात्रियों की सासें पल भर में हमेशा के लिए थम गई। एक सपना, एक जीवन, एक परिवार सब कुछ क्षण भर में राख हो गया, जो बच गए उसे ईश्वर का चमत्कार ही कहा जाएगा । एयर इंडिया की विमान दुर्घटना ने देश को शोक रूपी समुद्र में डुबो दिया है। क्योंकि विमान में सवार 242 यात्रियों में 241 यात्री काल के गाल में समा गए। जिस हॉस्टल पर विमान गिरा था वहां भी लगभग 38 से ज्यादा लोगों की मृत्यु हो गई है.अहमदाबाद में केवल विमान दुर्घटनाग्रस्त नहीं हुआ था,बल्कि देश का विश्वास भी क्रैश हुआ था। जिन हाथों में पासपोर्ट था, आज वे शिनाख्त के लिए नंबर बन गए। जिन चेहरों पर मुस्कान थी, आज उनकी जगह सिर्फ राख और तस्वीरें ही शेष बची हैं। केंद्र सरकार, राज्य सरकारें, समाज और सिस्टम सभी अब भी नहीं चेते, तो इस तरह की हादसे भविष्य में भी दोहराए जा सकते हैं। यह हादसा भविष्य की बड़ी चेतावनी है। क्योंकि ह्लचेत सके तो मौत ना आवेह्व। दुर्घटनाएं हमें बेहतर भविष्य के लिए सजग, चेतनशील बनाती हैं। कहा जाता है कि दुर्घटना चूक की संतान होती है। विज्ञान की गति भी विधि एवं नियति के आगे झुक जाती है। इस दुर्घटना से देश ने बहुत कुछ खोया है और बहुत कुछ सीखने की चेतावनी भी दे गया। उन्होंने कहा कि विगत 15 जून को केदारनाथ में भी एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना हुई है। इसमें 7 लोगों की मौत हो गई है. गौरतलब है कि केदारनाथ में पिछले 14 वर्षों में 13 हेलीकॉप्टर क्रैश हुए जिसमें 50 से अधिक लोग मौत के मुंह में समा गए। दोनों विमान दुर्घटना की न्यायिक जांच होनी चाहिए। ताकि देश को पता चल सके विमान हादसा का कारण तकनीकी खराबी थी या मानवीय भूल अथवा कोई साजिश। विमान हादसे में मृत लोगों के परिजन को सरकार और विभाग को पर्याप्त मुआवजा देना चाहिए। राजनीतिक विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. देवेंद्र कुमार गोयल ने कहा कि भारत के नागरिक उडयन के इतिहास में विमान हादसा सन 1996 के बाद सर्वाधिक दर्दनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाले घटनाओं में एक है। विमान हादसे की विभीषिका और आसमान से बरसी मौत की खबर सुनकर ही दिल दहल जाता है। विमान हादसा महज एक तकनीकी त्रुटि या मानवीय चूक ही नहीं,अपितु व्यवस्था की नाकामी का दस्तावेज है। जिस वक्त यात्रियों ने उड़ान भरी होगी सोचा भी नहीं होगा जिंदगी पल भर में खत्म हो जाएगी। यह कैसा विकास है, जहां तकनीक है, लेकिन सतर्कता नहीं ? यह कैसी व्यवस्था है, जहां चेतावनी सिस्टम और आपातकालीन प्रक्रिया से चूक हो जाती है ? वक्त आ चुका है कि हादसे को केवल शोक और संवेदना या मुआवजे तक ही सीमित ना रखा जाएगा, बल्कि इस घटना की जिम्मेदार लोगों पर कड़ी करवाई होनी चाहिए। विमान दुर्घटना के कई कारण हो सकते। जैसे तकनीकी खराबी, पायलट एरर, मौसम खराबी, विमान में जान बूझकर की गई गड़बड़ी और दूसरी मानव त्रुटियां। हादसे में मारे गए यात्रियों के परिवार जनों को मुआवजा और एक - एक सदस्य को नौकरी देनी चाहिए।

विद्युत रेल इंजन पर चढ़कर रिल्स बनाना युवक को पड़ा भारी, बुरी तरह झुलसा

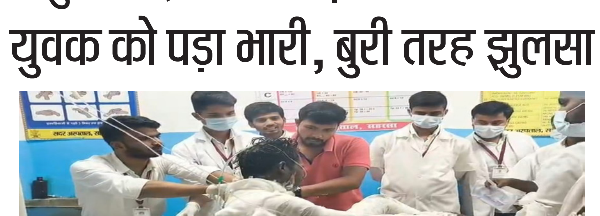

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा । सहरसा से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। सदर थाना क्षेत्र के सुपर बाजार स्थित रैक पॉइंट पर एक युवक उस समय बुरी तरह झुलस गया जब वह विद्युत रेल इंजन पर चढ़कर सोशल मीडिया के लिए रील्स बना रहा था। बताया जा रहा है कि रील बनाते समय युवक का संपर्क ऊपर से गुजर रहे हाई वोल्टेज बिजली तार से हो गया, जिससे वह बुरी तरह झुलस गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस और एम्बुलेंस को दी। डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और युवक को आनन-फानन में सदर अस्पताल सहरसा पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, युवक की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। आगे की छानबीन की जा रही है कि युवक कौन है और वह किन कारणों से रैक पॉइंट पर गया था। डॉक्टर ने कहा झुलसे युवक की स्थिति गंभीर बनी हुई है। शरीर का एक बड़ा हिस्सा बर्न हो चुका है, हमने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं डायल 112 पुलिस ने कहा हमें सूचना मिली कि ट्रेन के पास कोई व्यक्ति झुलस गया है। मौके पर पहुंचे तो युवक बुरी तरह घायल अवस्था में था। पहचान अभी नहीं हो सकी है, लेकिन इलाज प्राथमिकता है। मामले की जांच जारी है।

मधेपुरा में मजदूरी करने के दौरान एक मजदूर की मौत

शंकरपुर (मधेपुरा) मधेपुरा जिला अंतर्गत बैतोना गांव वार्ड नंबर 14 निवासी स्वर्गीय बेचन राम के पुत्र सुरेन राम उम्र 45 वर्ष मधेपुरा बायपास रोड में मजदूरी करने के लिए रोजना के तरह वह रविवार को भी गया हुआ था। लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटा जिसके खोज बिन में परिवार के लोग निकला जहां रविवार के अगले दिन सोमवार के देर रात में मधेपुरा सदर अस्पताल के पोस्टमार्टम रुम से डेड बॉडी प्राप्त हुआ। सुरेन राम के भतीजा अनमोल कुमार ने बताया कि मधेपुरा बायपास रोड में एक व्यक्ति के घर में मजदूरी करने के लिए रविवार को गया हुआ था। जहां देर रात तक वह घर नहीं आया जिसके बाद हमलोग उसे देखने के लिए गए। जहां वह मजदूरी कर रहा था। लेकिन वहां के लोगों से कुछ भी जानकारी नहीं मिला। जिसके बाद हमलोग उसे ढूंढने के लिए निकले। लेकिन कुछ भी पता नहीं चल पाया। वहीं इसकी जानकारी सोमवार के देर रात मधेपुरा पुलिस प्रशासन से प्राप्त हुआ। उसके बाद हमलोग मधेपुरा सदर अस्पताल पहुंचे। उन्होंने आगे ओर कहा कि हमलोगों को घटना की जानकारी तब मिली जब मृत व्यक्ति के शव का पोस्टमार्टम कर दिया गया। वह भी जानकारी मधेपुरा सदर थाना के पुलिस प्रशासन से प्राप्त हुआ। वहीं परिजनों ने आंशका जताया है कि उसकी हत्या की गई है। हालांकि यह तो जांच का विषय है वहीं परिजन के लोगों ने मधेपुरा पुलिस प्रशासन से गुहार लगाया है। घटना की उच्च स्तरीय जांच कर पीड़ित परिजनों को इन्साफ दिलाए। बताते चलें कि सुरेन राम को तीन बेटा है और एक बेटी तीन लड़का में से एक लड़का जन्मजात से ही दिव्यांग है। जो कि ना ही वह खुद से चल पाता है ना ही कुछ कर पाता है। सुरेन राम किसी तरह मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था। जो की अब वह भी इस दुनिया में नहीं रहा। पत्नी, बेटा, बेटी, सहित परिजन के लोगों का रो रो कर बुरा हाल है वहीं गांव में मातमी सन्नाटा सा माहौल बना हुआ हैं। वहीं मंगलवार के दिन हिन्दू धर्म के रीति रिवाज अनुसार सुरेन राम का अंतिम संस्कार किया गया।

जिलाधिकारी द्वारा सतर कटैया अंतर्गत मत्स्यगंधा झील स्थल का किया गया निरीक्षण

सहरसा। सहरसा जिलाधिकारी द्वारा सतर कटैया अंतर्गत मत्स्यगंधा झील स्थल का निरीक्षण किया गया। उक्त अवसर पर जिलाधिकारी मत्स्यगंधा झील के भौगोलिक परिस्थिति से अवगत हुए। इस संदर्भ में ज्ञात हो की सतर कटैया अंतर्गत मत्स्यगंधा झील को पर्यटकीय क्षेत्र के रूप में विकसित करने हेतु प्रस्तावित कार्ययोजना के अनुसार इसमें म्यूजिकल फाउंटेन/चार सौ मीटर का घाट/वृत्ताकार ग्लास ब्रिज/पार्किंग स्थल एवं महाभारतकालीन घटनाओं पर आधारित अभिव्यक्ति स्थल/यादगार वस्तुओं से संबंधित विक्रय स्थल सहित अन्य अवसंरचना का निर्माण प्रस्तावित है। निरीक्षण क्रम में अपर समाहर्ता निशांत, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी श्रीमती स्नेहा कुमारी, एसडीओ (सदर) श्रेयांश तिवारी, शिरीष कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

आउटस्टैंडिंग लीडरशीप अवार्ड से सम्मानित हुये अविनाश शंकर और मीनी प्रिया

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा । शहर के कहरा ब्लॉक रोड स्थित बीएससी. इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक अविनाश शंकर बंटी और प्राचार्य मिनी प्रिया को शिक्षा के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट योगदान के लिये आउटस्टैंडिग लीडरशिप अवार्ड-2025 से सम्मानित किया गया। सिलीगुड़ी के पाँच सितारा होटल में प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के 13वें राष्ट्रीय सम्मेलन में आईजी विकास वैभव एवं संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद श्यामल अहमद के द्वारा अविनाश शंकर और मिनी प्रिया सम्मानित हुये। 13वें राष्ट्रीय सम्मेलन में पुरे भारतवर्ष से दो लाख प्राइवेट स्कूल्स का नेतृत्व करने वाल प्राइवेट स्कूल एवं चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसियेशन ने दो सौ प्राइवेट स्कूल्स को आउटस्टैंडिग लीडर शिप अवार्ड से सम्मानित किया।अविनाश शंकर बंटी ने इस सम्मान को सहरसा के सभी प्राइवेट स्कूल्स को समर्पित किया और भविष्य में प्राचार्य मिनी प्रिया के नेतृत्व में स्कूल को और भी निखारने का प्रण लिया। इस सम्मान के लिये कैलाश शंकर, हीरा देवी, सचिव प्रताप कुमार, संतोष कुमार चुन्नु, इफतेखार आलम गुड्डू, सब्बीर आलम, दिलीप कुमार गुप्ता इत्यादि ने बधाई और शुभकामना दी।

ईडी के खिलाफ पैरवी करने वाले वकील को ईडी का नोटिस

केन्द्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार को समन भेजा। ईडी की यह कार्रवाई ना केवल दुर्भाग्यपूर्ण है। यह हमारे संविधान और लोकतंत्र को चुनौती देने जैसा है। यह मामला किसी आम प्रशासनिक चूक का नहीं है। बल्कि वकीलों की पेशेवर स्वतंत्रता और न्यायिक प्रक्रिया की पवित्रता पर सरकार और ईडी का सीधा हमला है। ईडी ने मुवक्किल को दी गई कानूनी सलाह से नाराज होकर, सुप्रीम कोर्ट में पैरवी करने वाले वकील को जांच के घेरे में लाकर धमकाने की कोशिश की है। यह सोच कितनी भयावह है, इसका अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता है। सरकार की एजेंसियां अब वकीलों और अदालतों को धमकाने का काम करने लगी हैं। जांच एजेंसी जब वकील से यह पूछें कि उसने अपने मुवक्किल को क्या राय दी है। इसे ईडी को बताया जाए। एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन ने ईडी की इस कार्रवाई पर सख्त आपत्ति की है। एसोसिएशन ने इसे न्याय प्रणाली को डराने और वकालत की स्वतंत्रता को कमजोर करने का कृत्य बताया है। जांच एजेंसियों की यह कार्यवाही अधिवक्ताओं और अदालतों के बीच में डर और भय फैलाने जैसी कार्यवाही की एक मिसाल है। ईडी और सरकार की कोई भी जाँच एजेंसी के खिलाफ अब हर वकील यह सोचेगा कि उसे सरकार के किसी एजेंसी के खिलाफ पैरवी करनी है, या नहीं। यदि उसने पैरवी की तो उसे जांच एजेंसी की प्रताणना का सामना करना पड़ेगा। उसे भी जांच एजेंसियां परेशान करेंगी। ईडी की इस कार्रवाई से कानूनी कार्यवाही में वकीलों के बीच में भय का माहौल बनाने का जो प्रयास ईडी द्वारा किया गया है। देश में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। सुप्रीम कोर्ट पहले ही ईडी की गिरफ्तारी और छापेमारी की शक्तियों पर समय-समय पर सवाल खड़ी कर चुकी है। ईडी अब वकीलों को निशाना बना रही है, जिसके कारण नागरिकों के मौलिक अधिकार भी अब संकट में पड़ते हुए दिख रहे हैं। न्याय व्यवस्था के लिए यह एक खतरनाक मोड़ है। इससे न केवल वकील, बल्कि हर नागरिक के इस अधिकार को खतरा उत्पन्न हो गया है। जिसमें वह स्वतंत्र कानूनी सलाह ले सकता है। कोर्ट में आम आदमी अब अपने अधिकारों की लड़ाई भी नहीं लड़ सकता है। यह कार्यवाही उस समय की याद दिलाता है। जब 2019 में सीनियर एडवोकेट्स आनंद ग्रोवर और इंदिरा जयसिंह को निशाना बनाया गया था। दातार के खिलाफ जारी समन का विरोध होने पर ईडी ने समन भले वापस ले लिया है। लेकिन सवाल जस का तस है। सत्ता में बैठे लोग कानून का भय का हथियार बनाकर अब वकीलों को भी प्रताड़ित कर रहे हैं? क्या वकील भी अब स्वतंत्र नहीं रहे? क्या न्यायपालिका स्वतंत्र रह गई है? पैरवी करने और फैसला करने वालों को ही सरकार कानून के कठघरे में खड़ा करेगी। तो आम नागरिको की क्या हालत होगी? इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। इस घटनाक्रम के बाद जरूरी हो गया है, सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और सभी बार काउंसिल मिलकर सरकार और उसकी जांच एजेंसियों की ऐसी प्रवृत्तियों को रोकने से सख्ती से आगे आएं। वकील और न्यायाधीश न्याय पालिका के दो पहिए हैं। दोनों ही न्यायपालिका के विशिष्ट अंग हैं। जब इनमें से किसी एक पर हमला होता है, तो न्यायपालिका और लोकतंत्र की गाड़ी डगमगाने लगती है। नागरिकों के संविधान प्रदत मौलिक अधिकार खतरे में पडने लगते हैं। न्याय के नाम पर अन्याय करने का जो काम सरकारें करती हैं। यदि इस तरीके की कार्यवाही को समय रहते नहीं रोका गया, तो आपातकाल से भी ज्यादा खराब तानाशाही की ओर ले जाने वाली कार्रवाई होगी। जांच एजेंसियों और सरकार की इस कार्रवाई के विरोध में वकीलों को आगे आना होगा।

वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध पुनः गढ़े जा रहे झूठे विमर्श

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर आर्थिक जगत में भारत का उदय कुछ देशों को रास नहीं आ रहा है। विकसित देशों के बीच पूरे विश्व में भारत आज सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। जापान, ब्रिटेन, फ्रान्स, इटली आदि देशों से आगे निकलते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और शीघ्र ही लगभग एक वर्ष के बाद जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए भारत के विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के आसार भी अब स्पष्टतः दिखाई दे रहे हैं। भारत एक ओर अतिआधुनिक तकनीकि के आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स एवं डाटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है तो दूसरी ओर वित्तीय क्षेत्र में ऑनलाइन व्यवहारों के मामले में भी भारत आज कई देशों का मार्गदर्शन करता हुआ दिखाई दे रहा है। कुल मिलाकर भारत आज लगभग प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनते हुए विश्व के अन्य देशों पर अपनी निर्भरता को कम करता जा रहा है। भारत के विकास की यह गति एवं राह कुछ देशों को बिलकुल उचित नहीं लग रही है एवं वे वैमनस्य का भाव पालते हुए भारत के विरुद्ध एक बार पुनः कुछ झूठे विमर्श गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं।

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,730 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है, जबकि बांग्लादेश में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,870 अमेरिकी डॉलर है। इस प्रकार, भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में बांग्लादेश जैसे छोटे देश से भी पीछे है। अतः यह झूठा विमर्श गढ़ने का प्रयास किया जा रहा है कि भारत में किस प्रकार का आर्थिक विकास हो रहा है जिससे भारतीय नागरिकों की आय तो उतनी तेजी से नहीं बढ़ पा रही है, जिस तेजी से भारत का आर्थिक विकास होता हुआ दिखाई दे रहा है। आंकड़ों का उचित तरीके से विश्लेषण न करते हुए भारत के संदर्भ में गलत जानकारी देने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि किसी भी मामले में तुलना दो आमों के बीच ही सम्भव है आम एवं संतरे के बीच तुलना कैसे सम्भव है। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ है, जबकि बांग्लादेश की जनसंख्या केवल 17 करोड़ से कुछ ही अधिक है। भारत एक विशाल देश है जिसमें 60 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या आज भी गावों में निवास करती है। भारत में 28 राज्य एवं 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं। बांग्लादेश, भारत के सामने एक पिद्दी सा देश है। यदि तुलना करनी ही हो तो भारत की तुलना चीन से की जा सकती है। इसी प्रकार, बांग्लादेश की तुलना स्विट्जरलैंड, नीदरलैंड, स्वीडन आदि जैसे छोटे देशों से की जा सकती है। स्विट्जरलैंड में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 99,564 अमेरिकी डॉलर; नीदरलैण्ड में 64,572 अमेरिकी डॉलर एवं स्वीडन में 55,516 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति है। ब्रिटेन ने जब भारत में अपनी सत्ता को छोड़ा था अर्थात भारत ने वर्ष 1947 में जब राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी तब भारत की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही थी, परंतु आज केवल 4 से 4.5 प्रतिशत भारतीय ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। जबकि, बांग्लादेश में लगभग 19 प्रतिशत नागरिक गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार आज 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है जबकि बांग्लादेश के सकल घरेलू उत्पाद का आकार केवल लगभग 46,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। सकल घरेलू उत्पाद को देश की कुल जनसंख्या से बांट कर ही प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े को प्राप्त किया जा सकता है। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ से अधिक है जबकि बांग्लादेश की जनसंख्या मात्र 17 करोड़ है। इससे प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का आंकड़ा बांग्लादेश की तुलना में कुछ कम हो जाता है। भारत में पिछले कुछ वर्षों के दौरान बहुत संतुलित विकास हुआ है। भारत में न केवल धनाड्यों की संख्या में अपार वृद्धि दर्ज हुई है बल्कि गरीबी उन्मूलन पर भी पर्याप्त ध्यान दिया गया है जिससे गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय कमी दर्ज हुई है।

बांग्लादेश की तुलना में भारत एक विशाल देश है एवं भारत के कई राज्यों यथा महाराष्ट्र, गुजरात एवं तमिलनाडु आदि का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बांग्लादेश की तुलना में दुगने से तिगुने आकार का है। इसी प्रकार, भारत के राज्य अभी भी कुछ पिछड़े राज्यों की श्रेणी में शामिल है, जैसे, बिहार, झारखंड आदि।

देवभूमि : धार्मिक यात्रा में बढ़ती हवाई दुर्घटनाएं

पवित्र चारधाम यात्रा के दौरान यह आम बात हो गई है। जून 2009 से जून 2025 तक 15 हेलीकॉप्टर क्रैश की घटनाएं हो चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबित 16 साल में इस तरह की दुर्घटनाओं में 45 लोगों की मौत हुई है

प्रभुनाथ शुक्ल
लेखक

भारत धर्म और आस्था का देश है, लेकिन यहाँ धार्मिक यात्राएं सुरक्षित नहीं हैं। जब चारधाम जैसी यात्रा भी सुरक्षित नहीं है तो दूसरे की बात छोड़िए। धार्मिक स्थलों पर आए दिन श्रद्धालुओं के मरने की घटनाएं होती रहती हैं। उत्तराखंड में आए दिन हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं सुर्खियों में हैं। मई और जून में अब तक पांच दुर्घटनाएं सिस्टम को हिलाकर रख दिया है। हादसों में चालक दल के साथ 14 लोग मारे जा चुके हैं। पवित्र चारधाम यात्रा के दौरान यह आम बात हो गई है। जून 2009 से जून 2025 तक 15 हेलीकॉप्टर क्रैश की घटनाएं हो चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबित 16 साल में इस तरह की दुर्घटनाओं में 45 लोगों की मौत हुई है।

रविवार 15 जून को गौरीकुंड के पास एक हेलीकॉप्टर की दुर्घटना में पायलट सहित 7 लोग मारे गए। चार धामयात्रा प्रबंधन ने इसके पूर्व हुई दुर्घटनाओं से सबक नहीं लिया। 17 मई को केदारनाथ में एम्स ऋषिकेश की एक हेली एम्बुलेंस की इमरजेंसी लैंडिंग हुई जिसमें हेलीकॉप्टर का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबित 12 वर्षों में केदारनाथ में कुल 14 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें 33 लोगों की मौत हुई। धार्मिक यात्रा के दौरान बढ़ता जोखिम हमारी व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रहा है। नागरिक और उड्डयन मंत्रालय को इस तरह के हादसों पर गंभीर कदम उठाने की आवश्यकता है। निजी एविएशन कंपनियों पर नकेल कसने की जरूरत है। धार्मिक स्थलों पर बढ़ते हादसे हमारे विश्वास और आस्था पर चोट पहुँचाते हैं।

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान बढ़ते हेलीकॉप्टर हादसे को देखते हुए मुख्यमंत्री धामी ने उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया है। निश्चित रूप से राज्य सरकार का यह उचित फैसला। भारत सरकार के डीजीसीए ने अगले आदेश तक हेलीकॉप्टर की सभी उड़ानों पर रोक लगा दिया है। लेकिन सिर्फ रोक से काम नहीं चलेगा सम्वधित घटनाओं की जाँच होनी चाहिए। सवाल उठता है किस तकनीकी गड़बड़ियों की वजह से हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। किस स्तर पर लापरवाही बरती जा रही है। निर्दोष यात्रियों की जान को जोखिम में क्यों डाला जा रहा है। पैसा कमाने की होड़ में श्रद्धालुओं को मौत के मुंह में क्यों धकेला जा रहा है। सभी बिंदुओं पर गहराई से जांच पड़ताल की जानी चाहिए। हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं को लेकर जिस तरह की लापरवाही देखने को मिली है वह हमारी व्यवस्था पर सबसे बड़ा सवाल है।

15 जून रविवार को हुए हेलीकॉप्टर क्रैश में मीडिया रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आए हैं कि खराब मौसम के बाद भी निर्दोष श्रद्धालुओं की जान को जोखिम में डालकर हेलीकॉप्टर को उड़ाने के अनुमति दी गई। हालांकि यह जाँच का विषय है, लेकिन सवाल उठता है कि जब मौसम खराब था फिर हेलीकॉप्टर को उड़ाने की अनुमति किसने दी। जबकि मौसम की गड़बड़ी की वजह से उड़ानों को निलंबित रखा जाता है। इस मामले की निष्पक्ष रूप से जांच होनी चाहिए और निर्दोष लोगों की जान से खेलने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

हम आस्था को लेकर अधिक भीरू हैं। जिसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ता है। धार्मिक स्थलों पर भीड़ तो जरूर से ज्यादा जुटा ली जाती है, लेकिन उसके प्रबंधन के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की जाती है। आए दिन धार्मिक स्थलों पर मौत की खबरें सुर्खियां बनती हैं। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ में सबसे बेहतरीन व्यवस्था का दावा किया गया था, लेकिन भीड़ प्रबंधन में लापरवाही की वजह से बड़ा हादसा हो गया।

मंदिरों और सत्संग जैसे स्थलों पर आवश्यकता से अधिक भीड़ जुटा ली जाती है, लेकिन उसके नियंत्रण के लिए कोई व्यवस्था नहीं की जाती है। थके-हारे लोग किसी चमत्कार में पड़कर भगदड़ के शिकार हो जाते हैं। लेकिन हम घटनाओं के बाद सबक लेना नहीं चाहते। अपना प्रभुत्व दिखाने के लिए हम भीड़ अधिक से अधिक जमा कर लेते हैं, लेकिन उसके नियंत्रण के लिए हमारे पास कोई संसाधन उपलब्ध नहीं होते हैं। इसका नतीजा होता है कि भगदड़ या दूसरी स्थिति में काफी संख्या में लोग मारे जाते हैं।

उत्तराखंड में चल रही चारधाम यात्रा में देश भर से लाखों लोग पहुंचते हैं। उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है। यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता अतुलनीय है। दुर्गम पहाड़ियों की चढ़ाई से होते हुए लोग बद्रीनाथ केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री पहुँचते हैं। वहां की प्राकृतिक स्थिति बेहद जटिल है। तीर्थयात्रा के दौरान बुजुर्ग और बच्चों के साथ अस्वस्थ श्रद्धालुओं को चढ़ाई पर कठिन चुनौतियों से गुजरना पड़ता है। क्योंकि, पहाड़ों की कठिन चढ़ाई चढ़ने के बाद ही पवित्र मंदिरों तक पहुंचा सकता है। चढ़ाई दुर्मगम और कठिन होने से घोड़े, खच्चर या हेलीकॉप्टर की सुविधा लेनी पड़ती है।

उत्तराखंड पहाडों का राज्य है यहाँ हम जितनी ऊंचाई पर जाते हैं ऑक्सीजन लेवल कम होता जाता है। कई लोगों की यात्रा के दौरान मौत भी हो जाती है। ऑक्सीजन की कमी से भी जूझना पड़ता है। जरूरत पड़ने पर ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। लेकिन चारधाम की पूरी यात्रा

एफएटीएफ के निशाने पर है पाक का आतंकवाद

एफएटीएफ ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि ऐसे घटनाक्रम बिना पैसे और आतंकवादियों के समर्थकों के बीच फंडों के स्थानांतरित करने के बगैर नहीं हो सकते। आखिरकार भारत की यह चिर-प्रतीक्षित मांग कि पाक को आतंकवाद के पोषण के लिये कटघरे में खड़ा किया जाए

ललित गर्ग
लेखक

विश्व में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने भले ही अभी पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में नहीं डाला है, लेकिन उसने अंततः 22 अप्रैल को पहलगाम की क्रूर आतंकवादी हमले की निंदा की है। ऐसा करते हुए एफएटीएफ ने भारत की तार्किक दलील पर ही मोहर लगायी है जो भारत की इस विषयक सफलता को द्योतक हैं। एफएटीएफ ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि ऐसे घटनाक्रम बिना पैसे और आतंकवादियों के समर्थकों के बीच फंडों के स्थानांतरित करने के बगैर नहीं हो सकते। आखिरकार भारत की यह चिर-प्रतीक्षित मांग कि पाक को आतंकवाद के पोषण के लिये कटघरे में खड़ा किया जाए, इस मांग के सफलता की सीढ़ियां चढ़ने का ही संकेत हैं। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद विश्व जनमत को पाकिस्तान की हकीकत बताने के जो सार्थक प्रयास किए थे, भारत के सांसदों एवं अफसरों के प्रतिनिधिमण्डल को पाक को बेनकाब करने के लिये विश्व के प्रमुख देशों में भेजा, वे फलीभूत होते नजर आ रहे हैं।एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में किसी देश को तब तक निगरानी में रखा जाता है, जब तक कि वह अपनी वित्तीय प्रणाली में पहचानी गई खामियों, त्रुटियों, विसंगतियों को ठीक नहीं कर लेता। पाकिस्तान निरंतर आतंकवाद को पोषण एवं प्रोत्साहन देने के लिये 2022 तक ग्रे लिस्ट में था, उसी वर्ष उसे ग्रे लिस्ट से हटाया गया, बावजूद पाकिस्तान ने कोई सुधार नहीं किया है और आतंकवादियों को न सिर्फ सुरक्षित पनाहगाह उपलब्ध करा रहा है, बल्कि आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे आपराधिक कामों में भी खुद को शामिल करते हुए आतंकवाद की प्रयोगशाला बना हुआ है। एफएटीएफ ने फरवरी 2019 में पुलवामा आत्मघाती हमले की भी निंदा करते हुए ऐसे ही कठोर शब्दों का उपयोग किया था। लेकिन इस बार का अंतर यह है कि एफएटीएफ ने घोषणा की है कि राज्य प्रायोजित आतंकवाद इसकी आगामी रिपोर्ट में आतंकवाद के वित्तपोषण मामलों की जांच का हिस्सा होगा। दरअसल, पहलगाम नरसंहार के बाद भारत लगातार पाक को फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने की मांग करता रहा है। जो पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय ऋणों तक पहुंच को गंभीर रूप से सीमित कर देगा।

दरअसल, पाकिस्तान गढ़े हुए तर्कों के आधार पर इस निगरानी संगठन एफएटीएफ को मनाने में आंशिक रूप से सफल रहा था कि वह धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण से निपटने के लिये अपने सिस्टम में सुधार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रबल विरोध के बावजूद इस्लामाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय मद्रा कोष यानी आईएमएफ से एक अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज हासिल करने में कामयाबी हासिल कर ली थी। हालांकि, इस बेलआउट पैकेज के साथ कई कड़ी शर्तों का सामना भी पाक को करना पड़ेगा। यूं भी यह अन्तर्राष्ट्रीय धन का गलत एवं अतिश्योक्तिपूर्ण इस्तेमाल देरसबेर विश्व के सामने आयेगा। भारत दुनिया के देशों को यह बताने और समझाने में कामयाब रहा है कि पाक न केवल आतंकवाद का समर्थन करता है, बल्कि वह आतंकवाद का पोषक भी है और वह आतंकवाद के लिए फंडिंग भी करता है। इस तरह इसे भारत की कूटनीतिक विजय कहा जा सकता है। क्योंकि एफएटीएफ का इतना बोल्ड बयान पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा है। एफएटीएफ की ओर से जारी आधिकारिक बयान की गहराई को समझने की जरूरत है, कि आतंकवादी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। यानि एफएटीएफ ने यह मान लिया है कि पहलगाम हमला आतंकवादी वित्त पोषण के कारण ही अमल में आया। एफएटीएफ का यह बयान भारत के लिए बहुत अहम है। ध्यान रहे कि एफएटीएफ, जी-7 देशों की ओर से स्थापित एक स्वतंत्र संस्था है, जो देशों की वित्तीय नीतियों का मूल्यांकन करती है। गौरतलब है कि वर्तमान में एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में 24 देशों का नाम है, जो धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण और प्रसार वित्त पोषण के लिए निगरानी में हैं। यहां यह उल्लेखनीय एवं ध्यान देने वाली बात है कि पाक को कई बार एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाला जा चुका है। इसे पहली बार 2008 में ग्रे लिस्ट में डाला गया था, लेकिन बाद में 2010 में इसे हटा लिया गया। इसके बाद, 2012 में पाक को फिर से इस लिस्ट में डाला गया और 2015 में इसे दुबारा हटा दिया गया। इसके बाद, पाक को जून 2018 में फिर से ग्रे लिस्ट में डाला गया था और अक्टूबर 2022 में इसे हटा लिया गया। लेकिन यह कुत्ते की ऐसी दूम है जिसे कितने की कड़े प्रावधानों में रखा जाये, यह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है। उल्लेखनीय है कि एफएटीएफ ने वैश्विक नेटवर्क में 200 से अधिक क्षेत्रों के मूल्यांकन में योगदान देने वाले विशेषज्ञों का समर्थन करने के लिए आतंकवादी वित्तपोषण जोखिम पर मार्गदर्शन विकसित किया है। अहम बात यह है कि एफएटीएफ के सख्त एवं कठोर व्यवहार के बाद अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के यह समझ में आने लगा है कि पाकिस्तान एक असुरक्षित एवं आतंकवादी पोषक गंतव्य बनता जा रहा है। ऐसे में एफएटीएफ के दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों की संभावना के कारण पाक की पहले से ही डांवाडोल अर्थव्यवस्था को और झटका लग सकता है।जी-7 शिखर बैठक 15 से 17 जून 2025 तक कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मेजबानी में हो रही है।

इसमें जी-7 देशों के प्रमुखों के अलावा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज जैसे नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बैठक के दौरान जी-7 के सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पाक का सच और ऑपरेशन सिंधूर की सफलता के बारे में बताते हुए आतंकवाद के विरोध में संगठित होने के लिये वातावरण बना रहे हैं। भारत ने एफएटीएफ के बयान का स्वागत करते हुए कहा भी है।

बेटियाँ आगे बढ़ रही, पर मंच अब भी खाली!

सोनम लववंशी

यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट 2024 जब यह कहती है कि लड़कियों की शैक्षणिक प्रगति वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय रही है, तो यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, एक उम्मीद का सिरा है। भारत में भी यह बदलाव साफ नजर आता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लागू होने के बाद से प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक लड़कियों की भागीदारी में बढ़ोतरी हुई है। उच्च शिक्षा में उनकी भागीदारी अब 49 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। यह एक ऐसा तथ्य है जो न केवल भारत के भविष्य की दिशा तय करता है, बल्कि सामाजिक संरचना में बदलाव के संकेत भी देता है, किंतु इसी उजाले के साथ एक लंबी छाया खिंचती है। जब बात नेतृत्व की होती है, चाहे वह राजनीति का क्षेत्र हो, कॉरपोरेट की ऊँचाइयाँ, या तकनीकी दुनिया के निर्णायक मोर्चे, महिलाएं वहाँ बहुत पीछे खड़ी नजर आती हैं। केवल 7.2 प्रतिशत भारतीय कंपनियों में महिलाएं सीईओ पद पर हैं। संसद में उनकी भागीदारी 14 प्रतिशत से भी कम है। वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा थोड़ा ही बेहतर है। विश्व बैंक की साल 2024 की रिपोर्ट की माने तो, विश्वभर में शीर्ष नेतृत्वकारी पदों में केवल 10 प्रतिशत हिस्सेदारी महिलाओं की है। यह आंकड़े न सिर्फ स्थिति की गंभीरता बताता हैं, ये सवाल भी उठाता हैं कि आखिर क्यों शिक्षा में आगे निकल चुकी महिलाएं नेतृत्व के पायदान पर पिछड़ जाती हैं?

यह सवाल और भी गंभीर तब हो जाता है, जब हम मातृसत्तात्मक समाज की बात करते हैं। मेघालय इसका ज्वलंत उदाहरण है। यहाँ खासी और जयंतिया जनजातियों में संपत्ति और वंशानुक्रम महिलाओं से जुड़ा है। इन सबके बावजूद इस राज्य की विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम या यूं कहें नाममात्र ही है। ऐसे में यह विसंगति केवल सांस्कृतिक ही नहीं, संरचनात्मक और मनोवैज्ञानिक भी है। क्या यह किसी सुनियोजित दमन का परिणाम है, या महिलाएं स्वयं नेतृत्व से दूर रहना चाहती हैं? शायद सत्य इन दोनों के बीच कहीं छिपा है, क्योंकि देश के बाकी हिस्सों की स्थिति भी काफी दयनीय है। पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक अपेक्षाएं, और कार्यस्थलों पर मौजूद लैंगिक भेदभाव की संरचनाएं मिलकर एक ऐसा वातावरण निर्मित करती हैं, जहाँ महिलाएं नेतृत्व के अवसरों से वंचित रह जाती हैं। अवसर मिलने पर भी उन्हें दुगना संघर्ष करना होता है। राजनीति जैसे क्षेत्र में तो यह और भी कठिन हो जाता है, जहाँ जोखिम, सार्वजनिक आलोचना, और कभी-कभी हिंसा तक का सामना करना पड़ता है। विश्व आर्थिक मंच की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि कार्यबल में वैश्विक रूप से महिलाओं की भागीदारी 42 प्रतिशत है, लेकिन वरिष्ठ नेतृत्व में यह संख्या घटकर केवल 31.7 प्रतिशत रह जाती है। इसी प्रकार, स्टीम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्रों में महिलाओं की वैश्विक भागीदारी मात्र 28.2 प्रतिशत है। इसका अर्थ यह है कि महिलाएं केवल शिक्षा तक सीमित नहीं, ज्ञान के अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी अनदेखी का शिकार हैं।

वेतन असमानता भी एक बड़ी बाधा है। विश्व बैंक की वीमेन, बिजनेस एंड द लॉ-2024 की रिपोर्ट बताती है कि महिलाएं औसतन पुरुषों की तुलना में 2.4 घंटे अधिक अवैतनिक देखभाल कार्य करती हैं।

इसके अतिरिक्त, 98 देशों में समान वेतन के कानून तो हैं, लेकिन केवल 35 देशों में ही ऐसे कानूनों के प्रवर्तन और पारदर्शिता के लिए मजबूत ढांचा है। इसका सीधा प्रभाव महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और नेतृत्वकारी भूमिका पर पड़ता है। इन सबके बावजूद, तस्वीर पूरी तरह धुंधली नहीं है। बदलाव की किरणें मौजूद हैं। भारत में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को आरक्षण दिए जाने के बाद से स्थानीय स्तर पर नेतृत्व में उनकी भागीदारी में सुधार देखा गया है। यह दिखाता है कि जब अवसर और संरचना दोनों सकारात्मक रूप में मिलते हैं, तो महिलाएं नेतृत्व में भी उत्कृष्टता दिखा सकती हैं। वैश्विक स्तर पर भी प्रयास किए जा रहे हैं। विश्व बैंक की जेंडर स्ट्रेटेजी 2024-2030 का लक्ष्य है कि 2030 तक 300 मिलियन महिलाओं को डिजिटल कनेक्टिविटी, 250 मिलियन को सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क और 80 मिलियन महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों को वित्तीय समर्थन दिया जाए। ये योजनाएं महिलाओं को सशक्त करने के प्रयास नहीं, एक समावेशी भविष्य की नींव हैं। सवाल यह है कि इस नींव पर हम कैसे निर्माण करेंगे? सबसे पहले तो जरूरी है कि समाज में गहराई तक समाई लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ा जाए। यह काम केवल पाठ्यक्रम बदलने या पोस्टर लगाने से नहीं होगा। इसके लिए जरूरी है।

सस्पेक्टेड राशन कार्ड को अविलंब जाँच कर नियमानुसार करें रदद् : जिला पदाधिकारी

राशन कार्ड हेतु ऑनलाईन प्राप्त आवेदनों को तुरंत करें निष्पादित

- जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में आपूर्ति टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न
- ससमय खाद्यान्न नहीं पहुंचाने वाले ट्रांसपोर्टरों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। जिला पदाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में आपूर्ति टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, बेतिया/जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम, बेतिया/सभी अनुमंडल पदाधिकारी/सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी/सभी सहायक गोदाम प्रबंधक, पश्चिम चम्पारण/सभी संवेदक डोर स्टेप डिलीवरी एवं मेन संवेदक / सभी प्रखंड के जनवितरण प्रणाली संघ के प्रखंड अध्यक्ष उपस्थित थे। बैठक में पश्चिम चम्पारण जिला में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत आच्छादित परिवारों एवं लाभुकों के राशन कार्ड की समीक्षा की गई। समीक्षा में सभी अनुमंडल पदाधिकारी/प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि जो सस्पेक्टेड राशन कार्ड है उन्हें अविलंब जाँच कर नियमानुसार रद्द करने की कार्रवाई की जाय। साथ ही, सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को निदेशित किया गया है जो भी राशन कार्ड हेतु ऑनलाईन के माध्यम से आवेदन दिया गया है, उन्हें अविलंब निष्पादित की जाय। सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को निदेशित किया गया है कि सभी जनवितरण प्रणाली विक्रेताओं में राशन कार्ड टैगिंग में एकरूपता लाई जाए। सभी डोर स्टेप डिलीवरी एवं मेन डिलीवरी ट्रांसपोर्टर को ससमय खाद्यान्न पहुँचाने हेतु निदेशित किया गया। जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम, बेतिया को डोर स्टेप डिलीवरी एवं मेन संवेदक को प्रखंडवार/माहवार राज्य खाद्य निगम गोदाम को खाद्यान्न पहुँचाने हेतु कार्रवाई का निदेश दिया गया। साथ ही, जो भी ट्रांसपोर्टर ससमय खाद्यान्न नहीं पहुँचाते है उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने हेतु जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम, बेतिया को निदेशित किया गया। सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को परख एप के माध्यम से निर्धारित संख्या के अनुरूप हर माह में निश्चित रूप से जाँच करने हेतु निदेशित किया गया। साथ ही, अनुमंडल पदाधिकारी को किये गये जाँच के आलोक में कृत कार्रवाई प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। सभी सहायक गोदाम प्रबंधक को निदेशित किया गया कि प्रत्येक दिन कितने जनवितरण प्रणाली विक्रेता को खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया है। उसकी सूचना अनुमंडल पदाधिकारी को देने हेतु निदेशित किया गया। जनवितरण प्रणाली के प्रखंड अध्यक्ष एवं सचिव को विभागीय निदेश के आलोक में ससमय राशन वितरण हेतु निदेशित करते हुए कहा गया कि किसी भी स्तर पर गड़बड़ी को गम्भीरता से लिया जाएगा।

जिले के कालाजार प्रभावित स्थानों पर रोगी खोज अभियान की हुई शुरूआत

प्रभावित क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ता घर-घर दे रही है दस्तक

- लगातार बुखार, कमजोरी हो तो कराएं कालाजार की जाँच : सीएस

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया,जिले के कालाजार प्रभावित स्थानों पर आशा के द्वारा कालाजार मरीजों की खोज अभियान की शुरूआत 17 जून से की गई है जो 26 जून तक चलेगी।कालाजार मरीजों की खोज हेतु आशा फैसिलीटेटर व स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण दिया चूका है। इस सम्बन्ध में भीबीडीएस प्रकाश कुमार ने बताया की जिले के 10 प्रखंडो में प्रभावित 21 गाँव के 4 हजार 418 घरों में खोज की जा रही है। इस दौरान लोगों को कालाजार के बारे में जागरूक किया जा रहा है ताकि कालाजार के मामलों में कमी आ सकें। उन्होंने बताया की 2022 में भीएल के 04, पीकेडीएल 07, 2023 में भीएल 03, पीकेडीएल 02, 2024 में भीएल 01, पीकेडीएल 02, 2025 में अभी तक भीएल 01 और पीकेडीएल के 01 मरीज प्रतिवेदित हुए हैं। यह अभियान जिले में 10 दिनों तक चलेगा। जिले के सिविल सर्जन डॉ विजय कुमार ने बताया कि बालू मक्खी के काटने से कालाजार होता है। कालाजार प्रभावित प्रखंडों में प्रतिवेदित कालाजार मरीजों के घर के 500 मीटर के परिधि में (200 से 250 घर) घर-घर जाकर वीएल, एचआईभी और पीकेडीएल रोगी की खोज जाएगी। क्षेत्र में अभियान की सफलता को लेकर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। डीभीबीडीसीओ डॉ हरेंद्र कुमार ने बताया की प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर कालाजार जांच की सुविधा उपलब्ध है। कालाजार जांच किट (आरके-39) से 10 से 15 मिनट के अंदर टेस्ट हो जाता है। हर सेंटर पर कालाजार के इलाज में विशेष रूप से प्रशिक्षित एमबीबीएस डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि कालाजार से पीड़ित रोगी को मुख्यमंत्री कालाजार राहत योजना के तहत श्रम क्षतिपूर्ति के रूप में पैसे भी दिए जाते हैं। बीमार व्यक्ति को 6600 रुपये राज्य सरकार की ओर से और 500 रुपए केंद्र सरकार की ओर से दिए जाते हैं। यह राशि वीएल (ब्लड रिलेटेड) कालाजार में रोगी को प्रदान की जाती है। वहीं चमड़ी से जुड़े कालाजार (पीकेडीएल) में 4000 रुपये की राशि केंद्र सरकार की ओर से दी जाती है।

संक्षिप्त खबरें

दोन क्षेत्र में अतिबृष्टि से पहाड़ी नदियों में आए उफान में दो ट्रैक्टर बहे ड्राइवर ने तैर कर बचाई जान

बगहा। मानसून के दस्तक के साथ अतिपिछड़े दोन क्षेत्र से सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बरसाती पहाड़ी नदी में आई अचानक बाढ़ के चपेट में नदी पार करते दो ट्रैक्टर आ गया,जो नदी के तेज धार में बह गया। ट्रैक्टर का चालक नदी में छलांग लगाकर किसी तरह से जान बचाने में कामयाब रहा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक गर्दी और शेरवा दोन के किसान सुभाष महतो का बताया जा रहा है।गनीमत रही कि ट्रैक्टर बहते हुए थोड़ी दूर किनारे में जा लगा जिसे जेसीबी के मदद से बाहर निकालने की कवायद की जा रही है।बतादें की पहाड़ी नदियां बरसात के दिनों में अचानक से उफान मारने लगती है जिसके जपेट में आ जाने से जानमाल का नुकसान भी ग्रामीणों को उठाना पड़ता है।

पुलिस ने वीटीआर जंगल मे घुसे दुर्घटनाग्रस्त एक्सयूबी कार को जेसबी की मदद से निकाल कब्जे में लिया

बगहा। सोमवार की मध्यरात्रि हादसों के मार्ग बगहा वाल्मीकिनगर मुख्य सड़क स्थित कोतराहां मोड़ के समीप अनियंत्रित एक्सयूबी कार वीटीआर के जंगल मे घुस गई जिसमें सवार एक व्यक्ति को गम्भीर चोटें आई है जिन्हें बगहा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के मुताबिक दुर्घटनाग्रस्त कार को जेसीबी की मदद से बाहर निकाल लिया गया है।बतादें की घटना की सूचना 112 को राहगीरों के द्वारा दी गई थी।112 के अधिकारी दिलीप कुमार मौके ए वारदात पर पहुचकर घायल व्यक्ति को वाल्मीकिनगर सरकारी अस्पताल पहुंचा,जहां से सुविधाविहीन अस्पताल से बगहा पहले की तरह कागजी कोरम पूरी कर रेफर कर दिया गया।कार में कई लोग सवार थे लेकिन घायल व्यक्ति को छोड़ सभी लोग मौके से पुलिस के पहुंचने से पहले फरार हो गए थे।पुलिस ने कार को कब्जे लेकर मामले की जांचपड़ताल में जुट गई है।

मारपीट के मामले में दोनों पक्षों की तरफ से प्राथमिकी दर्ज

परसा थाना क्षेत्र के परसौना में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट के मामले में दोनों पक्षों द्वारा थाने में लिखित आवेदन देकर लगभग आठ लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया गया है. प्रथम पक्ष से भूषण कुमार ने परसा थाना में लिखित आवेदन देकर 6 लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया है. लिखित आवेदन में बताया गया है कि 16 जून को पर सोना पुरानी बाजार पर गए हुए थे इसी दौरान कुछ लोगों द्वारा गाली गलौज कर साथ है मारपीट किया गया. जबकि दूसरे पक्ष से धनंजय कुमार ने लिखित आवेदन देकर दो लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया है. लिखित आवेदन में बताया गया है कि चाकू का भाई दिखाकर 50 हजार नगद लूट लिया गया है और सोने का चेन छीन लिया गया है.दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है.

पुलिस ने 6 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

परसा स्थानीय थाना क्षेत्र के अलग-अलग एक गांव से विभिन्न मामलों में छह अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल बता दे की वर्षों से फरार चल रहे चार को वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया गिरफ्तार को वारंटी मरार गांव निवासी स्वर्गीय सत्तार का पुत्र हारून देवानंद साह का पुत्र देव कुमार साह महावीर साह का पुत्र चंद्रिका साह सहबीर साह का पुत्र सतेंद्र साह बताया जाता है. वहीं थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवो में शराब पीकर हंगामा कर रहे हैं दो शराबियों को गिरफ्तार कर सनहा दर्ज करते हुए छपरा व्यवहार न्यायालय भेज दिया गिरफ्तार शराबियों में बहमारर गांव निवासी बबन शर्मा का पुत्र मिंटू शर्मा तथा अन्याय गांव निवासी स्वर्गीय राम स्वरूप साह का पुत्र सरयुग साह बताया जाता है

विश्व मगरमच्छ संरक्षण दिवस के अवसर पर संरक्षण जागरूकता बैठक आयोजित

बगहा। विश्व भर में मगरमच्छ संरक्षण दिवस मनाया गया।इस मौके पर वाल्मीकिनगर वन प्रमंडल के भेरियारी कम्पार्ट स्थित गांव में ग्रामीणों के साथ वनकर्मियों की बैठक हुई । इस बैठक में मगरमच्छ की घटती संख्या से पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्परिणाम पर चिंताब्यक्त किया गया और मगरमच्छ पर चल रहे संरक्षण पर जागरूकता फैलाने के लिए वचनबद्ध हुए। बतादें की इस तरह के एवरनेस कार्यक्रम वन विभाग द्वारा कई जगह पर किया जा रहा है रेंजर श्रीनिवासन नवीन ने बताया कि वनप्रमण्डल अंतर्गत मगरमच्छ दिवस के अवसर पर वनकर्मियों द्वारा ग्रामीणों और स्कूलों के विद्यार्थियों के बीच ऐसे कार्यक्रम किए जाते रहे है ताकि पर्यावरण की महत्ता के बारे में इन्हें जागरूक किया जा सके। इस संदर्भ में खेलकुद,निबंध आदि के माध्यम जैसे कार्यक्रम कर जागरूकता फैलाने का काम वनकर्मियों दवा किया जा रहा है।

नवागत जिलाधिकारी पहुंचे बगहा अंचल और प्रखंड कार्यालय समेत अस्पताल का लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। पश्चिमी चंपारण जिला के नवागत जिलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार पहली बार बगहा अनुमंडल अंतर्गत विभिन्न विभागों में हो रहे विकास कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बगहा अंचल और प्रखण्ड कार्यालय समेत अनुमंडलीय अस्पताल का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने बताया कि सात निश्चय योजनाओं समेत सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम विकास की योजनाओं की उन्होंने जानकारी ली और कई दिशा निर्देश दिए। साथ हीं अनुमंडल अस्पताल को और हाइटेक और सुविधा मुहैया कराने के लिए चिकित्सकों से जानकारी ली और उन्हें कई सुझाव और दिशा निर्देश दिया। बतादें कि जिलाधिकारी पूर्व में भी बगहा के अनुमंडल पदाधिकारी रह चुके हीं लिहाजा वे इस इलाके की समस्याओं से पहले से अवगत हैं।

उपभोक्ता आयोग में नए अध्यक्ष ने किया योगदान

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कोर्ट। जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष के पद पर नए अध्यक्ष के रूप में वेद प्रकाश सिंह ने योगदान दिया। पूर्व अध्यक्ष जयराम प्रसाद के स्थानांतरण हो जाने के कारण यह पद रिक्त हो गया था। श्री सिंह तीन जिला बक्सर, सासाराम और सारण में दो दो दिन कार्य करेंगे। सारण सह सिवान आयोग के सदस्य मोहन कुमार एवं मंजू सिंह सहित अनील श्रीवास्तव,द्वारिका बैठा, रविंद्र राय, इरफान आलम,अमन,रविंद्र राय,रंभा देवी, कामेश्वर गिरी ने नए अध्यक्ष का स्वागत किया । सदस्यों ने उन्हें पुष्प गुच्छ भेट किया।

नीतीश कैबिनेट का ऐतिहासिक फैसला पर्यटन नगरी वाल्मीकिनगर से भरेगी हवाई उड़ान

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बिहार वासियों के लिए आज ऐतिहासिक दिन है जी हाँ हम बात कर रहें हैं उड़ान योजना की जिसके तहत वाल्मीकिनगर से जल्द हीं डोमेस्टिक प्लेन उड़ान भरेगी जिससे पर्यटन समेत व्यवसाय और रोजगार के नए अवसर बढ़ेगें। यहीं वजह है की वाल्मीकिनगर के लोगों की खुशियों का ठिकाना नहीं है। दरअसल उड़ान योजना के तहत बिहार में आधा दर्जन छोटे हवाई अड्डों कों विकसित करने के लिए भारतीय विमानपतन प्राधिकरण नई दिल्ली और राज्य सरकार के बीच समझौता एमओयू कों आज नीतीश कैबिनेट से मंजूरी मिल गईं है।बताया जा रहा है की आजादी के बाद नेपाल सीमा पर स्थित वाल्मीकिनगर में जल संसाधन गंडक विभाग की जमींन पर तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के आगमन पर एक दिन का एयरपोर्ट बनाया गया जहां अब तक कभी कभार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार या किसी अन्य मंत्री व वरिय अधिकारीयों के आगमन पर इस एयरपोर्ट का इस्तेमाल होता रहा है,लेकिन अब उम्मीद जताई जा रहीं है की सीएम नीतीश के पसंदीदा जगहों में खास वाल्मीकिनगर से जल्द हीं छोटे घरेलू विमान उड़ान भरेंगें और राजधानी पटना समेत गोरखपुर व रांची और दिल्ली का सफर आसान होगा। जबकि बिहार के इकलौते वाल्मीकि टाइगर रिजर्व आने वाले सैलानियों कों भी सहूलियत होंगी जबकि कारोबार और व्यवसाय व रोजगार के अवसर बढ़ेंगें लिहाजा जिलें वासियों में खुशी और जश्न का माहौल है।बतादें की भूमि अधिग्रहण समेत अन्य प्रक्रिया पूरी होनें के बाद आज एमओयू की स्वीकृति देकर नीतीश कैबिनेट नें छोटे हवाई अड्डों कों विकसित करने पर मुहर लगा दिया है जिसमें वाल्मीकिनगर समेत सूबे के मधुबनी,बीरपुर मुंगेर, मुजफ्फरपुर और सहरसा में शीघ्र हीं हवाई अड्डों का पुनः नव निर्माण कर घरेलू विमानों का उड़ान शुरू किया जायेगा तब आम आदमी के हवाई सफर का सपना साकार होगा ।

बगहा-01 प्रखंड के 24 पंचायतों में एक साथ जविप्र, आंगनबाड़ी केंद्र, नल-जल योजना, गली-नाली योजना, मनरेगा योजना सहित स्वास्थ्य संस्थानों की करायी गयी औचक जाँच

- कुल 24 धावा दल का गठन किया गया
- धावा दल का गठन ऑन स्पॉट किया गया
- पंचायत में आवास योजना, पेंशन योजना इत्यादि के लाभुक से फीडबैक लिया गया
- जिला पदाधिकारी ने दिया 07 दिनों में नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश

बेतिया। जिला पदाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में गुरुवार को बगहा-01 प्रखंड के 24 पंचायतों में एक साथ 24 धावा दल के द्वारा 48 डीलर, 48 आंगनवाड़ी केंद्र, 48 नल-जल योजना, 48 गली-नाली योजना, 48 मनरेगा की योजना एवं स्वास्थ्य संस्थानों की औचक जांच कराई गई। धावा दल के पदाधिकारियों द्वारा पंचायत में आवास योजना, पेंशन योजना इत्यादि के लाभुक से फीडबैक लिया गया। उप विकास आयुक्त सुमित कुमार द्वारा प्रखंड कार्यालय की जांच अपर समाहर्ता विभागीय जांच कुमार रविन्द्र द्वारा अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा प्रतिवेदित अनियमितता के आलोक में ऑन द स्पॉट निर्णय लिया गया और 7 दिनों में नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश सबंधित पदाधिकारी को दिया गया। जिला पदाधिकारी ने विभिन्न पदाधिकारियों से प्राप्त सुझावों के आलोक में जिला स्तरीय पदाधिकारियों को कार्य योजना तैयार कर उस पर अमल करने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में अनुमंडल पदाधिकारी, बगहा एवं उप महाप्रबंधक, भवन निर्माण निगम के द्वारा बगहा में निमार्णाधीन न्यायीक पदाधिकारियों के आवास का निरीक्षण किया गया। इस क्रम में पाया गया कि लगभग 60 प्रतिशत कार्य धरातल पर हुआ है। जिला पदाधिकारी के द्वारा तीव्र गति से एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्माण कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी ने कहा कि आगामी दिनों में इसी तरह से धावा दल का गठन करते हुए चरणबद्ध तरीके से औचक जांच कराया जाएगा। उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि संबंधित पदाधिकारी अपने-अपने विभागों/कार्यालयों द्वारा किये जा रहे कार्यों को विभागीय दिशा-निर्देश के अनुरूप निष्पादित कराएं। सरकार के विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन मानक के अनुरूप ससमय पूर्ण होना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही एवं कोताही कतई बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

गन्ना विभाग के विशेष कार्यपदाधिकारी ने किसानों के साथ कि समीक्षा बैठक

मझौलिया। स्थानीय शुगर इंडस्ट्रीज सभागार में सरकार द्वारा अनुदानित कृषि यांत्रिकरण की समीक्षा बैठक किसानों के साथ कि गई।बैठक में बिहार सरकार के गन्ना विभाग के विशेष कार्य पदाधिकारी प्रीती सिन्हा ने किसानों को सम्बोधित करते हुए बतायी की सरकार के द्वारा अनुदानित दर पर मिल रहे कृषि यंत्रों का लाभ उठावें।उन्होंने बताया कि आधुनिक कृषि यंत्रों के गन्ने की खेती में उपयोग से कम खर्च में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा रहा है।अब सरकार कृषि वैज्ञानिकों के माध्यम से गन्ने की उपज को बढ़ाने के लिए उत्तम प्रभेद एवं जेनरल प्रभेद के गन्ने का बीज किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है।इस अवसर पर शुगर इंडस्ट्रीज के यूनिट हेड डॉ जयप्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए चीनी मिल हरसंभव तत्पर है।किसानों के गन्ने की गुडवत्ता बढ़ाने के लिए हर सर्किल में एरिया केन मैनेजर सुरवाईजर को लगाया गया है।चीनी मिल के तरफ से फर्टिलाइजर गन्ने पर छिड़काव के लिए टॉनिक आदि सुविधाएं दी जा रही है।किसान एरिया के सुपरवाइजर से सम्पर्क कर लाभ उठा सकते हैं।इस अवसर पर केन मैनेजर संजय कुमार मिश्रा, सीसीएम अखिलेश कुमार सिंह, किसान चित्रलेखा प्रसाद,तुलसी चक्रवर्ती, कृष्णनंदन सिंह, विनय यादव आदि किसान शामिल रहें।

लायन इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322 ई के प्रतिनिधिमंडल का रक्सौल में भव्य स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। स्थानीय पंकज सिनेमा के बैंक्वेट हॉल में लायन इंटरनेशनल, डिस्ट्रिक्ट 322 ई के प्रतिनिधिमंडल, जो इंडो- नेपाल मीट के लिए चितवन, नेपाल गया था, वापसी के दौरान लायंस क्लब ऑफ रक्सौल के सभी सदस्यों ने क्लब अध्यक्ष लायन साइमन रेक्स के नेतृत्व में सचिव लायन बिमल सर्राफ, कोषाध्यक्ष लायन मोहम्मद निजामुद्दीन, लायन नारायण रुंगटा, लायन शंभू प्रसाद चौरसिया, लायन पंकज बरनवाल, लायन हरीश खत्री, लायन अमित कुमार, लायन सीमा बरनवाल, लायन प्रियंका सोनी, लायन सुशीला धानोठिया, लायन पूनम सर्राफ,लायन नीलम हिसारिया, लायन सरिता खत्री, लायन दीपा कुमारी ने स्वागत किया। वर्तमान जिलापाल लायन गणवन्त मल्लिक के नेतृत्व में द्वितीय उपजिलापाल लायन संगीता नंदा, पूर्व जिलापाल डॉक्टर शैलेश सिन्हा, पूर्व जिलापाल लायन देशबंधु गुप्ता, पूर्व जिलापाल लायन प्रकाश नंदा,पूर्व जिलापाल लायन वीणा गुप्ता, लायन गीता शर्मा,लायन अंगद सिंह, लायन चंदू मिश्रा, लायन सुजीत सिंह, लायन अमित सिंह के साथ करीब चालीस लायंस परिवार मिलन समारोह में शामिल हुए।जिलापाल ने क्लब के कार्यों एवं स्वागत की भूरी भूरी प्रशंसा की।उन्होंने क्लब अध्यक्ष लायन साइमन रेक्स के कुशल नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने गवर्नर मेडल के साथ इंटरनेशनल प्रेसिडेंट सर्टिफिकेट भी प्रदान किया। क्लब रक्सौल ने अपने क्लब का लेपल पिन सबको दिया।क्लब ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया, जिसकी जानकारी क्लब सचिव सह मीडिया प्रभारी लायन बिमल सर्राफ ने प्रेस को बताया।

विधायक ने गड़खा के फेरूसा मे चौपाल कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीणो के समस्याओ को सुना

गड़खा (सारण) गड़खा प्रखंड क्षेत्र के फेरूसा गाँव स्थित बुधवार को गड़खा विधानसभा क्षेत्र के राजद विधायक पुर्व मंत्री सुरेंद्र राम ने चौपाल कार्यक्रम के अन्तर्गत जनता की समस्याओ को सुन समस्याओ का निष्पादन करने की बाते कही साथ ही उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए कहा की नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव की संकल है की जब हमरी सरकार बनेगी तो माई बहिन योजना के तहत महिलाओ को 25 सौ रुपए प्रति माह दिया जाएगा 200 सौ यूनिट आम जनता को फ्री, विधवा विकलांग वृद्धा पेंशन बढाकर 15 सौ रूपए मिलेगा, और भी कई लाभकारी योजनाए के अन्तर्गत लोगो को मदत किया जाएगा जिससे गरीब किसान मजदूर लाभान्वित होंगे, इसकी अध्यक्षता प्रखंड राजद अध्यक्ष डा सुरेंद्र यादव ने किया संबोधित करने वालो मे ललन राम अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष शहाबुद्दीन शिवजी राम नागेन्द्र राम प्रदीप राय पंचायत अध्यक्ष उदय राम भुअर राय सहित दर्जनो लोग उपस्थित थे।

जिला पदाधिकारी ने बगहा अनुमंडल अंतर्गत चम्पारण तटबंध एवं पी पी तटबंध का किया निरीक्षण

- स्लूइस गेट की ग्रीसिंग वगैरह करा कर तैयारी हालात में रखने का दिया निर्देश
- दवाब वाले पॉइंट्स पर विशेष निगरानी करने, रैट होल को चिन्हित करते हुए उसकी मरम्मती कराने का निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। संभावित बाढ़ आपदा को लेकर जिला प्रशासन पूरी सजगता के साथ कार्य कर रहा है। बाढ़ आपदा से जुड़े सभी पदाधिकारियों एवं अभियंताओं के साथ लगातार रिव्यू किया जा रहा है ताकि बाढ़ आने पर जान-माल की क्षति को रोकी जा सके। इसी क्रम में आज जिला पदाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने बगहा अनुमंडल अंतर्गत चम्पारण तटबंध एवं पी पी तटबंध का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। उन्होंने स्लूइस गेट की ग्रीसिंग वगैरह करा कर तैयारी हालात में रखने का निर्देश दिया। इसके साथ ही दवाब वाले पॉइंट्स पर विशेष निगरानी रखने, रैट होल को चिन्हित करते हुए उसकी मरम्मती कराने, स्वयं सेवकों की सूची, अंचल अधिकारी को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता तटबंध पर 247 की तर्ज पर निगरानी करेंगे। अभियंता लगातार भ्रमण कर लगतार तटबंध पर नजर रखेंगे तथा आवश्यकतानुसार सुरक्षात्मक कार्यों को संपादित कराएंगे। इसके साथ ही जिला पदाधिकारी ने तटबंध के दोनों ओर साफ-सफाई कराने का निर्देश दिया।

जिला पदाधिकारी ने अनुमंडलीय अस्पताल बगहा का किया औचक निरीक्षण

- मरीजों की चिकित्सा बेहतर तरीके से करने को लेकर दिया आवश्यक दिशा-निर्देश
- सरकार द्वारा देय सभी सुविधाएं मरीजों को अनिवार्य रूप से मुहैया कराने का निर्देश

बेतिया(घनश्याम)। जिला पदाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने गुरुवार को अनुमंडलीय अस्पताल बगहा का औचक निरीक्षण किया और मरीजों की चिकित्सा बेहतर तरीके से करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। इस दौरान जिला पदाधिकारी द्वारा बारी-बारी से सभी कक्षों, ओपीडी, आईपीडी, पैथोलॉजी लैब, दवा भंडार कक्ष सहित अन्य कक्षों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने मां-नवजात शिशु देखभाल इकाई (एमएनसीयू) को एक सप्ताह में सारे संसाधनों के साथ क्रियाशील करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर चिकित्सीय सुविधा हर हाल में मिलनी चाहिए। सरकार द्वारा देय सभी सुविधाएं मरीजों को अनिवार्य रूप से मिले। इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने निर्देश दिया कि अस्पताल की नियमित साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाय। अस्पताल में दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाय ताकि मरीजों को इसका लाभ मिल सके। जिला पदाधिकारी ने आपरेशन थिएटर के लिए भी आवश्यकताओं की लिस्टिंग कर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि सभी अस्पतालों के आवश्यकताओं की लिस्टिंग कर अग्रतर कार्रवाई सुनिश्चित करें। जिला पदाधिकारी के द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में सिविल सर्जन के द्वारा भैरोगंज, बड़गांव, परसौना में भी स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण किया गया। जिला पदाधिकारी के द्वारा सिविल सर्जन को पाई गई कमियों के आलोक में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

सहरसा और अमृतसर के मध्य चलने वाली सहरसा-अमृतसर गरीबरथ एक्सप्रेस नई दिल्ली के बजाए दिल्ली स्टेशन पर रूकेगी

यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने लिया निर्णय

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर :सहरसा और अमृतसर के मध्य चलने वाली गाड़ी सं. 12203/12204 सहरसा-अमृतसर-सहरसा गरीबरथ एक्सप्रेस का ठहराव नई दिल्ली के बजाए दिल्ली स्टेशन पर किया जा रहा है।

17.08.2025 से अमृतसर से खुलने वाली गाड़ी सं. 12204 अमृतसर-सहरसा गरीबरथ एक्सप्रेस आर्दश नगर दिल्ली-नई दिल्ली-तिलक ब्रिज-साहिबाबाद मार्ग के बजाए आर्दश नगर दिल्ली-दिल्ली-दिल्ली शाहदरा-साहिबाबाद के रास्ते चलायी जाएगी अर्थात यह गाड़ी नई दिल्ली के बजाए दिल्ली स्टेशन पर 10.50/1105 बजे रूकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

इसी तरह दिनांक 18.08.2025 से सहरसा से खुलने वाली गाड़ी सं. 12203 सहरसा-अमृतसर गरीबरथ एक्सप्रेस साहिबाबाद-तिलक ब्रिज-नई दिल्ली-आर्दश नगर दिल्ली मार्ग के बजाए साहिबाबाद-दिल्ली शाहदरा-दिल्ली-आर्दश नगर दिल्ली के रास्ते चलायी जाएगी अर्थात यह गाड़ी नई दिल्ली के बजाए दिल्ली स्टेशन पर 13.55/14.10 बजे रूकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

कटिहार-पटना-कटिहार इंटरसिटी में 3ए का एक अतिरिक्त कोच का अस्थायी संयोजन अब 30 जून तक

हाजीपुर : यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु पटना और कटिहार के मध्य चलायी जा रही गाड़ी सं. 15713/15714 कटिहार-पटना-कटिहार इंटरसिटी में तृतीय वातानूकुलित इकॉनोमी श्रेणी (3ए) का एक अतिरिक्त कोच अस्थायी रूप से लगाया गया है। इसे अब 01.07.2025 से 30.06.2026 तक बढ़ाया जा रहा है।

श्रावणी मेला के अवसर पर गया-कामाख्या एक्सप्रेस का सुलतानगंज स्टेशन पर ठहराव

हाजीपुर : श्रावणी मेला के अवसर पर गया और कामाख्या के मध्य चलायी जा रही गाड़ी सं. 15619/15620 गया-कामाख्या-गया एक्सप्रेस का सुलतानगंज स्टेशन पर दिनांक 11.07.2025 से 09.08.2025 तक 02 मिनट का ठहराव प्रदान किया जा रहा है ।इस अवधि के दौरान गाड़ी सं. 15619 गया-कामाख्या एक्सप्रेस 17.45 बजे सुलतानगंज स्टेशन पर पहुंचेगी और 17.47 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।इसी तरह गाड़ी सं. 15620 कामाख्या-गया एक्सप्रेस 00.11 बजे सुलतानगंज स्टेशन पहुंचेगी और 00.13 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

हाथ में तलवार लिए घोड़े पर सवार सैकड़ों महिलाओं ने निकाला जुलूस

वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई को किया याद

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। महिला विकास मंच द्वारा शहर में वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई का बलिदान दिवस अनोखे अंदाज में मनाया गया। प्रदेशभर से जुटे सैकड़ों कार्यकताओं संग रानी लक्ष्मीबाई की तरह ही उनके पारंपरिक परिधान में जुलूस निकाल कर उनको याद किया। पटना की सड़कों पर घोड़े व बाइक पर सवार सैकड़ों महिलाओं ो एक साथ देख लोग भी अचंभित दिखें। इस जुलूस का उद्देश्य समाज में महिला जागरूकता, स्वाभिमान और राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करना व बढ़ावा देना है।

जुलूस एसपी वर्मा रोड गोलंबर से निकलकर डाकबंगला चौराहा होते हुए इनकम टैक्स गोलंबर, आर ब्लॉक, अटल पथ, मरीन ड्राइव, गांधी मैदान, फ्रेजर रोड होते हुए महिला विकास मंच कार्यालय फ्रेजर रोड पर समाप्त हुआ। जुलूस जब बीजेपी-जदयू कार्यालय के सामने से गुजर रही थी, तब इसकी भनक पाते ही बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और जेडीयू कार्यालय से निकलकर प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के चित्र पर माल्यार्पण पर श्रद्धा सुमन अर्पित की व मंच के इस कार्यक्रम की खूब सराहना की।

मंच की संयोजिका वीणा मानवी ने कहा कि आज हम वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई को याद कर रहे हैं। इनका जीवन हमसभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उक्त कार्यक्रम की अगुवायी बीजेपी नेत्री सरोज जायसवाल व माला सिन्हा, रानी जायसवाल, पूर्णा सिंह, सोना सविता, स्नेहा दास, मधु यादव व दीपसिखा सिंह द्वारा की गई।

मानवता और शिक्षा के प्रतीकः डॉ. मनीष पंकज मिश्रा का प्रेरणादायक कार्य

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी। गांव की महादलित बेटी स्नेहा कुमारी मांझी शिक्षा की अलख जलाने के लिए संघर्षरत है। मात्र चतुर्थ कक्षा में पढ़ने वाली स्नेहा के घर पर बिजली नहीं है, लेकिन उसकी लगन इतनी प्रबल है कि वह स्ट्रीट लाइट के नीचे पढ़ाई करती है। आर्थिक अभाव में भी वह शिक्षा के प्रति अपना समर्पण नहीं खोती।इस संघर्षशील बेटी की स्थिति से प्रभावित होकर भारतीय जनता पार्टी के लोकप्रिय नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा स्वयं गांव पहुंचे और स्नेहा के लिए किताब, कॉपी, स्कूल बैग, बैटरी वाली लाइट, और अन्य जरूरी शैक्षणिक सामग्री खाद्य पदार्थ प्रदान की गई है। यही नहीं, उन्होंने स्नेहा के पिता के लिए आवश्यक दवाओं और अन्य जरूरत की चीजों की भी व्यवस्था की। उनका यह मानवीय कार्य समाज में एक सकारात्मक संदेश देता है कि सच्चे नेता वही होते हैं जो जमीन से जुड़े हों और जरूरतमंदों के साथ खड़े रहें।डॉ. मिश्रा ने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में यदि इस गांव या स्नेहा को किसी भी चीज की आवश्यकता होगी, तो वे अवश्य सहायता के लिए उपस्थित रहेंगे। उनका यह समर्पण न केवल एक बच्ची को शिक्षा की ओर प्रोत्साहित करता है, बल्कि पूरे समाज को यह सिखाता है कि बदलाव लाने के लिए एक संवेदनशील हृदय और दृढ़ इच्छाशक्ति ही काफी है।डॉ. मनीष पंकज मिश्रा का यह कार्य सच्चे जनसेवक की मिसाल है और आने वाले समय में ऐसे प्रयासों से समाज के वंचित वर्ग को शिक्षा के माध्यम से मुख्यधारा से जोड़ा जा सकता है।आज के कार्य कर्म मे राजेन्द्र प्रसाद अधिवक्ता उपस्थित थे।

हनुमान टोला वलीगंज में जलजमाव से त्रस्त है जनता :क्यामुद्दीन अंसारी

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। भाकपा माले नेता व आरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी क्यामुद्दीन अंसारी ने आज हनुमान टोला, वलीगंज, रामगढिया इलाके का दौरा किया.इस दरम्यान उन्होंने ने देखा कि इस इलाके में नाले का पानी सड़कों पर बह रहा है.आज यह हाल है तो जब बरसात शुरू होगी तो लोगों का जीवन नारकीय बन जाएगा. अपने प्रेस बयान यह बात क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा है.

भाकपा माले नेता क्यामुद्दीन अंसारी का कहना है कि आरा नगर निगम नरक निगम में तब्दील हो चुका है.यहा के भाजपाई मेयर को आरा के साफ-सफाई से कोई मतलब नहीं है.भाकपा माले नेता ने कहा कि मौनसुन से पहले आरा शहर के सभी आउटफाल नालों की उड़ाही कार्य कराया जाता है पर आरा मेयर ने ऐसा नहीं किया. भाकपा माले नेता क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि मौनसुन की पहली बरसात में पुरा आरा तलाब में तब्दील हो जाएगा.हम आरा नगर निगम कै आयुक्त से कहना चाहते हैं कि आरा के आउटफाल नालों की उड़ाही का कार्य शीघ्र कराएं तथा साफ-सफाई के नाम पर आरा नगर के लूट पर रोक लगे.

सत्यचंडी धाम रायपुरा में आद्रा मेला का आयोजन 22 जून से

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ एवं तीर्थ स्थल सत्यचंडी धाम रायपुरा में आद्रा मेला का शुभारंभ 22 जून को होगी। इस वर्ष आद्रा मेला 22 जून से शुरू होकर 6 जुलाई तक चलेगी। पुण्यदायिनी बटाने के पावन तट पर अवस्थित सत्यचंडी धाम में प्रतिवर्ष आद्रा मेला के अवसर पर हजारों श्रद्धालु भक्तों का आगमन होता है।बटाने नदी में लोग आस्था की डुबकी लगाते हैं सत्यचंडी माता की विशेष पूजा आराधना करते हैं।कुछ श्रद्धालु भक्तों का मनौती होता है जो पूरा होने पर पुनः दूसरे वर्ष यहां आकर विशेष पूजा पाठ करते हैं। सत्यचंडी धाम न्यास समिति के सचिव राजेंद्र सिंह एवं महोत्सव आयोजन समिति के उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने बताया कि आद्रा मेला के अवसर पर स्थानीय स्तर पर तो लोग आते ही हैं दूसरे जिले एवं अन्य राज्यों के लोग भी आकर यहां पूजा पाठ करते हैं।शक्ति के उपासक भक्त अपनी साधना को पूर्ण करने के लिए विशेष पूजा करते हैं।मेला में धार्मिक उपादान से संबंधित दुकानें लगती हैं बच्चों के मनोरंजन के लिए भी झूला आदि का आयोजन किया जाता है खान-पान एवं जलपान की विभिन्न दुकाने लगती हैं हाट बाजार से संबंधित लोग भी यहां आकर खरीदारी करते हैं।सत्यचंडी माता के बातें में जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि उनकी महिमा अपरंपार है।

शिक्षा व्यवस्था और परिवारवाद पर बोलने से पहले तेजस्वी यादव आईना देखें :चाँद मल्लिक

प्रात : किरण संवाददाता

कुर्था(अरवल) बिहार के शिक्षा और परिवारवाद को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा दिए गए बयान न केवल तथ्यों से परे हैं, बल्कि बिलकुल हास्यास्पद भी हैं। उक्त बातें जनता दल यूनाइटेड के जिला प्रवक्ता चाँद मलिक ने प्रेस बयान जारी कर दी उन्होंने कहा कि जो स्वयं 9 वीं फेल हैं। वे आज बिहार की शिक्षा व्यवस्था को उपदेश दे रहे हैं। यह बिहार की राजनीति का सबसे बड़ा विडंबनात्मक दृश्य है।शिक्षा बजट में ऐतिहासिक बढ़ोतरी नीतीश सरकार का संकल्प बिहार सरकार ने आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 में शिक्षा क्षेत्र के लिए 60,964.87 करोड़ का विशाल बजट प्रस्तावित किया है। यह सिर्फ आंकड़ा नहीं, बल्कि नीतीश कुमार जी की उस सोच का प्रतिबिंब है, जिसमें शिक्षा को सशक्त बिहार की नींव माना गया है। नीतीश सरकार की शिक्षा क्रांति की उपलब्धियाँ हर पंचायत में टेन प्लस टू स्कूल अब बच्चों को 10वीं के बाद पढ़ाई के लिए शहर नहीं जाना पड़ता।हर जिले में इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक, जीएनएम, आईटीआई संस्थान तकनीकी शिक्षा में नया युग।बालिका साइकिल योजना, पोशाक, और छात्रवृत्ति योजना बेटियों की पढ़ाई में आई क्रांति।स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, विज्ञान प्रयोगशालाएं सरकारी स्कूलों को डिजिटल युग में प्रवेश। राजद शासनकाल में जब बिहार में चरवाहा विद्यालय योजना चलाई गई थी, तब स्कूलों में शिक्षा नहीं, राजनीति और नौटंकी होती थी।चारा घोटाले में सजायाफ्ता लालू यादव ने अंगूठा छाप राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बना दिया सिर्फ इसलिए कि वे उनकी पत्नी थीं।परिवारवाद पर उपदेश देने वाले लोग का माय -बहन सम्मान योजना की सच्चाई यही तो है बेटी मिसा भारती को राज्यसभा, बेटा तेजस्वी को उपमुख्यमंत्री, बहन को टिकट, भाई को मंत्री, और मामा-मौसा को बिहार लूटने का लाइसेंस दे दिया गया।यही लोग आज नीतीश कुमार जैसे साफ छवि वाले नेता पर परिवारवाद का आरोप लगा रहे हैं जबकि 19 वर्षों में नीतीश जी ने कभी भी अपने किसी रिश्तेदार को न राजनीति में लाया, न आयोगों में बिठाया, न पद दिलाया।

नशा मुक्ति केंद्र से आईडीएच क्वार्टर जाने वाले रास्ते में बिन बारिश जलजमाव

■ तालाब का पानी सड़क पर बाहर जाने से लोगों को उसे रास्ते से आने-जाने में हो रही परेशानी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना सिटी, प्रातःकिरण संवाददाता

पटना नगर निगम के वार्ड संख्या 57 के साईं तकिया कॉलोनी रोड, आईडीएच क्वार्टर, नशा मुक्ति केंद्र, संक्रामक रोग अस्पताल मार्ग, गंगा नगर कॉलोनी सहित अन्य मुहल्लों में जलजमाव की स्थिति बन गई है। बिन बारिश उक्त रस्ते में जलजमाव होने से लोग समस्या झेलने को मजबूर हैं। समस्या झेल रहे नागरिकों ने इसकी शिकायत वार्ड पार्षद गायत्री गुप्ता और प्रतिनिधि राजू गुप्ता से की है। पार्षद प्रतिनिधि ने बताया कि इस मार्ग में स्थित तालाब का पानी सड़क पर बहाया जा रहा है। इस कारण से आधा दर्जन से अधिक मुहल्ले में जलजमाव की समस्या हो गई है। आईडीएच क्वार्टर मार्ग में तालाब का पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर बह रहा है। इस कारण भी परेशानी बढ़ी है। पार्षद व प्रतिनिधि ने बताया कि इसकी जानकारी निगमायुक्त को दी गई है। निगमायुक्त के स्तर पर समाधान कराने की बात कही गई है। पार्षद ने बताया कि इन मुहल्लों में जल निकासी की भी मेडिकल छात्रावास के पास नाला ऊंचा होने और मार्ग में नाला नीचे रहने की वजह से समस्या बनी है। ऐसे में पहले से ही समस्या बनी है।

केन्द्रीय विद्यालय के पदाधिकारियों के लिए सत्र बहुत ही उपयोगी और लाभदायक सिद्ध हुआ

गया जी।केंद्रीय विद्यालय संगठन, पटना संभाग के तत्वावधान में वार्षिक प्राचार्य बैठक का दूसरा दिन प्रारंभ हुआ है। केंद्रीय विद्यालय संगठन, पटना संभाग के उपायुक्त, अनुराग भटनागर की उपस्थिति एवं सहमति के साथ ही कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ है` प्रातः काल के सत्र में श्री रजनीश त्रिपाठी प्राचार्य, केंद्रीय विद्यालय, गरहरा ने पीएम - संभावनाएं और चुनौतियां तथा उसका समाधान विषय को स्पष्ट किया और आने वाली समस्याओं का उचित समाधान प्रस्तुत किया है। यह सत्र रजनीश त्रिपाठी जी के द्वारा अत्यंत रुचिकर और बोधगम्य तरीके से प्रस्तुत किया गया जिसकी सभी ने उन्मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। एनआईओएस के क्षेत्रीय निदेशक ने एनआईओएस पर विधिवत प्रकाश डाला और उसके महत्व को रेखांकित किया है। विद्यालय में आने वाली एनआईओएस से संबंधित समस्याओं का निराकरण भी किया है। चाय काल के ब्रेक के बाद अरविंदो सोसाइटी के समन्वयक ने अरविंदो सोसायटी पर विधिवत प्रकाश डाला और उसके महत्व पर को प्रतिपादित करते हुए होने वाले लाभ से अवगत कराया है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों के द्वारा यूबीआई पोर्टल से संबंधित विषयों पर प्रकाश डालते हुए आने वाली समस्याओं का निदान प्रस्तुत किया तथा बेहतर सदुपयोग पर प्रकाश डाला और इसी के साथ ही प्रथम सत्र का समापन हुआ है। द्वितीय सत्र में लेखा पर एक बड़े सत्र का आयोजन किया गया, जिस पर ए. के. जिज्ञासु,प्रभारी वित्तीय अधिकारी, केंद्रीय विद्यालय संगठन, पटना संभाग ने इस सत्र को सफल बनाया है। छोटी-छोटी चीजों को समझाया तथा समस्याओं का निदान भी प्रस्तुत किया। एनसीसी पर भी एक व्याख्यान रखा गया है। जिसे जी.पी. कैप्टन विष्णु शर्मा, सीओ एनसीसी- एयर विंग ने संबोधित किया है। इसी के साथ आज के दिन के कार्यक्रम का समापन हुआ है। संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त अनुराग भटनागर, सहायक आयुक्त मनीष कुमार प्रभात, सहायक आयुक्त पूर्णेंदु मंडल, सहायक आयुक्त रंजना बरफाल, प्रशासनिक अधिकारी भीम कुमार की गरिमामयी उपस्थिति मंच पर बनी रही है। ए. के. गुप्ता प्राचार्य, पी.एम.श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 गया, के निर्देशन में स्थल की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संपन्न किया गया है। केंद्रीय विद्यालय संगठन, पटना संभाग के अन्य कर्मचारियों का लगातार सहयोग प्राप्त होता रहा है। पटना संभाग के सभी 51 विद्यालयों से आए हुए पदाधिकारियों के लिए यह सत्र बहुत ही उपयोगी तथा लाभदायक सिद्ध हुआ।

बाल मजदूरों को शिक्षा के प्रति किया गया जागरूक

प्रातः किरण संवाददाता

आराः ।सत्य चैरिटेबल ट्रस्ट आरा के तत्वाधान में आरा शहर के कई दलित मुहल्लों में घूमकर छोटे बच्चो को स्कूल भेजने के लिए अभियान चलाया गया। जिसका नेतृत्व ट्रस्टी संजय राय ने किया।

इस दौरान उपस्थित छोटे छोटे बच्चो को शिक्षा के महत्व को बताया गया। इस मौके पर अभय विश्वास भट्ट ने छोटे बच्चो से आग्रह किया कि आप सभी मन लगाकर पढ़े ।आप सभी के लिए सरकार कई योजना चला रही है। आप सब पढियेगा तो बहुत सी सुविधा भी सरकार देगी। अभी आप सभी का पढ़ने का उम्र है मजदूरी का नही। वही सभी बच्चो को बाल मजदूरी न करने का अपील किया।

वही संजय राय ने अभिभावकों से आग्रह किया कि आप सभी बच्चो को पढ़ने के लिए स्कूल जरूर भेजें उनसे मजदूरी न कराए। बाल मजदूरी कानूनी अपराध है। इससे हम सभी को बचना है अन्यथा सरकार करवाई करेगी। इन्होंने अभिभावकों से कहा कि बच्चो को नियमित रूप से पढ़ने स्कूल भेजें। साथ ही बच्चो को शिक्षा के महता को भी बताए।

जितना मन लगाकर पढ़ेंगे उतना ही बड़ा कामयाबी आपको मिलेगी। वही सभी बच्चो को कॉपी, कलम एवं किताब भी दिया गया तथा सभी से पढ़ने का संकल्प दिलवाया गया। इस मौके पर उपस्थित कुमार विजय, अजित कुमार, रामप्रकाश यादव, नीरज कुमार सिंह, बम ओझा थे।

बीमारी की जांच और दवा फ्री की योजना चलाई जा रही है : डॉ प्रवीण

आरा । अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के संस्थापक डॉ प्रवीण भाई तोगड़िया के दिशानिर्देश पर आरा के महावीर मंदिर रमना मैदान में ही नहीं बल्कि हिन्दुस्तान के हर राज्य के प्रत्येक गांव,शहर में इंडिया हेल्थ लाइन के माध्यम से हर हिन्दू परिवार की महीने में एक बार बि पी,शुगर सहित शरीर के अन्दर बीमारी की जांच और दवा फ्री की योजना चलाई जा रही है । डॉ प्रवीण भाई तोगड़िया जी के बारह आयाम चलाई है जैसे राष्ट्रीय बजरंग दल, राष्ट्रीय महिला परिषद,ओजस्विनी,एक मुठ्ठी अनाज,किसान परिषद, राष्ट्रीय मजदूर परिषद,किड्स हेड्स,हिन्दू हेल्थ लाइन, हिन्दू हेल्प लाइन,एडवोकेट फॉर्म ,हनुमान चालीसा केन्द्र,अब तो हिन्दू ही आगे। सम्मान युक्त हिन्दू ,समृद्ध हिन्दू,सशक्त हिन्दू की कल्पना को स्कार करना ही संगठन की उद्देश्य है ।उसी कड़ी में संगठन के प्रान्त उपाध्यक्ष एवं धमार्चार्य संत सम्पर्क प्रमुख श्री शशि भूषण जी महाराज ने आरा जनपद के हनुमान मंदिर परिसर में इस संगठन के इंडिया हेल्थ लाइन के डॉ श्री सुनील कुमार मिनिस्ट्री ऑफ सोशल जस्टिक गारमेंट ऑफ इंडिया एवं श्री नागेन्द्र नाथ शर्मा ए डी एस आई मैनेजमेंट की देख रेख में शिविर लगाया गया और बि पी, शुगर के साथ शारीरिक जांच कर फ्री में दवाई वितरण किया गया।

जिसमें राष्ट्रीय महिला परिषद की जिला अध्यक्ष श्रीमती लालती सिंह,ऊषा पांडेय,राधा शर्मा,प्रतिमा मधुकर,सुनीता देवी,उर्मिला सिंह, पुष्पा सिन्हा, आशा देवी, बसंती देवी,विमला देवी, जया सिंह और ओजस्विनी की चांदनी कुमारी साथ बंटी अरोड़ा,मुकेश कुमार,अनिल मालाकार,अविनाश यादव,मातादीन अग्रवाल,जयप्रकाश तिवारी,सुमन बाबा,सुनील कुमार,आकाश कुमार,चंदन ओझा,उपेंद्र पांडेय वीरेंद्र कुमार,डिंपल कुमार, पारस नाथ,जितेंद्र तिवारी सभी ने अपना समय के साथ स्वयं भी चेक कराए। इसकी सूचना शशि भूषण जी महाराज ने दिया

बिहार विभूति अनुग्रह नारायण सिंह के जयंती पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद के समाहरणालय के समीप अवस्थित अनुग्रह नारायण स्मारक समिति के प्रांगण में भारत माता के अमर सपूत महान स्वतंत्रता सेनानी आधुनिक बिहार निमार्ता, बिहार विभूति अनुग्रह नारायण सिंहा जी की 138वीं जयंती समारोह के अवसर पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।स्मारक समिति के उपाध्यक्ष अरविंद शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के प्रथम सत्र में अनुग्रह बाबू के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई तत्पश्चात उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा किया गया। औरंगाबाद के जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री, पुलिव अधीक्षक अम्बरीष राहुल,उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह,अनुमंडल पदाधिकारी संतन कुमार सिंह,पुलिस उपाधीक्षक अभिषेक कुमार,जिला परिषद औरंगाबाद के पूर्व अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह,संस्था के सचिव अभिषेक प्रताप सिंह उर्फ चुलबुल सिंह,कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह उर्फ पप्पू बाबू,कौशलेंद्र प्रताप नारायण सिंह,शैलेंद्र दुबे,कांग्रेस के कार्यकारी जिलाध्यक्ष महेंद्र यादव, पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर विजय कुमार सिंह, वरिष्ठ कांग्रेसी श्याम बिहारी सिंह सहित अन्य लोगों ने स्मारक स्थल में स्थापित अनुग्रह बाबू के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया तत्पश्चात उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने कहा कि 1917 ई के बिहार के चंपारण सत्याग्रह में महात्मा गांधी को बिहार में बुलाने में इन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। संविधान सभा के गठन में योगदान दिया था आधुनिक बिहार के नवनिर्माण में सराहनीय भूमिका निभाई।अ से अनुग्रह नारायण और अ से औरंगाबाद महज संयोग है जो एक दूसरे के साथ अन्योन्याश्रित है। हमें उनके बताएं मार्ग पर चलना चाहिए आरक्षी अधीक्षक महोदय ने कहा कि बिहार के विकास में अनुग्रह बाबू का अप्रतिम योगदान रहा है।डीडीसी अनन्या सिंह ने कहा कि अनुग्रह बाबू के अप्रतिम योगदान के कारण ही औरंगाबाद की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर हैं।उनके पद चिन्हों पर चलकर ही हम नवीन समाज की संरचना कर सकते हैं। संतन कुमार सिंह ने कहा कि बिहार के विकास में अनुग्रह बाबू की अविस्मरणीय भूमिका है।

उनके बताएं मार्ग पर चलकर ही हम आगे बढ़ सकते हैं। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया।डॉ अभिषेक कुमार के नेतृत्व में लगाए गए शिविर में सैकड़ो मरीजों का निःशुल्क इलाज किया गया। उनकी जांच भी की गई जांचोंपरांत दवाइयां भी दी गई।

संस्था के सचिव अभिषेक प्रताप सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।मौके पर विधायक प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सिंह,पृथ्वीराज चौहान ट्रस्ट के सचिव स्वर्णजीत कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष रामप्रवेश सिंह,कोषाध्यक्ष विकास कुमार सिंह,प्रसिद्ध ज्योतिर्विद शिवनारायण सिंह,राम भजन सिंह, प्रोफेसर ज्ञानेश्वर प्रसाद सिंह,कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष मृत्युंजय सिंह एवं अरविंद कुमार सिंह,शाहनवाज रहमान,व्यास राम,रामविलास सिंह,श्याम बली पासवान सहित अन्य उपस्थित थे।

महिला संवाद का सफलतापूर्वक समापन, गूंजी सशक्त आवाजें

सहरसा। जिले में 18 अप्रैल से शुरू हुआ महिला संवाद कार्यक्रम 18 जून को सफलता के साथ समाप्त हो गया। इस दो महीने के अभियान ने न केवल महिलाओं को जागरूक किया, बल्कि उनकी समस्याओं, सुझावों और आकांक्षाओं को सरकार तक पहुँचाने का मंच भी प्रदान किया।

यह कार्यक्रम जिले के हर कोने में सशक्तिकरण की नई लहर लेकर आया। कार्यक्रम के तहत जिले के सभी 1468 ग्राम संगठनों में महिला संवाद आयोजित किए गए। जागरूकता के लिए 12 एलईडी स्क्रीन से सुसज्जित जागरूकता रथों ने गाँव-गाँव में भ्रमण किया और महिलाओं को योजनाओं की जानकारी दी। चलचित्रों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण की कहानियाँ साझा की गईं, जबकि मंच पर लाभार्थी महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए।

यह न केवल प्रेरणा का स्रोत बना, बल्कि अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रोत्साहित किया। महिला संवाद कार्यक्रम के दौरान गाँवों में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। महिलाएँ, किशोरियाँ, और यहाँ तक कि पुरुष भी इसमें उत्साहपूर्वक भाग लेते थे।

एकलव्य आवासीय प्रशिक्षण केंद्र के लिए खिलाड़ियों का चयन 23 एवं 24 जुलाई को

प्रातः किरण संवाददाता

सहरसा। जिला एथलेटिक्स संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के प्रांगण में जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष रविंद्र कुमार सिंह के अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में आगामी 23 एवं 24 जुलाई को एकलव्य प्रशिक्षण केंद्र जो कि बिहार के विभिन्न जिलों में खोला जाना है। उसमें प्रशिक्षु खिलाड़ियों के चयन हेतु ट्रायल के विषय पर गंभीरतापूर्वक गहन चर्चा की गई। सभी उपस्थित सदस्यों ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि इस चयन में सहरसा जिला के 11 से 14 वर्ष तक के अधिक से अधिक बच्चे भाग ले ताकि उनका चयन एकलव्य आवासीय प्रशिक्षण केंद्र में हो सके। इस अवसर पर जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव रोशन सिंह धोनी ने कहा कि इसमें सरकारी एवं गैर सरकारी किसी भी विद्यालय के बच्चे भाग ले सकते हैं। उनका उम्र 11 से 14 वर्ष के अंदर होना चाहिए। जिला खेल पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी के माध्यम से पत्र निर्गत करवाया जाना चाहिए, साथ ही साथ सभी जिला एथलेटिक्स संघ एवं खेल संघ के सदस्य अपने स्तर से सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में इस विषय की सूचना प्रेषित करें, ताकि 23 एवं 24 जुलाई को ज्यादा से ज्यादा बच्चे इस ट्रायल में भाग ले सके। इस चयन में बच्चों का बैट्री टेस्ट होगा। बैटरी टेस्ट के लिए बिहार राज्य खेल प्राधिकरण से प्राधिकृत राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक एवं चयनकर्ता सहरसा आयेंगे उनके द्वारा उनका चयन की प्रक्रिया संपन्न किया जाएगा। जिला एथलेटिक्स संघ द्वारा उन्हें सहयोग प्रदान किया जाएगा। अध्यक्ष श्री आर के सिंह ने कहा की यह काफी हर्ष का विषय है की सहरसा में एथलेटिक्स सहित सभी खेलों का विकास हो रहा है। श्री नारायण मेडिकल इंस्टिट्यूट ने भी बहुत जल्द खिलाड़ियों के लिए, इंडोर मल्टीपरपज हॉल की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही एथलेटिक्स एवं फुटबॉल के लिए फिलहाल अच्छे मैदान की व्यवस्था की जा रही है संभवत मैदान दिसंबर में कॉलेज के खिलाड़ियों एवं जिला के आम खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध हो जाएगा। हमारा उद्देश्य सहरसा को खेल में समृद्ध एवं आगे बढ़ना है।

इस अवसर पर इस बैठक में सचिव रोशन सिंह धोनी, उपाध्यक्ष रोहित राज, सैयद सभी अहमद, संयुक्त सचिव नीतीश मिश्रा, कोषाध्यक्ष विप्लव रंजन साथ में जिला योग संघ के सचिव अमन कुमार सिंह, तैराकी संघ के जिला सचिव चंदन कुमार, जिला बैडमिंटन संघ के संयुक्त सचिव दीपक कुमार, जिला साइकलिंग संघ के सचिव दर्शन कुमार गुड्डू, कुमार टोला स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष शिवेंद्र नारायण सिंह डुमडुम, जिला वालीबाल संघ के संयुक्त सचिव शुभम कुमार चुनचुन, कोशी स्पोर्ट्स अकादमी के संगठन सचिव सिद्धार्थ कुमार सिद्धू, जिला लागोरी संघ के सचिव अंशु मिश्रा आदि उपस्थित थे।

अनुग्रह मेमोरियल महाविद्यालय गया में बिहार विभूति डॉ अनुग्रह नारायण सिन्हा की 138वीं जयंती मनाई गई

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।आज दिनांक 18.6.2025 को अनुग्रह मेमोरियल महाविद्यालय, गया में बिहार विभूति डॉ अनुग्रह नारायण सिन्हा की 138वीं जयंती मनाई गई है इस समारोह के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में स्थित बिहार विभूति की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि की गई है। सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ अनंत कुमार सिन्हा,परीक्षा नियंत्रक डॉ अजय कुमार सिंह, बर्सर डॉ अमृतेंदु घोषाल,प्रधान सहायक अमरेश कुमार सिंह आदि सहित सभी विभागों के विभागाध्यक्ष शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों ने अनुग्रह बाबू की प्रतिमा एवं चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कर उन्हें नमन किया है इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य डॉअनंत कुमार सिन्हा ने कहा कि अनुग्रह बाबू जीवन पर्यंत राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए अथक प्रयास किए हैं शिक्षा सामाजिक समरसता और जनकल्याण के क्षेत्र में उन्होंने अद्वितीय कार्य किया है। युवा पीढ़ी को अनुग्रह बाबू की जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

इस कार्यक्रम में डॉ नीरज कुमार कमल, भौतिकी विभाग,डॉ राजेश रंजन पांडे, विकास प्रताप सिंह, रसायन शास्त्र विभाग, डॉ मानिक मोहन शुक्ला, विभागाध्यक्ष,श्री राजेश रंजन कुमार सिंह शिक्षा विभाग, डॉ प्रवीण कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष जंतु विज्ञान विभाग,डॉ उमाशंकर सिंह,हिंदी विभाग, ,गौतम कुमार, प्रिंस कुमार, नागेंद्र प्रताप सिंह, महामृत्युंजय नाथ झा, अनिल कुमार सिंह, रजनीश कुमार, शुभम कुमार, संतोष कुमार आदि उपस्थित रहे हैं।

भगवान को पाने का सशक्त माध्यम है भागवत कथा : स्वामी राम प्रपन्नाचार्य

प्रातः किरण संवाददाता

कुर्था (अरवल)भगवान को पाने का सशक्त माध्यम है भागवत कथा चुकी भागवत कथा सुनने मात्र से मानव मात्र का कल्याण संभव है। उक्त बातें मंगलवार की रात्रि कुर्था प्रखंड के दरेहटा गांव में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ को संबोधित करते हुए श्री श्री 1008 स्वामी राम प्रपन्नाचार्य ने कहीं, साथ ही उन्होंने कहा कि भगवत गीता से न सिर्फ मानव जीवन का कल्याण होता है ।

बल्कि धरती पर समस्त चराचर जीवों का कल्याण संभव है क्योंकि लाख पैसे वाला भी भगवत गीता का ज्ञान नहीं ले सकता है तो दूसरी तरफ काग भूसुंडी जैसी जीव प्रभु के सामने तमाम सुखों का त्याग कर वरदान में सिर्फ प्रभु का संसर्ग मांगा जबकि प्रभु ने उन्हें 19 प्रकार के वरदान मांगने को कहा था। लेकिन उन्होंने कहा कि नहीं प्रभु हमें सिर्फ आपका संसर्ग चाहिए हमें यही वरदान दें और इस प्रकार का भूसुंडी को प्रभु ने हमेशा अमृत का वरदान दिया।

मानव कर्तव्य बिना मानवाधिकार अधूरा है:विशाल दफ्तुआर

एचआरयूएफ का वर्क प्लान 2025 शुरू

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।वैश्विक स्तर की भारतीय संस्था ह्लह्युमन राइट्स अम्ब्रेला फाउंडेशन- एचआरयूएफह्ल दुनिया का इकलौता औरगेनाईजेशन है जो पूरी मुखरता के साथ मानव कर्तव्यों की भी वकालत करता है।एचआरयूएफ का मूलमंत्र ही है ह्लमानवाधिकार मानव कर्तव्यों के साथह्ल। एचआरयूएफ के छठे फाउंडेशन डे पर अगले एक साल के वर्क प्लान की शुरूआत की गई है।एचआरयूएफ चेयरमैन एवं मशहूर अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कार्यकर्ता विशाल रंजन दफ्तुआर ने कहा कि मानव कर्तव्यों के पालन के बिना मानवाधिकार अधूरा है।आतंकवादी, राष्ट्र विरोधी ताकतें और असामाजिक तत्वों के कोई मानवाधिकार नहीं हो सकते हैं। मानवाधिकार को पाने के लिये मानव की तरह व्यवहार भी करना होगा।अगर किसी का व्यवहार राक्षस की तरह होगा तो फिर भारतीय सेना, अर्द्ध सैनिक बलों और विभिन्न राज्यों की पुलिस को उन्हें उन्हीं की भाषा में जवाब देने की खुली छूट होनी चाहिए और एचआरयूएफ उनके बचाव में ढाल की तरह काम करेगा। लेकिन अगर इनके स्तर से किसी इनोसेंट नागरिक पर अत्याचार होता है तो फिर एचआरयूएफ ऐसी संवैधानिक संस्थाओं के विरोध में सामने खड़ी होगी। जून 2026 तक विश्व के कई देशों में एचआरयूएफ की शुरूआत का लक्ष्य रखा गया है।एक भारतीय संस्था के तौर पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत और भारतीयता के पराक्रम को स्थापित करना एचआरयूएफ का सबसे प्रमुख कार्य योजना में से एक है। एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्युमन राइट्स वाच जैसी सालों पुरानी विदेशी संस्थाओं के भारत विरोधी एजेण्डा से मुकाबला करने के लिये भी ह्युमन राइट्स अम्ब्रेला को विशेष प्रयास करने पड़ रहे हैं।गौरतलब है कि 17 जून, 2019 को तत्कालीन राष्ट्रपति माननीय रामनाथ कोविंद की प्रेरणा से ह्युमन राइट्स अम्ब्रेला फाउंडेशन- एचआरयूएफ की शुरूआत की गई थी। एचआरयूएफ चेयरमैन के नेतृत्व में अब तक सात ऐतिहासिक अंतर्राष्ट्रीय मिशनों को सफलतापूर्वक पूरा करके एचआरयूएफ ने वैश्विक पटल पर एक शानदार शुरूआत की है।

इन अंतर्राष्ट्रीय मिशनों को देश-विदेश की सरकारों का अभूतपूर्व साथ-समर्थन और सहयोग मिला है। गुगल, माइक्रोसॉफ्ट जैसे सर्च इंजनों और एआई प्लेटफार्म पर एचआरयूएफ चेयरमैन और एचआरयूएफ का नाम प्रमुखता से उजागर होता है।इस साल गेस्ट पेज और पब्लिक ओपिनियन जैसे नये सेगमेंट के द्वारा अतिथियों और आम आदमी के विचारों को बेबसाइट एचआरयूएफ डाट ओराजी (ँ१४१. ङ्ग१) पर स्थान दिया जायेगा।इसी साल जुलाई-अगस्त में कई सर्टिफिकेट वितरित भी किये जायेंगे।कोई भी पीड़ित अपनी पीड़ा एचआरयूएफ हेल्पलाइन नंबर 9835442759 पर व्हाट्सएप कर सकता है।एक नये अंतर्राष्ट्रीय मिशन की शुरूआत की भी प्लानिंग की जा रही है जो मिडिल ईस्ट से जुड़ी हुई है।

नेपाल हिन्दू राष्ट्र था और रहेगा: डॉ. परविन्दर सिंह

गया जी। अपने उद्भव से लेकर लगातार हिन्दु बहुल क्षेत्र नेपाल हिन्दू राष्ट्र के रूप में मान्यता प्राप्त रहा है। स्कंदपुराण से लेकर सभी बौद्ध ग्रंथों में भी इसे हिन्दू राष्ट्र ही माना गया है। अपनी कुटिल नीतियों के चलते आज इस राष्ट्र को हिन्दू राष्ट्र के बजाए धर्मनिरपेक्ष रूप दे दिया गया है जो कि नेपाल की पहचान के एकदम खिलाफ है और इसे विश्वस्तर पर षड़यंत्र माना जाता है। पेज 3 न्यूज के फाउंडर, सीईओ, चीफ एडिटर डॉ. परविन्दर सिंह ने एक साक्षात्कार में विचार व्यक्त करते हुए कहा कि दरअसल नेपाल हिन्दू राष्ट्र था, है और रहेगा। इस बात के लिए अब न केवल नेपाल के स्तर पर बल्कि विश्व पटल पर गंभीर मंथन के बाद इसको फिर से हिन्दू राष्ट्र के तौर पर बहाल करने की मांग जोरों से उठ रही है।

हिंदू धर्म नेपाल का सबसे बड़ा धर्म है। 2006 में, देश नेअपनी राजशाही के उन्मूलन के बाद, लोकतंत्र के माध्यम से खुद को एक धर्मनिरपेक्ष देश घोषित किया। 2021 की जनगणना के अनुसार, नेपाल में हिंदू आबादी लगभग 23,677,744 होने का अनुमान है, जोदेश की आबादी का कम से कम 81.19 प्रतिशत है, जो दुनिया के किसी भी देश के हिंदुओं का सबसे अधिक प्रतिशत है । विक्रम संवत , नेपाल में उपयोग किए जाने वाले दो आधिकारिक कैलेंडर में से एक, एक सौर कैलेंडर है जो अनिवार्य रूप से उत्तर भारत में धार्मिक कैलेंडर के रूप में व्यापक रूप से समान है, और समय की सौर इकाई पर आधारित है ।

जातीय समूहों में बाहुन, ठकुरी, थारू, छेत्री, मगर, पहाड़ी दलित, मधेशी, नेवारी लोग शामिल हैं। इस बीच, प्रमुख जातीय समूहों में शेरपा, राय, लिम्बू, गुरुंग और तमांग में समूह के भीतर हिंदू धर्म के अनुयायियों का प्रतिशत सबसे कम है।

इतिहासकारों और स्थानीय परंपराओं का कहना है कि ह्लह्लनेह्लह्ल नामक एक हिंदू ऋषि ने प्रागैतिहासिक काल के दौरान काठमांडू की घाटी में खुद को स्थापित किया, और ह्लह्लनेपालह्लह्ल शब्द का अर्थ है ह्लह्लऋषि ह्लह्लनेह्लह्ल द्वारा संरक्षित (संस्कृत में ह्लपालह्ल) स्थानह्लह्ल। उन्होंने बागमती और बिष्णुमती नदियों के संगम, टेकु में धार्मिक समारोह किए। किंवदंतियों के अनुसार, उन्होंने गोपाला वंश के कई राजाओं में से पहला राजा होने के लिए एक धर्मपरायण चरवाहे का चयन किया। कहा जाता है कि इन शासकों ने नेपाल पर 500 से अधिक वर्षों तक शासन किया। उन्होंने गोपाला वंश की पंक्ति में पहला राजा होने के लिए भुक्तमान को चुना । गोपाला वंश ने 621 वर्षों तक शासन किया। यक्ष्य गुप्त इस वंश का अंतिम राजा था। स्कंद पुराण के अनुसार, ह्लह्लनेह्लह्ल या ह्लह्लनेमुनिह्लह्ल नामक एक ऋषि हिमालय में रहा करते थे । पशुपति पुराण में, उन्हें एक संत और रक्षक के रूप में उल्लेख किया गया है। कहा जाता है कि उन्होंने बागमती और केशवती नदियों में तपस्या की थी और वहीं अपने सिद्धांतों की शिक्षा भी दी थी। 18वीं सदी के मध्य में, गोरखा राजा पृथ्वी नारायण शाह ने वर्तमान नेपाल को एक साथ लाने का बीड़ा उठाया। उन्होंने सीमावर्ती पहाड़ी राज्यों की तटस्थता को सुरक्षित करके अपने मिशन की शुरूआत की। कई खूनी लड़ाइयों और घेराबंदी के बाद, विशेष रूप से कीर्तिपुर की लड़ाई के बाद, वह 1769 में काठमांडू घाटी पर विजय प्राप्त करने में सफल रहे। गोरखा नियंत्रण उस समय अपने चरम पर पहुंच गया जब पश्चिम में कुमाऊं और गढ़वाल राज्यों से लेकर पूर्व में सिक्किम तक के उत्तर भारतीय क्षेत्र नेपाली नियंत्रण में आ गए। तिब्बत के पहाड़ी दर्रों और आंतरिक टिंगरी घाटियों पर नियंत्रण को लेकर तिब्बत के साथ विवाद ने चीन के किंग सम्राट को चीन-नेपाली युद्ध शुरू करने के लिए मजबूर किया, जिससे नेपालियों को उत्तर में अपनी सीमाओं पर वापस जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। नेपाल की सीमा से लगे राज्यों पर नियंत्रण को लेकर नेपाल साम्राज्य और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच प्रतिद्वंद्विता ने अंततः एंग्लो-नेपाली युद्ध (1815-1816) को जन्म दिया। सबसे पहले, अंग्रेजों ने नेपालियों को कम करके आंका और जब तक उन्होंने अनुमान से अधिक सैन्य संसाधनों की प्रतिबद्धता नहीं जताई, तब तक वे बुरी तरह हार गए। इस प्रकार गोरखाओं की भयंकर और निर्दयी सैनिकों के रूप में प्रतिष्ठा शुरू हुई। युद्ध सुगौली संधि में समाप्त हुआ जिसके तहत नेपाल ने हाल ही में कब्जा की गई भूमि को सौंप दिया। राजपरिवार के अंदर गुटबाजी के कारण अस्थिरता का दौर चला। 1846 में, एक साजिश का पता चला, जिसमें पता चला कि राज करने वाली रानी ने तेजी से उभरते सैन्य नेता बीर नरसिंह कुंवर को उखाड़ फेंकने की योजना बनाई थी। इसके कारण कोट नरसंहार हुआ रानी के प्रति वफादार सैन्य कर्मियों और प्रशासकों के बीच सशस्त्र झड़पों के कारण देश भर में कई सौ राजकुमारों और सरदारों को मौत के घाट उतार दिया गया।

गांव के लोगों ने पसमांदा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष शाहेबुद्दीन अंसारी का किया स्वागत

प्रातः किरण संवाददाता

गया जिला के गुरुआ प्रखंड अंतर्गत ग्राम अखोरी खाप में पसमांदा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष शाहेबुद्दीन अंसारी का किया गया स्वागत इस स्वागत समारोह में गांव के हजारों लोगों ने शाहेबुद्दीन अंसारी का किया स्वागत। मौजूद गांव के लोगों ने कहा की शाहेबुद्दीन अंसारी जमीन से जुड़े नेता है और हम गरीबों महादलितों के लिए यह बेहतर कार्य करते है।

वही शहाबुद्दीन अंसारी ने बताया मैं खुद जाकर और गरीबों के हित में सभी काम करने का कोशिश करता हूं मैंने कई वक्त से कई समस्याओं का समाधान किया जैसे कब्रिस्तान का समस्या हो या मंदिर के रास्ते का श्मशान घाट का समस्या हो या फिर मस्जिद का गांव के लोगों के द्वारा ये सब हमारे पास समस्याओं को लेकर आते हैं। मैं उसका अपने तरीके से समाधान करता हूं।

वही उन्होंने कहा मैं सभी को लेकर चलने का काम करता हूं। वही उन्होंने बताया आने वाले वक्त में हमारी पार्टी मगध में कई सीटों पर चुनाव लड़ेगी। और अगर मैं जीत कर आता हूं तो जैसे अभी लोगों का मदद कर रहा हूं आगे और बेहतर करूंगा। मैं शाहेबुद्दीन अंसारी नेता नहीं बेटा बन कर काम करूंगा। वही मोहम्मद सद्दाम अंसारी ने बताया मैं पासमंडा समाज के कार्यकर्ता हूं और मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि ये पार्टी बेहतर कार्य करेगी।

मौके पर मौजूद मोहम्मद जाहिद अंसारी प्रदेश महासचिव, मोहम्मद मुर्तजा, मोहम्मद सद्दाम अंसारी, टूना मांझी, पंकज विश्वकर्मा, अली अशरफ खान, जमील अंसारी, सद्दाम अंसारी समाजसेवी, वसीम अकरम समाजसेवी, मोहम्मद इम्तियाज अंसारी, निजामुद्दीन अंसारी शाहिद अन्य लोग मौजूद रहे।

ऋतिक मोदी मौत मामले में पुलिसिया सुस्ती पर वैश्य समाज में आक्रोश

प्रातः किरण संवाददाता

सहरसा। सिमरी बख्तियारपुर नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत मुख्य बाजार निवासी स्व. नरेश मोदी के पुत्र रोहन उर्फ ऋतिक मोदी की संदिग्ध हालात में हुई मौत के मामले में अब तक ठोस कार्रवाई न होने से आमजन के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों में भी नाराजगी देखी जा रही है। मंगलवार को वैश्य समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने मृतक ऋतिक के घर पहुंचकर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की और न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया।प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे जिलाध्यक्ष मोहन प्रसाद साह ने कहा कि ऋतिक की मौत मामले मे पुलिस की सुस्ती इस मामले को और भी संदेहास्पद बना रही है।दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर सजा दिलवाना प्रशासन की जिम्मेदारी है।प्रवक्ता राजीव रंजन साह ने कहा कि जिस प्रकार से यह मामला दबाया जा रहा है। उससे प्रतीत होता है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक स्तर पर लापरवाही बरती जा रही है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।जिला महामंत्री संजय कुमार ने कहा कि हमारी मांग है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच हो और पीड़ित परिवार को न्याय मिले। वैश्य समाज हर मोर्चे पर साथ खड़ा है।

संतोष कुमार लड्डू ने कहा कि ऋतिक एक होनहार युवक था। उसकी मौत से पूरे समाज को गहरा आघात पहुंचा है। हम चाहते हैं कि दोषियों को चिन्हित कर सख्त से सख्त सजा दी जाए।शंकर साह ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि हम जल्द ही एक प्रतिनिधिमंडल के साथ जिला प्रशासन से मिलेंगे और इस मामले में सीडीआई या एसआईटी जांच की मांग करेंगे।

अगर न्याय नहीं मिला, तो आंदोलन का रास्ता भी अपनाया जाएगा।प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया कि वे न्याय के लिए अंतिम सांस तक उनके साथ खड़े रहेंगे। इधर वैश्य समाज के इस कदम से स्थानीय लोगों में भी उम्मीद जगी है कि अब ऋतिक को जल्द न्याय मिल सकेगा।

फिर से सज गई एक नंबर रेलवे गुमटी के पास सब्जी व फल की मंडी

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।पूर्व मध्य रेल के डीडीयू मंडल के गया जंक्शन के पदाधिकारी की मिलीभगत से डेल्हा साइड एक नंबर रेल गुमटी(बंद) के पास फिर से फल एवं सब्जियों की मंडी सज गई है। कुछ दिन पहले स्थानीय रेल प्रशासन ने यहां से करीब चार दर्जन अस्थायी दुकानों को हटाने के साथ एक संयुक्त रिपोर्ट मुख्यालय को भेजी थी लेकिन रिपोर्ट झूठ साबित हो रहा है। डीडीयू मंडल के गया जंक्शन पर अवैध रूप से दुकानें संचालन के पीछे स्थानीय रेल प्रशासन की मिलीभगत साफ दृष्टिगोचर होती है। यदि ऐसा नहीं है तो 06 जून को यहां से दुकानों को हटा दिए जाने की रिपोर्ट के बाद फिर दुकानें कैसे सज गई?

स्थल पर सच कुछ और ही सामने आया

बुधवार को एक नंबर गुमटी के पास देखा गया कि एक नहीं कई दुकानें लगी हुई है। अधिकतर सब्जी एवं फल की दुकानों के अलावा चाय, पान, नाश्ता करने की कई दुकानें बेरोकटोक चल रही है।

अघोषित दिया जाता है वसूली का ठेका

स्थानीय लोगों ने बताया कि इस स्थान पर दुकानें लगाने के लिए अघोषित रूप से एक व्यक्ति को ठेका दिया जाता है जो इन दुकानों के दुकानदारों से एक निर्धारित राशि वसूल करता है। यह राशि महीने में 25-30 हजार रुपए बताई गई। जो पूरी तरह से गैरकानूनी तरीके से गोपनीय तरीके से किया जाता है।

आरपीएफ को अतिक्रमण रोकने की है पूरी जिम्मेदारी

रेल की भूमि पर अतिक्रमण हटाने या अतिक्रमण होने से रोकने की पूर्ण जिम्मेदारी रेलवे सुरक्षा बल के पोस्ट प्रभारी को है। रेलवे अधिनियमों के तहत कार्यवाही की जिम्मेदारी भी इन्हें ही दी गई है लेकिन आखिर क्या वजह है कि दुकानें हटा दिए जाने के बाद फिर दुकानें लग जाती है।

सहायक कमांडेंट की भी यहां है पदस्थापना

गया जंक्शन पर आरपीएफ पोस्ट के कार्यों और उनके दायित्वों की निगरानी रखने के लिए यहां सहायक कमांडेंट की पदस्थापना की गई है लेकिन इनकी नजरों से भी अबतक अवैध दुकानें और अतिक्रमण ओझल क्यों है?

6 जून को ही हुई थी अतिक्रमण हटाने की संयुक्त कार्यवाही

इसी महीने की 6 तारीख को गया जंक्शन के आरपीएफ पोस्ट प्रभारी निरीक्षक बनारसी यादव, वाणिज्य पर्यवेक्षक(सामान्य) शैलेश कुमार, यातायात निरीक्षक बी.बी. पांडेय, वरीय अनुभाग अभियंता(कार्य), अवर अभियंता(कार्य) स्टेशन विकास, गया आदि ने संयुक्त रूप से 46 दुकानों को हटाने की कार्रवाई करते हुए एक रिपोर्ट मंडल मुख्यालय भेजा था। जिसमें, मछली, मुर्गा, मीट, फल, सब्जी, चाट आदि की दुकानें हटाने की कार्रवाई हुई थी लेकिन अब फिर उसी स्थिति में यहां दुकानें सज गई है।

या तो रिपोर्ट गलत या फिर कार्यवाही झूठी

वर्तमान में जितनी भी दुकानें मजे से चल रही है, उसकी संख्या 40 से ऊपर ही होगी। आखिर 06 जून की कार्यवाही झूठी थी या रिपोर्ट गलत भेजी गई थी, ये तो उच्चस्तरीय जांच के बाद ही पता चल सकता है कि आखिर इस खेल में कौन है।

बिहार की महिलाएं आत्मनिर्भर हो कर समाज को दिशा दे रही है: प्रकाश राम पटवा

गयाजी।जदयू व्यवसाय एवं उद्योग प्रकोष्ठ के गया जिला अध्यक्ष प्रकाश राम पटवा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच और योजनाओं के परिणामस्वरूप आज बिहार की महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। मुख्यमंत्री द्वारा लागू की गई योजनाएं जैसे जीविका समूह, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, 50% आरक्षण नीति (स्थानीय निकायों एवं पंचायतों में), कन्या उत्थान योजना, और महिला सशक्तिकरण अभियान के कारण महिलाओं को ना सिर्फ आर्थिक मजबूती मिली है, बल्कि सामाजिक सम्मान भी प्राप्त हुआ है। आगे श्री पटवा ने कहा कि आज की बिहार की महिलाएं सिर्फ घर तक सीमित नहीं हैं। वे छोटे उद्योग, स्वरोजगार, सिलाई-बुनाई, ब्यूटी पार्लर, कृषि कार्य, शिक्षण,स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर प्रशासनिक सेवाओं में भी अपनी पहचान बना रही हैउन्होंने कहा कि महिलाएं अब फैसले ले रही हैं, नेतृत्व कर रही हैं और ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी परिवेश तक एक नई सामाजिक क्रांति की वाहक बन चुकी हैं। पटवा ने यह भी कहा कि जदयू हमेशा से महिला सम्मान और भागीदारी का पक्षधर रहा है। यही कारण है कि राज्य में महिला सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार पर विशेष बल दिया गया है। अंत में उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि बिहार की बेटियां अब केवल आत्मनिर्भर नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाली प्रेरणास्त्रोत बन रही हैं।

मिर्चाई घाट पर अज्ञात युवती का मिला शव

पटना सिटी (प्राकि)। चौक थाना क्षेत्र के मिर्ची घाट पर गंगा में तैरता अज्ञात युवती का शव लोगों ने देखा। इसके बाद लोगों ने पुलिस को इस संबंध में सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलने का काम किया। उसकी उम्र करीब 21 वर्ष आंकी गई है। हालांकि उसकी पहचान नहीं हो पाई है। मौके पर पहुंचे चौक थाना के दारोगा सत्येंद्र नारायण सिंह ने आशंका जताई है कि युवती की गंगा में स्नान के दौरान डूबने से मौत हुई होगी। लाश पानी में बह कर यहां आया है। फिलहाल शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है।

गुलजारबाग स्थित सचिवालय मुद्रणालय परिसर में चोरी, अनेक सामान को भी तोड़ा गया

पटना सिटी। आलमगंज थाना अंतर्गत बिहार सचिवालय मुद्रणालय, गुलजारबाग में घुसे चोरों ने हजारों की संपति चोरी कर ली है। इस दौरान अनेक सामान को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। मेन गेट बंद रहने और सुरक्षा प्रहरी होने के बाद भी चोरी की घटना हुई है। मुद्रणालय के वर्ण संयोजक विरेंद्र कुमार ने इसकी सूचना आलमगंज थाना की पुलिस को देते हुए मामला दर्ज कराया है। पुलिस को बताया है कि मेन गेट बंद होने और दरबानों की उपस्थिति होने के बाद भी चोरों ने कार्यालय परिसर में घुस कर वाइनडिंग और मशीन शाखा का ताला काट कर चोरी की गई। चोरी गए सामान में तीन हजार रुपया का बिजली तार, 1500 का पुराना नट बोल्ट और नंबर मशीन करीब 1900 रुपये की है। आलमगंज थाना की पुलिस ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। दूसरी ओर एनएमसीएच परिसर से दो बाइक की चोरी हुई है। वहीं अस्पताल में संचालित एक निजी एबुलेंस भी चोरों ने गायब कर दिया है। पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन कर रही है। पीजी हॉस्टल के छात्र शशि प्रकाश ने बताया कि इमरजेंसी वार्ड में ड्यूटी करने के लिए दूसरे साथी का स्कूटी लेकर आया था। मरीज को देखने वार्ड के अंदर गया। वापस लौटने पर स्कूटी नहीं मिली। एनएमसीएच टीओपी को सूचित किया है। मेहंदीगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले राजन कुमार ने बताया कि भर्ती परिजन को देखने के लिए एनएमसीएच पहुंचे थे। मेडिसिन विभाग के पास बाइक लगा कर अंदर गए। वापस लौटने पर काफी खोजबीन किए जाने पर भी बाइक नहीं मिली। आलमगंज थाना में मामला दर्ज कराया है। नौबतपुर निवासी संटू कुमार ने एबुलेंस चोरी की सूचना आलमगंज थाना में दर्ज कराई है। बताया है कि पिछले दो साल से एनएमसीच के मरीजों के लिए एबुलेंस चलाता है। बजरंगपुरी से एबुलेंस चोरी चली गई है। पुलिस ने बताया कि वाहन चोरी के मामले में पीड़ितों की ओर से प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस पहचान के लिए अस्पताल के सीसीटीवी कैमरा को खंगाल रही है।

जटा शंकर झा बने लोजपा (रा)कलम जीवी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष

सहरसा। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के कलम जीवी प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष सुधांशु कुमार ने जटा शंकर झा को प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। इस बाबत जारी पत्र में उन्होंने आशा व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में जिले का संगठन मजबूत होगा एवं जिले के सभी प्रखंडों में कमेटी का गठन कर संगठन को धारदार बनाऐंगे। कलम जीवी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष बनने पर जटा शंकर झा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान सहित प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष सुधांशु रंजन के प्रति आभार व्यक्त किया।

नोमुरा ने 50 प्रतिशत बढ़ाया टारगेट

5 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए इंडसइंड बैंक के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के इंडसइंड बैंक के शेयर बुधवार को बीएसइ में 5 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 855.20 रुपये पर पहुंच गए हैं। ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस नोमुरा ने इंडसइंड बैंक के शेयरों की रेटिंग अपग्रेड की है और इसका प्राइस टारगेट 50 पर्सेंट बढ़ा दिया है। पिछले एक साल में इंडसइंड बैंक के शेयरों में 40 पर्सेंट से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। बैंक के शेयरों का 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर

1550 रुपये है। वहीं, इंडसइंड बैंक के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 605.40 रुपये है।

नोमुरा ने इंडसइंड बैंक के शेयर खरीदने को कहा- इंटरनेशल ब्रोकरेज हाउस नोमुरा ने इंडसइंड बैंक के शेयरों की रेटिंग को अपग्रेड करके बाय कर दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने बैंक के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। नोमुरा ने पहले इंडसइंड बैंक के शेयरों को न्यूट्रल रेटिंग दी थी। नोमुरा ने इंडसइंड बैंक के शेयरों का टारगेट प्राइस भी 50 पर्सेंट बढ़ा दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने बैंक के शेयरों का टारगेट प्राइस बढ़ाकर 1050 रुपये कर दिया है। पहले, बैंक के शेयरों के लिए 700 रुपये का टारगेट दिया था। रिवाइज्ड टारगेट से संकेत मिलता है कि मंगलवार के क्लोजिंग प्राइस से बैंक के शेयरों में करीब 30 पर्सेंट का उछाल देखने को मिल सकता है।

रेटिंग अपग्रेड के पीछे कई पॉजिटिव फैक्टर- ब्रोकरेज हाउस नोमुरा ने अपने नोट में अपग्रेड के पीछे कई पॉजिटिव फैक्टर्स का हवाला दिया है। इन फैक्टर्स में गवर्नेंस में सुधार लाने को लेकर बोर्ड का कमिटमेंट, नई लीडरशिप की तलाश, मजबूत अर्निंग आउटलुक और क्लीन स्लेट पर वित्त वर्ष 2026 की शुरुआत का स्पष्ट मकसद शामिल है।

भारत में बने खिलौनों की वैश्विक बाजार में जबरदस्त मांग

छोटा भीम से लेकर मोटू-पतलू तक हो रहे निर्यात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत अब खिलौनों का आयात करने के बजाय निर्यात कर रहा है। छोटा भीम से लेकर मोटू-पतलू तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे। यहां बने खिलौनों की गुणवत्ता दुनियाभर के मानकों से बेहतर है। शून्य से 16 साल तक के बच्चों के खिलौने बनाने वाली कंपनियां अपने उत्पादों के विदेशी बाजारों में पहुंचाने से उत्साहित हैं। यह स्थिति सिर्फ दो साल में बदली है। यहां के खिलौने स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बड़े पैमाने पर परखे हुए हैं। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), मुंबई के

पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय प्रयोगशाला (डब्ल्यूआरओएल) के वैज्ञानिक और निदेशक अद्भुत सिंह ने कहा, बीआईएस मानकों ने घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में भारतीय खिलौनों की बिक्री बढ़ाने में सहायता की है। उन्होंने कहा, भारतीय मानक हमारी मौसम स्थितियों और अन्य घरेलू जरूरतों के अनुसार बनाए गए हैं।

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में अब भारत बना सबसे बड़ा खिलाड़ी

चीन और बांग्लादेश की हो गई छुट्टी!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के कपड़ों के निर्यात में अच्छी बढ़त दिख रही है। उद्योग संगठन सीआईटीआई के आंकड़ों के अनुसार मई में कपड़ों का निर्यात 11.3 प्रतिशत बढ़ा है। पश्चिमी देशों के खरीदार अब बांग्लादेश और चीन के बजाय भारत को ज्यादा भरोसेमंद मान रहे हैं। इसलिए भारत के निर्यात को बढ़ावा मिल रहा है।

पिछले साल अगस्त में बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार बदलने से राजनीतिक अस्थिरता हुई थी। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार इस वजह से कपड़ों का निर्यात और भी तेजी से बढ़ा। सितंबर में निर्यात 17.3 प्रतिशत और अक्टूबर में 24.35 प्रतिशत तक बढ़ गया। विकसित देशों के कई खरीदार भारतीय सप्लायरों पर दबाव डाल रहे हैं कि वे अपनी क्षमता बढ़ाएं और जरूरी सर्टिफिकेट लें। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से लगाए गए टैरिफ के कारण भारत को चीन पर ड्यूटी का फायदा मिलेगा।

इंडस्ट्री के लिए बड़ी राहत- कपड़ा उद्योग के लिए निर्यात में यह उछाल एक बड़ी राहत है। कोरोना महामारी के बाद से यह उद्योग दो साल से कमजोर चल रहा था। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स की राष्ट्रीय कपड़ा समिति के अध्यक्ष संजय के जैन ने कहा कि कोविड के बाद भारत के कपड़ों के निर्यात में गिरावट आई थी। क्योंकि लोगों ने कोविड के दौरान ज्यादा कपड़े खरीद लिए थे, इसलिए वे नए कपड़े कम खरीद रहे थे। कोविड के बाद लगभग दो साल तक ठहराव या गिरावट रही।

उथल-पुथल का मिला फायदा!- बांग्लादेश में सरकार बदलने और राजनीतिक उथल-पुथल के बाद उद्योग में सुधार के संकेत

दिखने लगे। उद्योग के नेताओं का कहना है कि कपड़ों की सप्लाई एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। इसलिए खरीदार सप्लाई चेन में किसी तरह की अनिश्चितता नहीं चाहते हैं।

बनी रहेगी गति- बांग्लादेश के कपड़ा निर्माताओं के पास बहुत बड़ी क्षमता है। वे कम समय में बड़े ऑर्डर पूरा कर सकते हैं। जबकि भारतीय निर्माताओं की क्षमता इतनी ज्यादा नहीं है। भारतीय उद्योग को उम्मीद है कि चीन पर ड्यूटी का फायदा मिलने से निर्यात की गति बनी रहेगी। जैन ने कहा कि भारतीय कपड़ा निर्यातकों के लिए एक बड़ा मौका है। अमेरिका का 120 अरब डॉलर का बाजार सबसे बड़ा अवसर है। हमें बस कच्चा माल प्रतिस्पर्धी दरों पर मिलना चाहिए।

भारत की कितनी हिस्सेदारी

अमेरिका के बाजार में भारत की हिस्सेदारी 10 अरब डॉलर है, जबकि चीन की 30 अरब डॉलर है। कपड़ों का निर्यात तो बढ़ रहा है, लेकिन कच्चे कपास का आयात भी बढ़ रहा है। क्योंकि घरेलू कपास की कीमतें अंतरराष्ट्रीय कीमतों से ज्यादा हैं। अनुमान है कि 2024-25 में भारत का कपास आयात पिछले साल के मुकाबले दोगुना से भी ज्यादा होगा।

सीईए बोले- वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत सकारात्मक

राजकोषीय घाटा व सरकारी कर्ज घटना बड़े सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के पास अवसर और संभावनाओं की कमी नहीं है। ऐसा मानना है देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंता नागेश्वरन का। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितताओं के बावजूद भारत चमकदार जगह के रूप में सामने आया है। देश की अर्थव्यवस्था में निरंतर मजबूती दिखी, जो आज के कठिन वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि है।

फरवरी, 2022 से शुरू हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में जारी हिंसक संघर्ष, इस्राइल और ईरान के चिंताजनक टकराव, ईंधन और कच्चे

तेल की कीमतों में उछाल की आशंकाओं के बीच एक साक्षात्कार में नागेश्वरन ने कहा, वर्ष 2022 से वैश्विक स्तर पर संघर्ष और व्यवधान लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अब ये ज्यादा तीव्र और अप्रत्याशित हो गए हैं, जिससे दुनिया भर में आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा से जुड़ी चिंता पैदा हुई है। हालात विकास के लिए और भी जटिल बन गए हैं। आज वैश्विक माहौल लगभग सभी देशों के लिए कठिन हो गया है। ऊपर की तरफ जाने की संभावनाओं से अधिक नीचे गिरने का जोखिम बढ़ गया है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने यह बड़ी चुनौतियां, लेकिन भारत सकारात्मक- मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंता नागेश्वरन ने कहा, यह स्थिति केवल भारत की नहीं है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने यह चुनौती बड़ी होती जा रही है। हालांकि, इस कठिन परिदृश्य में भी भारत अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में है।

आर्थिक मोर्चे पर ये बड़े सुधारः राजकोषीय घाटा और सरकारी कर्ज घटा

नागेश्वरन ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था ने 2020 में फैली कोविड-19 महामारी के बाद अच्छी रिकवरी की है। देश में मजबूत आर्थिक वृद्धि दर्ज की गई है। साथ ही भारत का राजकोषीय घाटा) और सरकारी कर्ज भी कम हुआ है। आर्थिक मोर्चे पर ये बड़े सुधार हैं। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है और इसका असर भारत और अमेरिका के 10-वर्षीय सरकारी बॉन्ड पर भी हुआ है। बॉन्ड की उपज में अंतर कम होने से ये अंतर साफ दिख रहा है।

यूके की कंपनी ने भारतीय बाजार के लिए इस नई मोटरसाइकिल का कराया ट्रेडमार्क

नई दिल्ली, एजेंसी। यूके की कंपनी नॉर्टन मोटरसाइकिल ने भारतीय बाजार के लिए एक नए मॉडल का ट्रेडमार्क कराया है। कंपनी ने 'इलेक्ट्रा' नाम से इसका रजिस्ट्रेशन कराया है। यह कदम 'कॉम्बैट' नाम के पहले ट्रेडमार्क के बाद उठाया गया है, जो दर्शाता है कि नॉर्टन अपने अगले लॉन्च से पहले मॉडल के नाम सुरक्षित करने की संभावना रखता है। बता दें कि कंपनी का हेडक्वार्टर सोलिहुल (इंग्लैंड) में है। जबकि इसकी पैरेंट कंपनी टीवीएस मोटर कंपनी है।

हालांकि, कंपनी ने इस बारे में कोई ऑफिशियल डिटेल जारी नहीं की है कि इलेक्ट्रा नाम किस पर लागू किया जा सकता है, लेकिन फाइलिंग से पता चलता है कि नॉर्टन टीवीएस के ओनरशिप में प्रोडक्ट योजना को आगे बढ़ा रहा है। टीवीएस ने पिछले साल कुछ समय पहले खुलासा किया था कि नॉर्टन अगले 3 सालों में वो 6 नई मोटरसाइकिल लॉन्च करने के लिए तैयार है।

ऑनलाइन फ्रॉड रोकने के लिए गूगल ने लॉन्च किया सेफ्टी चार्टर

नई दिल्ली, एजेंसी। गूगल ने मंगलवार को सेफर विद गूगल इंडिया समिट के दौरान अपने नए सेफ्टी चार्टर को लॉन्च किया। इससे भारत के डिजिटल स्पेस को सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। यह पहल यूजर्स को ऑनलाइन फ्रॉड से बचाने, जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित है कि एआई को जिम्मेदारी से विकसित किया जाए। यह सुरक्षा चार्टर तीन प्रमुख लक्ष्यों के इर्द-गिर्द बना है जिसमें इंटरनेट यूजर्स को घोटालों और धोखाधड़ी से सुरक्षित रखना, सरकारों और व्यवसायों के लिए साइबर सुरक्षा को मजबूत करना और लोगों की सुरक्षा करने वाले जिम्मेदार एआई सिस्टम का निर्माण करना शामिल हैं। पहल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गूगल का डिजिकवाच कार्यक्रम है, जो वित्तीय घोटालों के खिलाफ पहले ही एआई-पावर्ड प्रोडक्ट्स और जागरूकता अभियानों से 17.7 करोड़ से अधिक भारतीयों तक पहुंच चुका है।

स्कैम अटैक में आई गिरावट

गूगल के सिस्टम एआई के साथ और अधिक शक्तिशाली होते जा रहे हैं। इसकी सर्च अब 20 गुना अधिक घोटाले वाली वेबसाइटों की पहचान करती है। साथ ही ग्राहक सेवा और सरकारी प्लेटफार्मों पर स्कैम अटैक में 80 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। मैसेजिंग में गूगल मैसेज हर महीने 500 मिलियन से ज्यादा स्कैम टेक्स्ट को ब्लॉक कर रहा है।

बच गए अरबों रुपये

भारत में बड़े स्तर पर इस्तेमाल किए जाने वाले गूगल पे ने संभावित धोखाधड़ी के बारे

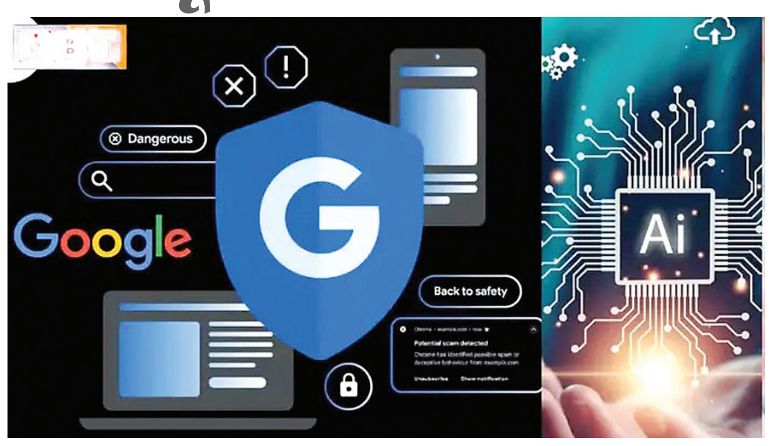

में यूजर्स को चेतावनी देने के लिए 4.1 करोड़ से ज्यादा अलर्ट भेजे हैं। इसने अकेले 2024 में 13,000 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी को रोकने में भी मदद की। कंपनी के गूगल प्ले प्रोडेक्ट ने अक्टूबर 2024 में भारत में पायलट किए जाने के बाद से 1.3 करोड़ डिवाइस पर लगभग 6 करोड़ जोखिम भरे ऐप इंस्टॉल को ब्लॉक किया है।

साइबर सिक्योरिटी भी हो रही मजबूत

गूगल बड़े पैमाने पर साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए भी काम कर रहा है। इसने खतरों का जल्द पता लगाने और उस जानकारी को दूसरी कंपनियों और सरकारी निकायों के साथ साझा करने के लिए एक नया एआई पावर्ड एप्रोच पेश किया है। गूगल सिक्योरिटी में इंजीनियरिंग की उपाध्यक्ष हीदर एडकिंस ने बताया कि ऑनलाइन खतरे अब मशीन की गति से विकसित हो रहे हैं। एआई की सीखने, तर्क करने और बड़े पैमाने पर कार्य करने की क्षमता डिफेंडर्स को हमलावरों से पहले की तुलना में कहीं आगे रहने की अनुमति दे रही है।

सोने के गिरे भाव पर चांदी ने फिर रच दिया इतिहास, कीमत 109550 पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा बाजारों में आज भी सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, चांदी ने एक और नया इतिहास रच दिया है। सोना 99018 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला तो चांदी 109550 रुपये किलो के भाव से। जीएसटी के साथ 24 कैरेट सोना जहां 101988 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से बिक रहा है तो चांदी 112836 रुपये किलो। इससे पहले मंगलवार को चांदी ऑल टाइम हाई 109100 रुपये पर बंद हुई थी।

क्यों उछल रही चांदी

केडिया कमोडिटिज के प्रेसीडेंट अजय केडिया के मुताबिक ईरान-इजरायल में तनाव, रूस-यूक्रेन में नए सिरे से बढ़े तनाव और दुनिया भर में अस्थिरता ने निवेशकों को सुरक्षित समझी जाने वाली चीजों की ओर धकेला है। सोने के साथ-साथ चांदी को भी इसका फायदा मिल रहा है। वहीं, आपूर्ति घटने और औद्योगिक मांग बढ़ने के कारण चांदी में खूब निवेश हो रहा है।

आर्थिक वृद्धि के चलते 2030 तक वैश्विक तेल मांग का अगुवाई करेगा भारत

इस दशक के अंत तक बढ़ी रहेगी मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक तेल मांग इस दशक के अंत तक तेजी से बढ़ती रहेगी। अमेरिका में सस्ता पेट्रोल और धीमी गति से इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने से खपत को समर्थन मिलने से शीर्ष आयातक चीन में यह 2027 में चरम पर होगी। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने अपने पूर्वानुमान में कोई परिवर्तन नहीं किया है। आईईए ने कहा, मांग 2029 तक चरम पर होगी, लेकिन अनुमान है कि इलेक्ट्रिक वाहनों में वृद्धि के कारण चीन में मांग पहले ही चरम पर पहुंच जाएगी। वैश्विक मांग कुछ वर्षों में चरम पर होगी। हालांकि, उत्पादक समूह पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) का मानना है कि खपत बढ़ती रहेगी, लेकिन खपत चरम पर पहुंचने का कोई पूर्वानुमान नहीं लगाया है। आईईए की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, तेल की मांग 2029 तक 10.5 करोड़ बैरल प्रति दिन (बीपीडी) के उच्च स्तर पर पहुंच जाएगी। फिर 2030 में थोड़ी गिरावट आएगी।

बाधा नहीं आई तो 2030 तक आपूर्ति पर्याप्त रहेगी

रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर कोई बड़ी बाधा नहीं आती है तो 2030 तक पर्याप्त आपूर्ति होगी। आईईए के कार्यकारी निदेशक फतिह बिरोल ने कहा, बुनियादी बातों के आधार पर आने वाले वर्षों में तेल बाजारों में अच्छी आपूर्ति होने की संभावना है। लेकिन हाल की घटनाओं ने तेल आपूर्ति सुरक्षा के लिए देशों के बीच तनाव एक प्रमुख मुद्दा है। इस वर्ष विश्व बाजार में आपूर्ति अच्छी दिख रही है, क्योंकि कोई बड़ा व्यवधान नहीं आया है और आपूर्ति में वृद्धि मांग से अधिक है।

सैमसंग आरएंडडी नोएडा और आईआईटी मद्रास में समझौता- भारतीय भाषाओं के लिए एआई, हेल्थटेक और जनरेटिव एआई पर होगा संयुक्त शोध

पाँच वर्षों की साझेदारी के तहत अनुसंधान परियोजनाएं, परामर्श कार्य, तकनीक हस्तांतरण, प्रशिक्षण, सुविधाएं और छात्रवृत्तियाँ शामिल

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग आरएंडडी इंस्टीट्यूट, नोएडा ने इंडस्ट्री और शिक्षा जगत के बीच सहयोग को और मजबूत करते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी, मद्रास) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य संयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देना, तकनीकी विकास को गति देना और भविष्य के लिए तैयार प्रतिभाओं को तैयार करना है। यह सहयोग भारतीय भाषाओं के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हेल्थटेक और जनरेटिव एआई जैसे उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित रहेगा। यह कदम मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया के विज़न के अनुरूप, एक मजबूत नवाचार प्रणाली के निर्माण में सैमसंग की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। इस पांच वर्षीय समझौता ज्ञापन पर सैमसंग आरएंडडी इंस्टीट्यूट, नोएडा के मैनेजिंग डायरेक्टर क्यांगयून रू और आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कमकोटी ने हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत प्रायोजित शोध परियोजनाएं, परामर्श कार्य, तकनीक हस्तांतरण, प्रशिक्षण, अधोसंरचना विकास और भविष्य में छात्रों के लिए फैलोशिप जैसी कई साझेदार गतिविधियां शुरू की जाएंगी।

सैमसंग आरएंडडी इंस्टीट्यूट, नोएडा के मैनेजिंग डायरेक्टर क्यांगयून रू ने कहा, सैमसंग आरएंडडी इंस्टीट्यूट, नोएडा में हम ऐसी तकनीकों पर काम कर रहे हैं जो लोगों और समाज को सशक्त बनाएं। आईआईटी मद्रास के साथ यह साझेदारी हमारे लिए एक अहम कदम है, जिससे हम मिलकर ऐसे समाधान तैयार कर सकें जो सार्थक हों, समावेशी हों और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप हों।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने ट्रेडिशनल पॉलिसीज़ पर वित्त वर्ष 2024-25 में दिए 900 करोड़ रुपए से ज्यादा के लोन

भोपाल। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2024-25 में अपने ग्राहकों को ट्रेडिशनल पॉलिसीज़ के जरिए 900 करोड़ रुपए से ज्यादा के लोन दिए। यह लोन अगेंस्ट पॉलिसी (पॉलिसी के बदले लोन) की सुविधा ग्राहकों के लिए बहुत फायदेमंद रही, क्योंकि इससे उनकी लॉन्ग-टर्म सेविंग प्लान पर असर डाले बिना तत्काल फंड मिल सका। इस दौरान, कंपनी ने 42,700 से ज्यादा ग्राहकों को इस लोन की सुविधा दी। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ ऑपरेशंस ऑफिसर, श्री अमीश बैंकर ने कहा, लाइफ इंश्योरेंस एक लॉन्ग-टर्म प्रोडक्ट है, और इस दौरान ग्राहकों को कभी-कभी फंड की जरूरत पड़ सकती है। ऐसी स्थिति में लोन अगेंस्ट पॉलिसी सुविधा से उनका सेविंग प्लान प्रभावित नहीं होता।

महिला क्रिकेट विश्वकप में दिख सकती हैं सूबे की तीन क्रिकेटर

धर्मशाला, एजेंसी। देश में सितंबर में होने जा रहे महिला क्रिकेट विश्वकप में इस बार भारतीय टीम में तीन हिमाचली क्रिकेटरों को भी जगह मिल सकती है। हिमाचल से तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर, हरलीन देओल और तनुजा कंवर को महिला विश्व कप में खेलने का मौका मिल सकता है। रेणुका चोटिल होने के कारण पीछे तीन महीनों से एनसीए बंगलूरू में इलाज करवा रही हैं। वह जल्द ही पूरी तरह से फिट होकर भारतीय टीम में वापसी करेंगी। हरलीन देओल का इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में चयन हुआ है। वह 28 जून से इंग्लैंड में ट्राई सीरीज में खेलते नजर आएंगी। तनुजा कंवर ने हाल ही भारतीय महिला टीम में डेब्यू किया है। महिला क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम का पहला मुकाबला 30 सिंतबर को होगा। यह टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच भी होगा। इससे करीब एक माह पहले ही बीसीसीआई की ओर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी जाएगी, ताकि कैंप में खिलाड़ियों का आपसी तालमेल बन सके। रेणुका ठाकुर ने अब तक 19 एक दिवसीय मैच खेले हैं, जिसमें 35 विकेट किए हैं। रेणुका ने 29 रन पर पांच विकेट भी लिए हैं। यह उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वनडे में रेणुका ठाकुर ने चार बार पांच से विकेट हासिल किए हैं। जबकि ऑलराउंडर हरलीन ने अब तक 24 वनडे मैचों की 23 पारियों में एक शतक और तीन अर्धशतक की मदद से 718 रन बनाए हैं। वहीं, तनुजा कंवर ने दो मैचों में दो विकेट हासिल किए हैं। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने कहा कि हिमाचल की तीन बेटियां क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। उम्मीद है कि इस बार भारत में होने वाले महिला क्रिकेट विश्व कप में हरलीन देओल, रेणुका सिंह और तनुजा कंवर को देश की टीम से खेलने का मौका मिले। बीसीसीआई की ओर से जल्द टीम चुनी जाएगी।

शराब के नशे में फील्ड पर उतरे इन 4 खिलाड़ियों ने मचाया तूफान

- लिस्ट में भारतीय क्रिकेटर विनोद कांबली भी शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट को जेंटलमैन गेम कहा जाता है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि बहुत से ऐसे खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने शराब के नशे में कई यादगार पारियां खेली हैं. अब आप कहेंगे की शराब पीकर मैदान पर कोई खिलाड़ी कैसे उतर सकता है. तो आइए आपको कुछ ऐसे खिलाड़ियों

के किस्से सुनाते हैं जिन्होंने शराब के नशे में धमाकेदार पारी खेली.वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज़ सर विवियन रिचर्ड्स ने एक काउंटी मैच में समरसेट के लिए खेलते हुए 130 रन बनाए थे. लेकिन इस दौरान वह भयंकर नशे में थे. इसका खुलासा उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में किया था. उन्होंने बताया था कि एक रात पहले इंग्लैंड के इयान बॉथम के साथ काफी शराब पी थी, और अगली सुबह उन्हें गेंद भी साफ नजर नहीं आ रही थी.

एंड्रयू सायमंड्स (ऑस्ट्रेलिया) – ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर एंड्रयू सायमंड्स ने 2005 में बांग्लादेश के खिलाफ एक वनडे मैच के दौरान नशे में गेंदबाज़ी की थी. यह मामला तब काफी सुर्खियों में रहा था. सायमंड्स का करियर शराब से जुड़े विवादों से कई बार प्रभावित हुआ.

हर्शल गिब्स (दक्षिण अफ्रीका) – दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक ओपनर हर्शल गिब्स ने 2006 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे मैच में 175 रनों की पारी खेली थी. यह तब हुआ जब उन्होंने पूरी रात शराब पी रखी थी. इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने 434 रनों का विश्व रिकॉर्ड चेस किया था.

विनोद कांबली (भारत) – भारत के पूर्व बल्लेबाज़ विनोद कांबली ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने एक रणजी ट्रॉफी मैच में मुंबई के लिए शतक जड़ा था, जबकि वह मैच से एक रात पहले 10 पैग पी चुके थे. बाद में उनकी शराब की लत ने उनके करियर और स्वास्थ्य दोनों पर बुरा असर डाला.

विकेट लेने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता गिल की पहली बड़ी परीक्षा होगी

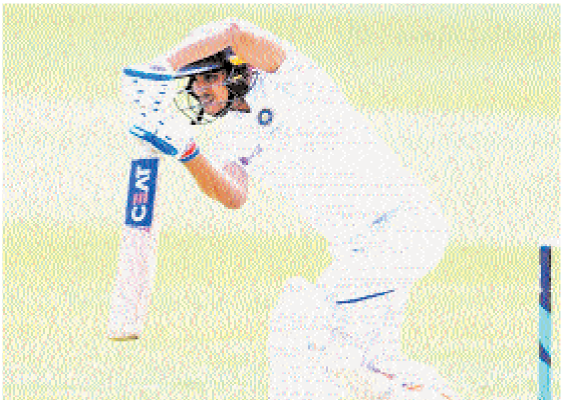

लंदन, एजेंसी। टेस्ट क्रिकेट के प्रति धीरे-धीरे बढ़ती उत्सुकता का अद्भुत अहसास हम पर हावी हो रहा है। पहले ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के तौर पर एक बेहतरीन मैच हो चुका है, लेकिन पांच टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू होने से पहले का सप्ताह कुछ और ही है। असामान्य रूप से गर्म लीड्स में मौसम साफ है, इंग्लैंड ने देश के सबसे अंतरंग और शोरगुल वाले टेस्ट स्थल पर पहले से ही प्रशिक्षण शुरू कर दिया है, मैदानकर्मी अंतिम छंटाई से पहले सतह में पर्याप्त नमी बनाए रखने की पूरी कोशिश कर रहे हैं और भारत पिछले सप्ताह लंदन के बाहरी इलाके में बंद दरवाजों के पीछे भारत ए के खिलाफ खेलने के बाद बुधवार को प्रशिक्षण शुरू करेगा। जब आप नए सीजन के लिए सफेद जर्सी पहनते हैं, तो यह अपरिहार्य है कि मन पिछले सीजन की यादों को फिर से जगाने लगे। भारत ने आखिरी बार जब सफेद जर्सी पहनी थी, तब से छह महीने हो चुके हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में 1-3 से सीरीज हारने की यादों को ताजा करने की जरूरत नहीं है। कैसे उन्होंने पर्थ में सीरीज में बढ़त बनाई, कैसे उन्होंने ब्रिसबेन में फालोऑन बचाने का जश्न मनाया, कैसे वे मेलबर्न में ड्रॉ से एक कदम दूर थे, कैसे सिडनी का नतीजा किसी भी तरफ जा सकता था अगर जसप्रीत बुमराह चोटिल न होते।

थोड़ा सा और अंदर जाएं तो आपको यह भी याद आएगा कि लंबे समय में पहली बार, किसी भारतीय टीम को देखकर यह निश्चित नहीं था कि वे 20 विकेट कम से कम समय में कैसे निकालेंगे। 2018 के बाद से, भारत का ध्यान 20 विकेट लेने पर रहा है, भले ही इसका मतलब बल्लेबाजों से ज्यादा काम करने के लिए कहना हो। उस समय कप्तान विराट कोहली इतने चतुर थे कि उन्होंने महसूस किया कि उनके गेंदबाज विपक्षी टीम को सस्ते में आउट कर रहे थे तो उन्हें खुद से और बाकी बल्लेबाजों से अधिक काम कराने की जरूरत नहीं थी। रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ के नेतृत्व वाली टीम ने इसी फिलॉसोफी को जारी रखा। वास्तव में कप्तान के रूप में द्रविड़ पहले व्यक्ति थे जिन्होंने जब भी संभव हो पांच गेंदबाजों को खिलाने की कोशिश की। उन्होंने एक बार अतिरिक्त गेंदबाज को खिलाने के लिए वीवीएस लक्ष्मण को बाहर किया। उन्होंने अतिरिक्त खतरा पैदा करने के लिए इरफान पठान पर निवेश किया। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया में 2024-25 में भारत ने नंबर 7 के बाद कोई बल्लेबाजी न होने के डर से कभी भी चार तेज गेंदबाजों के साथ नहीं खेला। यह जानना मुश्किल है कि अगर शार्दुल ठाकुर नंबर 8 पर पूरी तरह से पुछल्ले नहीं, बल्कि अच्छी फार्म में होते और सर्जरी से बाहर नहीं आते तो झुड्ड की संरचना अलग होती या नहीं। फिर भी सीरीज में स्थायी थीम छह विकेट गिरने के बाद ढेर होने से बचना था। यहां तक कि जब भारत ने पांचवां गेंदबाज खेलाया, तो वह वाशिंगटन सुंदर थे, जो हर तरह से सटीक बैठते हैं, खासकर स्पिनरों को खेल से बाहर करने के लिए डिजाइन की गई परिस्थितियों में भी।

जब तक आप उचित ऑलराउंडर नहीं खिला पाते, तब तक पुछल्ले बल्लेबाजों से मिलने वाले अतिरिक्त रनों की सुविधा नाममात्र की होती है, जो कि आर अश्विन और रवींद्र जडेजा एशिया में बन जाते हैं। एशिया और वेस्टइंडीज के बाहर, जडेजा और अश्विन की गेंद के साथ उपयोगिता सीमित थी। उस उचित ऑलराउंडर की अनुपस्थिति में भारत ने अपने आक्रमण में गहराई और पैनापन करने को देखा। बुमराह ने सीरीज में पैट कमिंस से कम ओवर फेंके, लेकिन उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए कमिंस की तुलना में भारत के लिए अधिक ओवर फेंके। वह भी सिडनी टेस्ट में लगभग चूकने के बावजूद। लगातार स्पैल में लौटना थकान और आराम की लय को बाधित कर सकता है।

उन्होंने भारत के 46त विकेट लिए। क्या हमें सीरीज के सबसे महत्वपूर्ण दृश्य की याद दिलानी चाहिए जब ऑस्ट्रेलिया मेलबर्न में तीसरी पारी में रन बना रहा था, और बुमराह ने आखिरकार कप्तान रोहित से कहा कि वह अब और मेहनत नहीं कर पा रहे हैं अब वह इस बारे में अधिक समझदार होने जा रहे हैं और केवल तीन टेस्ट खेलेंगे। उस समय जब बुमराह की ताकत खत्म हो गई थी, भारत और ऑस्ट्रेलिया ने सभी पारियों के पहले 40 ओवरों में समान संख्या में विकेट 34 लिए थे। वास्तव में भारत ने बेहतर औसत और इकॉनमी रेट से ऐसा किया था। यहीं पर भारत की गेंदबाजी खत्म हो गई, ऑस्ट्रेलिया की पुरानी गेंद से दोगुनी औसत से भारत ने प्रति विकेट गेंदबाजी की। नीतीश कुमार रेड्डी ने पांच टेस्ट मैचों में सिर्फ 44 ओवर गेंदबाजी की, जिसने अनजाने में बल्ले से किए गए उनके अच्छे काम पर पानी फेर दिया।

यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि भारत का जीत-हार का रिकॉर्ड 6-7 था जब उसने 2018 से 2022 तक एशिया और वेस्टइंडीज के बाहर टेस्ट में चार तेज गेंदबाजों के साथ खेला और 5-10 का था जब उसने उनमें से तीन खेलाए। उन प्रसिद्ध जीतों में से एक 2021 में ओवल में आई थी, जब भारत के पास पहली पारी में 191 रन पर आउट होने के बावजूद प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए अतिरिक्त गेंदबाजी थी और फिर भी ऋषभ पंत और ठाकुर के रूप में बल्लेबाजी में गहराई थी, जिसने भारत को तीसरी पारी में बड़ा स्कोर बनाने में मदद की। चोट से उबरकर ठाकुर की वापसी और घरेलू क्रिकेट में 22.62 की औसत से 35 रणजी ट्रॉफी विकेट का प्रदर्शन भारत को कम से कम सीरीज की शुरुआत में पांच गेंदबाजों के साथ खेलने के लिए पर्याप्त कारण प्रदान करेगा। अतिरिक्त गेंदबाजी की आवश्यकता टीम प्रबंधन को प्रभावित कर चुकी है। खासकर तब जब बुमराह केवल तीन टेस्ट के लिए उपलब्ध हैं, जो इस बात की भरपाई करता है कि यह एक आसान दौरा है, क्योंकि क्रिस वोक्स के अलावा, लीड्स में इंग्लैंड की टीम में कोई भी तेज गेंदबाज पांच टेस्ट से अधिक नहीं खेला है। यह घर पर ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण का सामना करने से बड़ी राहत होगी, और बल्लेबाजी को लेकर चिंता कम होगी। हालांकि, इस बात की पूरी संभावना है कि इंग्लैंड ठाकुर को बाहर करने की कोशिश करेगा। जैसा कि उन्होंने 2022 में एजबस्टन में किया था, ताकि उन्हें 18-0-113-1 के मैच के जैसे आंकड़े मिल सकें। क्या वह चार तेज गेंदबाजों में से एक के तौर खेलते हैं जिसमें रेड्डी को शामिल नहीं करते हैं और वह किसी भी शुरुआती उलटफेर पर कैसे जवाब देते हैं, यह शुभमन गिल की कप्तानी की एक सच्ची परीक्षा होगी।

बेन स्टोक्स को खलने लगी विराट कोहली की कमी

बोले– 18 नंबर की जर्सी न देखना थोड़ा अजीब लगेगा

नई दिल्ली । इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स को भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले विराट कोहली की कमी खलने लगी है। उनका कहना है कि 20 जून से शुरू हो रही पांच टेस्ट मुकाबलों की सीरीज मे जर्सी नंबर-18 को न देखना, काफी अजीब होगा। इंग्लैंड के दौरे पर भारत को कोहली की जुझारू भावना की कमी खलेगी। इंग्लैंड क्रिकेट ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें स्टोक्स ने कहा, मुझे लगता है कि भारत को खेल में कोहली के जुझारूपन, उनकी होड़, जीतने की इच्छा की कमी खलेगी। उन्होंने 18 नंबर को अपना बना लिया है, है न किसी भी भारतीय खिलाड़ी की पीठ पर 18 नंबर न देखना थोड़ा अजीब होगा, लेकिन वह लंबे समय से भारत के लिए बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं। इंग्लैंड के इस ऑलराउंडर ने आगे कहा, कोहली अविश्वसनीय रहे हैं। वह इसके हकदार हैं। मुझे यकीन है कि भारत में उनकी बहुत तारीफ हुई है। यहां के खिलाड़ियों ने यकीनन उनकी तारीफ की है। आप जानते हैं कि उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए हां, वह एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं। स्टोक्स ने खुलासा किया है कि कोहली के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने इस खिलाड़ी को मैसेज भेजा था। स्टोक्स ने कहा, मैंने उन्हें मैसेज किया था कि उनके खिलाफ नहीं खेलना शर्म की बात होगी, क्योंकि मुझे विराट के खिलाफ खेलना पसंद है। हम दोनों को एक-दूसरे के खिलाफ खेलना पसंद करते हैं, क्योंकि जब हम मैदान पर होते हैं, तो हमारी मानसिकता एक जैसी होती है कि यह एक लड़ाई है।

विराट कोहली ने अपने 14 साल के टेस्ट करियर में 46.85 की औसत से 9,230 रन बनाए हैं, जिसमें 30 शतक शामिल हैं। वह ग्रीम स्मिथ (53 जीत), रिकी पोंटिंग (48 जीत) और स्टीव वॉ (41 जीत) के बाद चौथे सबसे सफल टेस्ट कप्तान रहे हैं। टीम इंडिया रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के बिना पांच टेस्ट मैचों के दौरे पर बड़ी चुनौती का सामना कर सकती है। इन दोनों खिलाड़ियों ने इंग्लैंड के दौरे से ठीक पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। अब भारतीय टेस्ट टीम की कमान युवा खिलाी शुभमन गिल के हाथों में है। इंग्लैंड का दौरा नए कप्तान गिल के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट के लिए एक नए युग की शुरुआत का भी संकेत है। पांच मैचों की यह सीरीज दोनों टीमों के लिए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप- 2025-27 चक्र की शुरुआत भी है। भारत 20 जून से हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड पर पांच मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में इंग्लैंड का सामना करेगा। दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से एजबस्टन में खेला जाएगा, जबकि तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से प्रतिष्ठित लॉर्ड्स में आयोजित होगा। भारत और इंग्लैंड दोनों ही टीमें 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले जाने वाले चौथे टेस्ट के लिए मैनचेस्टर जाएंगी, जिसके बाद 31 जुलाई से लंदन के केनिंग्टन ओवल में टेस्ट सीरीज का समापन होगा। भारत का लक्ष्य साल 2007 के बाद पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतना है।

न्यूजीलैंड ने किया सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान

इन दो महिला खिलाड़ियों को पहली बार जगह

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने महिला टीम के लिए 2025-26 के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान कर दिया है। इस लिस्ट में 17 खिलाड़ियों को जगह दी गई है, जिसमें ब्री इलिंग और बेला जेम्स ने अपना पहला सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया है। ब्री इलिंग बाएं हाथ की तेज गेंदबाज हैं, जबकि बेला जेम्स एक बल्लेबाज हैं। यह दोनों खिलाड़ी हेली जेनसेन और सोफी डिवाइन की जगह की भरपाई करेंगी। वनडे फॉर्मेट की मौजूदा कप्तान सोफी डिवाइन इस साल वनडे विश्व कप के बाद संन्यास लेने का ऐलान कर चुकी हैं।

21 वर्षीय इलिंग ने साल 2022 में घरेलू क्रिकेट में डेब्यू किया था। इसके बाद वह तेजी से रैंकिंग में ऊपर चढ़ती गईं। इलिंग महज तीन सत्र बाद ही ऑकलैंड हार्ट्स की सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी बन गईं। बाएं हाथ की इस गेंदबाज ने न्यूजीलैंड की ओर से अब तक तीन वनडे और इतने ही टी20 मैच खेले हैं, जिसमें उनके नाम कुल छह विकेट हैं। इलिंग ने श्रीलंका के खिलाफ अपना वनडे और टी20 डेब्यू किया था। इन दो सीरीज में उन्होंने छह विकेट चटकाए, जिसमें दो मौकों पर चामरी अट्टापट्टू का बड़ा विकेट भी शामिल है। बेला जेम्स ने साल 2014 में घरेलू क्रिकेट खेलना शुरू किया था, जिसके करीब 10 साल बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया। बेला ओटागो स्पार्क्स की बैटिंग यूनिट का अहम हिस्सा रही हैं, उन्होंने पूरे सीजन लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और स्पार्क्स को खिताब जीतने में मदद की। व्हाइट फर्न्स के लिए अपने डेब्यू मैच में ही उनका आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। बेला ने अब तक दो वनडे मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्होंने 51 रन बनाए। वहीं, इकलौते टी20 मैच में बेला के बल्ले से 14 रन निकले हैं। एनजेडसी की महिला हाई परफॉरमेंस हेड लिज ग्रीन ने कहा, सभी 17 खिलाड़ियों को बहुत-बहुत बधाई। हम पहली बार सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में ब्री और बेला का स्वागत करते हुए उत्साहित हैं। दोनों ही अपनी जगह के पूरी तरह से हकदार हैं। हम यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि वह टीम में क्या लाने जा रही हैं। न्यूजीलैंड महिला टीम के हेड कोच बेन सॉयर ने इलिंग और जेम्स की तारीफ करते हुए कहा, श्रीलंका के खिलाफ ब्री ने शानदार सीरीज खेली। चामरी जैसी वर्ल्ड क्लास बल्लेबाज के खिलाफ जिस तरह से उन्होंने प्रदर्शन किया, उससे पता चलता है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार हैं। बेला घरेलू स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करती रही हैं। पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी पहली सीरीज शानदार रही थी। उनके पास ऐसी क्षमताएं हैं, जिनके बारे में हमारा मानना है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल होंगी।

2025-2026 के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल खिलाड़ी– सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, लॉरेन डाउन, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पोली इंग्लिस, बेला जेम्स, फ्रैन जोनास, जेस केर, मेली केर, रोजमेरी मैयर, मौली पेनफोल्ड, जॉर्जिया प्लिमर, हन्ना रोवे, ली ताहुहू।

टेनिस स्टार रादुकानू का पीछा करने वाले पर हुई कार्रवाई, विंबलडन प्रशासन ने उठाया यह कदम

लंदन, एजेंसी। 30 जून से शुरू होने वाले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के लिए सार्वजनिक मतपत्र के माध्यम से टिकट के लिए आवेदन करने की कोशिश की, लेकिन उसके नाम को हटा दिया गया।

टेनिस खिलाड़ी ऐमा रादुकानू का पीछा करने के आरोपी ने विंबलडन के टिकट हासिल करने की कोशिश की, लेकिन ऑल इंग्लैंड क्लब की सुरक्षा प्रणाली ने उसे ऐसा करने से रोक दिया। ब्रिटिश मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अन्य ने बताया कि उस व्यक्ति ने 30 जून से शुरू होने वाले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के लिए सार्वजनिक मतपत्र के माध्यम से टिकट के लिए आवेदन करने की कोशिश की, लेकिन उसके नाम को हटा दिया गया। फरवरी में दुबई चैंपियनशिप में उस व्यक्ति ने 22 वर्षीय राडुकानू के प्रति 'अड़यिल व्यवहार' दिखाया था जो एक मैच के दौरान भीड़ में उसे देखकर परेशान हो गई थीं। इससे एक दिन पहले उस व्यक्ति ने राडुकानू के लिए एक पत्र छोड़ा था और उसकी तस्वीर ली थी जिससे 2021 की अमेरिकी ओपन चैंपियन परेशान हो गई थी।

भारत 2026 महिला टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका के साथ एक ग्रुप में

नई दिल्ली । भारत को 2026 महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप 1 में पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और दो अज्ञात क्वालीफाइंग टीमों के साथ रखा गया है, जो 12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड में खेला जाएगा। 24 दिनों तक चलने वाले टूर्नामेंट के दसवें संस्करण की शुरुआत 12 जून को एजबस्टन में मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच मुकाबले से होगी। एजबस्टन के अलावा हैम्पशायर बाउल, हेडिंग्ले, ओल्ड ट्रैफर्ड, द ओवल, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड और लॉर्ड्स अन्य टूर्नामेंट स्थल हैं। एजबस्टन में ही भारत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान का पहला मैच खेलेगा, उसके बाद 17 जून को हेडिंग्ले में क्वालीफाइंग टीम के खिलाफ खेलेगा। भारत 21 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा और फिर 25 जून को उसी स्थान पर एक अन्य क्वालीफाइंग टीम के खिलाफ खेलेगा। भारत का ग्रुप चरण 28 जून को लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर कई बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक बड़े मुकाबले के साथ समाप्त होगा। इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने एक बयान में कहा, विश्व कप हमेशा खास होते हैं, लेकिन यह पहले से ही अलग लग रहा है - इसमें वास्तव में खेल को बदलने की क्षमता है। यह हमारे खेल के लिए एक बड़ा क्षण होने जा रहा है और युवाओं को प्रेरित करने और देश भर के प्रशंसकों को लुभाने का एक शानदार अवसर है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ, सबसे बड़े पुरस्कार के लिए घरेलू धरती पर खेलना, इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। मैं इसका हिस्सा बनने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। यह अब तक खेले गए सबसे बड़े आईसीसी महिला टी20 विश्व कप का भी प्रतीक होगा, जिसमें 12 टीमें प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, जो वर्तमान में न्यूजीलैंड के पास है। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के अलावा, ग्रुप 2 में श्रीलंका, वेस्टइंडीज और अन्य दो टीमें शामिल हैं, जो अगले साल होने वाले वैश्विक क्वालीफायर से आएंगी।

4 ओवर में कहर बरपाकर टीम को जिताया, 3100 रुपये में खेला एक मैच, कभी इस आरोप में गया था जेल

नई दिल्ली, एजेंसी। विकेटों की पतझड़ और लो स्कोरिंग टी-20 मैच. कुछ ऐसा ही देखने को मिला जब नेपाल और स्कॉटलैंड की टीमें आमने-सामने हुई. गिरते-पड़ते हालांकि नेपाल की टीम इस मुकाबले को 2 विकेट से जीतने में कामयाब रही. उसकी इस जीत में रेप के आरोप में जेल की हवा खाने वाले गेंदबाज संदीप लामिछाने की अहम भूमिका रही, जिन्होंने अपने 4 ओवर से गेम सेट करने का काम किया. लामिछाने हैट्रिक से चूककर भी स्कॉटलैंड के खिलाफ कहर बरपाने में कामयाब रहे. उनके बरपाए कहर का आलम ये रहा कि उन्होंने विकेट तो लिए ही, उसके अलावा जितने रन नहीं दिए, उससे ज्यादा गेंदें डॉट फेंकी.

संदीप लामिछाने के आगे स्कॉटलैंड का सरेंडर – ग्लासगो में टी-20 ट्राई सीरीज के मुकाबले में 17 जून को नेपाल और मेजबान स्कॉटलैंड की टीमें आमने सामने हुई थी. इस मैच में स्कॉटलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल सकी. वो 19.4 ओवरों में 97 रन पर ढेर हो गई. स्कॉटलैंड के इस बुरे हाल के पीछे संदीप लामिछाने बड़ा फैक्टर रहे, जिन्होंने अपनी स्पिन के जाल में स्कॉटिश बल्लेबाजों को ऐसे फंसाया कि हैट्रिक से चूककर भी हालत खस्ती कर दी.

हैट्रिक से चूका फिर भी छाया – संदीप लामिछाने ने पहले दो विकेट लगातार दो गेंदों पर लिए. ये कामयाबी उन्हें स्कॉटलैंड के 13वें ओवर में मिली. उन्होंने इस ओवर की दूसरी और तीसरी गेंद पर विकेट लिया. मगर चौथी गेंद पर विकेट ना ले पाने के चलते उनकी हैट्रिक नहीं हुई. मगर इसके बावजूद उन्होंने 4 ओवर में 4 विकेट विकेट जरूर झटके. अपने कोटे के 4 ओवरों में संदीप लामिछाने ने सिर्फ 11 रन दिए. उन्होंने 18 गेंदों पर कोई रन नहीं दिए. मतलब वो गेंदें डॉट फेंकी. मतलब ना सिर्फ रन देने में कंजूसी की

बल्कि विकेट निकालने में फुर्ती भी दिखाई.

संदीप लामिछाने रेप के आरोप में हो चुके हैं बरी – नेपाल की जीत के हीरो बने संदीप लामिछाने वही स्पिनर हैं, जिन पर साल 2022 में 18 साल की एक लड़की के रेप का आरोप लगा था और जिसके बाद उन्हें जेल भी हुई थी. हालांकि, वो तुरंत जमानत पर रिहा कर दिए गए थे. लेकिन फिर लंबी सुनवाई के बाद जनवरी 2024 में कोर्ट ने उन्हें दोषी करार देते हुए 8 साल की सजा सुनाई. लामिछाने ने इस फैसले के खिलाफ अपील की और उन्हें बरी कर दिया गया.

3100 रुपये में लामिछाने ने खेला मैच – मैच की बात करें तो नेपाल ने स्कॉटलैंड से मिले 98 रन के टारगेट को 8 विकेट खोकर 19.5 ओवर में हासिल की. प्लेयर ऑफ द मैच बने सदीप लामिछाने को इस मैच को खेलने के 3100 रुपये मिले, क्योंकि इतने ही पैसे नेपाल क्रिकेट बोर्ड की ओर से एक ङ्म20 मैच खेलने के नेपाली खिलाड़ियों को मिलते हैं.

राजस्थान में अब नेताओं की नहीं, ब्लॉक और मंडल की सिफारिशों पर चलेगी कांग्रेस

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में कांग्रेस संगठन ने युवाओं को पार्टी में ज्यादा भागीदारी देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने आगामी शहरी निकाय और पंचायतीराज चुनावों में 50 प्रतिशत टिकट 50 साल से कम उम्र के युवाओं को देने का फैसला लिया है। यह फैसला कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर लिया गया है, जिसे अब राजस्थान प्रदेश कांग्रेस लागू करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने साफ कर दिया है कि स्थानीय चुनावों में अब युवा चेहरों को आगे लाया जाएगा। यही नहीं, टिकट वितरण का पुराना फार्मूला भी बदला जा रहा है। अब टिकट तय करने में सिर्फ प्रदेश स्तर के वरिष्ठ नेताओं की राय ही अंतिम नहीं होगी, बल्कि जिलाध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष और मंडल अध्यक्षों की सिफारिश को भी प्रमुखता दी जाएगी। कांग्रेस संगठन अब बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक नई राजनीतिक सोच के साथ आगे बढ़ने की योजना पर काम कर रहा है। जिला, ब्लॉक और मंडल स्तर पर सक्रिय कांग्रेस नेताओं को नए और ऊर्जावान चेहरों की पहचान करने का जिम्मा सौंपा गया है, जिन्हें चुनावी राजनीति के लिए तैयार किया जाएगा।

डोटासरा ने कहा, हमने संगठन में युवाओं को प्रतिनिधित्व देने की दिशा में स्पष्ट रणनीति तैयार की है। पार्टी का मानना है कि राजनीति में नई ऊर्जा और सोच लाने के लिए युवाओं को आगे लाना जरूरी है।

राजस्थान में नगरपालिकाओं, नगर परिषदों और नगर निगमों के चुनावों में पार्षदों के साथ अध्यक्ष, सभापति और मेयर के चुनाव होते हैं। वहीं, पंचायतीराज संस्थाओं में जिला प्रमुख, पंचायत समिति सदस्य, प्रधान, सरपंच और वार्ड पंच जैसे पदों के लिए चुनाव होते हैं। सरपंच और वार्ड पंच के अलावा सभी चुनाव राजनीतिक दलों के सिंबल पर लड़े जाते हैं। ऐसे में 50 प्रतिशत टिकट 50 साल से कम उम्र के युवाओं को देने से पार्षद से लेकर चेयरमैन और प्रमुख तक कई पदों पर युवा नेतृत्व सामने आएगा।

टिकट बंटवारे का नया सिस्टमः अब तक टिकट तय करने की प्रक्रिया में प्रदेश चुनाव समिति के नेता ही अंतिम निर्णय लेते थे। लेकिन अब जिला और ब्लॉक स्तर पर पार्टी पदाधिकारियों की राय को भी महत्वपूर्ण माना जाएगा। इससे स्थानीय कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ेगी और ग्रासरूट पर मजबूत संगठन खड़ा किया जा सकेगा। राज्य सरकार ने वन स्टेट-वन इलेक्शन की नीति के तहत निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ कराने की घोषणा की है। करीब 7,000 ग्राम पंचायतों का कार्यकाल पूरा हो चुका है और वहां प्रशासक लगाए गए हैं। शहरी निकायों में भी प्रशासक नियुक्त किए जा चुके हैं। संभावना जताई जा रही है कि इस साल के अंत तक निकाय चुनाव कराए जा सकते हैं, जबकि पंचायतीराज चुनाव अगले साल होंगे। हालांकि, इस देरी को लेकर हाईकोर्ट में एक याचिका भी लंबित है।

अमेरिका की यात्रा की अनुमति न मिलने पर भड़के प्रियांक खरगे, बोले- केंद्र से मांगा जाएगा स्पष्टीकरण

बेंगलुरु। कर्नाटक के ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खरगे ने मंगलवार को कहा कि वह अमेरिका की अपनी निर्धारित यात्रा की अनुमति न मिलने के मामले में केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगेंगे। उन्होंने कहा कि मैं सार्वजनिक बयानों से बच रहा हूं। बेंगलुरु लौटने पर इस बारे में पूछताछ करूंगा। प्रियांक इस समय पेरिस में हैं। वहां पर वह एयर शो में शिरकत करने गए हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं अभी किसी भी सार्वजनिक बयान से बच रहा हूं। जब मैं बेंगलुरु लौटूंगा तो मैं केंद्र सरकार से इस अस्वीकृति के बारे में स्पष्टीकरण मांगूंगा। उन्हें अमेरिका में कई कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने बेंगलुरु में हाल ही में हुई भगदड़ की घटना पर कहा कि इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। इस मामले की जांच के लिए एक मजिस्ट्रेट जांच का आदेश दिया गया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं अभी किसी भी सार्वजनिक बयान से बच रहा हूं। जब मैं बेंगलुरु लौटूंगा तो मैं केंद्र सरकार से इस अस्वीकृति के बारे में स्पष्टीकरण मांगूंगा। उन्हें अमेरिका में कई कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने बेंगलुरु में हाल ही में हुई भगदड़ की घटना पर कहा कि इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। इस मामले की जांच के लिए एक मजिस्ट्रेट जांच का आदेश दिया गया है।

हिमाचल के माता चिंतपूर्णी मंदिर में मारपीट

ऊना, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के माता चिंतपूर्णी मंदिर से सुरक्षा कर्मी और पुजारी के बीच हाथापाई का मामला सामने आया है। घटना गर्भगृह में प्रसाद चढ़ाने के दौरान घटी है। पुजारी द्वारा आरोप लगाया गया है कि प्रसाद चढ़ाने के दौरान सुरक्षाकर्मी ने पुजारी के साथा हाथापाई की, उसे थप्पड़ जड़े और धक्का-मुक्की भी करी। सीसीटीवी में घटना का पूरा मामला कैद हो गया है। जानकारी के मुताबिक जिस समय यह घटना घटी, उस वक्त गर्भगृह में श्रद्धालु भी मौजूद थे। दोनों के बीच होती हाथापाई को देखकर हर कोई हैरान हो उठा। कुछ अन्य लोग भयभीत भी हो गए, लेकिन तभी मौके पर मौजूद अन्य पुजारियों ने सुरक्षाकर्मी को रोका और मारपीट को शांत कराया। बताया गया है कि आरोपी सुरक्षाकर्मी को हटा दिया गया है। मंदिर में लगे सीसीटीवी में दिखाई देता है कि पुजारी श्रद्धालुओं को माता को चढ़ाया हुआ प्रसाद दे रहे थे, तभी सुरक्षाकर्मी आया और दोनों के बीच कुछ बात हुई। हल्की सी कहासुनी शुरू हो गई। इस बीच वीडियो में पुजारी सुरक्षाकर्मी के ऊपर जल की छींटें मारता हुआ भी दिखाई देता है। इसके बाद दोनों में हाथापाई शुरू हो गई। सुरक्षाकर्मी ने पुजारी को पकड़कर थप्पड़ बरसाना शुरू कर दिया। लड़ाई होते देख वहां मौजूद पुजारियों ने दोनों को अलग किया और तब जाकर मामला शांत हुआ।

आजम खान को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत, 12 अलग-अलग केसों में अंतिम निर्णय पर रोक

प्रयागराज, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को बड़ी राहत मिली है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जबरदस्ती बेदखली मामले में आजम और कई अन्य आरोपियों के खिलाफ दर्ज 12 प्राथमिकियों के समेकित मुकदमे में अंतिम आदेश पारित करने पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने सह आरोपी मोहम्मद इस्लाम उर्फ इस्लाम ठेकेदार और अन्य द्वारा दायर एक याचिका पर यह आदेश पारित किया। अदालत ने इस मामले पर तीन जुलाई को नए सिरे से सुनवाई करने का निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि अधीनस्थ न्यायालय में सुनवाई जारी रहेगी। हालांकि तीन जुलाई को होने वाले सुनवाई तक कोई अंतिम आदेश पारित नहीं किया जाएगा। मामला 15 अक्टूबर, 2016 की कथित घटना से जुड़ा है, जिसमें यतीम खाना (वक्फ संख्या 157) नाम से अनाधिकृत ढांचे को ध्वस्त किया गया था। इस मामले में 2019 और 2020 के बीच रामपुर जिले के कोतवाली थाना में 12 प्राथमिकियां दर्ज की गई थीं। शुरुआत में इन प्राथमिकियों को लेकर अलग-अलग मुकदमे चलाए गए।

कुंडली में पति की हत्या का योग; राजा से पहले कहीं और तय हुई थी सोनम की शादी, पंडित जी ने बचा लिया

इंदौर, एजेंसी। इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। अब पता चला है कि सोनम की शादी राजा से पहले कहीं और तय हुई थी लेकिन ज्योतिष ने कुंडली देखकर ऐसा कुछ कहा कि लड़केवालों ने ना कह दी। अब राजा रघुवंशी की हत्याकांड के बाद वह परिवार उन पंडित जी और ऊपरवाले का आभार जता रहे हैं। परिवार के लोगों को कहना है कि अच्छा हुआ कि उन्होंने यह शादी नहीं की और बेटा बच गया। आरोप है कि सोनम ने अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या करा दी।

एक न्यूज चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक, अब वह परिवार भी सामने आया है जहां सोनम रघुवंशी की राजा से पहले शादी लगभग तय हो चुकी थी। दोनों परिवारों ने एक दूसरे को पंसद किया, लेकिन बात कुंडली पर जाकर अटक गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि सोनम की कुंडली जब एक ज्योतिष को दिखाई गई तो उन्होंने कहा कि इस लड़की के हाथ पति की हत्या का योग है। यह बात सुनने पर वह परिवार घबरा गया और कुछ बहाने बनाकर उन्होंने

रिश्ते की बात वहीं खत्म कर दी। अब वह परिवार खुश है कि उनके लड़के की जान बच गई।

सोनम मांगलिक है और उसकी शादी मांगलिक योग वाले राजा रघुवंशी से तय हुई थी। दोनों की शादी की बात रघुवंशी समाज की एक पत्रिका से शुरू हुई, जिसमें दोनों परिवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। 11 मई को राजा और सोनम की शादी हुई थी। 10 दिन बाद ही दोनों हनीमून पर चले गए थे, जहां 23 मई को राजा की हत्या करके उसे खाई में फेंक दिया गया। 2 जून को उसकी लाश मिली थी। बाद में सोनम को पति की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि उसने अपने कथित प्रेमी राज और उसके तीन दोस्तों के साथ मिलकर दूल्हे की हत्या करा दी।

मेघालय में मारे गए ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या की पूरी प्लानिंग को इंदौर के एक रेस्टोरेंट में अंतिम रूप दिया गया था। रेस्टोरेंट के मालिक ने तस्वीरों को देखकर उन्हें याद आया कि आरोपी अक्सर उनके रेस्टोरेंट में आया करते थे। बताया जा रहा है कि सोनम अक्सर यहां राज के साथ मिलने और वक्त बिताने आया करती थी। आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बताया है कि 16 मई को राज और अन्य आरोपियों ने यहीं बैठकर पूरी प्लानिंग की थी जबकि सोनम ससुराल से फोन पर जुड़ी हुई थी।

हरियाणा के 3 जिलों में नवंबर से 10 साल पुरानी गाड़ियों को नहीं मिलेगा डीजल, बाइकों के लिए यह नियम

चंडीगढ़/गुरुग्राम एजेंसी। हरियाणा सरकार ने वायु प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। आगामी 1 नवंबर 2025 से एनसीआर में आने वाले जिलों फरीदाबाद, गुरुग्राम और सोनीपत में 10 साल पुरानी डीजल और 15 साल पुरानी पेट्रोल गाड़ियों को पेट्रोल-डीजल नहीं मिलेगा। राज्य के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया।

पुराने गाड़ियों की पहचान के लिए सभी पेट्रोल पंपों पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट पहचान वाले कैमरे लगाए जाएंगे। पहले चरण में ये कैमरे 31 अक्टूबर 2025 तक तीनों जिलों में लगाए जाएंगे। प्रदेश के बाकी एनसीआर वाले जिलों में यह योजना 1 अप्रैल 2026 से लागू होगी। वहां यह कैमरे 31 मार्च 2026 तक लगाए जाने हैं। इन कैमरों के जरिए जिन गाड़ियों की उम्र तय सीमा से अधिक होगी, उन्हें पेट्रोल-डीजल नहीं दिया जाएगा।

बिजली-सीएनजी से चलने वाले नए ऑटो ही पंजीकृत होंगे = हरियाणा सरकार ने अपनी कार्ययोजना में यह भी तय किया कि अब से केवल बिजली या सीएनजी से चलने वाले नए ऑटो रिक्शा का ही रजिस्ट्रेशन होगा। 1 नवंबर 2025 से दिल्ली में बीएस-6 मानक के ही हल्के, मध्यम और भारी मालवाहन ही प्रवेश कर सकेंगे।

गौरतलब है कि दिल्ली सरकार ने भी 18 मई को तय सीमा से अधिक पुराने वाहनों को 1 जुलाई से पेट्रोल-डीजल नहीं दिए जाने की बात कही थी। अधिकारियों ने बताया था कि ऐसे वाहनों की पहचान करने के लिए पेट्रोल पंपों पर कैमरे लगाने का काम लगभग पूरा हो गया है। बता दें कि, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने अप्रैल में दिल्ली के अधिकारियों को निर्देश दिया था कि तय सीमा से अधिक पुराने हो चुके सभी वाहनों (10 साल से पुराने डीजल वाहन और 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहन) को एक जुलाई से ईंधन नहीं दिया जाए। आदेश के अनुसार, दिल्ली के सभी ईंधन केंद्रों को 30 जून तक स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) कैमरे लगाने होंगे। ये प्रणालियां 10 वर्ष (डीजल) या 15 वर्ष (पेट्रोल) से पुराने वाहनों का पता लगाएंगी।

ईरान में फंस गए कर्नाटक के अलीपुर गांव के 100 से ज्यादा लोग

चिकबलपुर, एजेंसी। इजराइल और ईरान के मध्य बढ़ते तनाव के बीच कई भारतीय नागरिक ईरान में फंसे हुए हैं। इनमें से 100 से ज्यादा लोग कर्नाटक के चिकबलपुर जिले के अलीपुर गांव से हैं। यह गांव मुख्य रूप से शिया मुस्लिमों का गांव है। इनमें छात्र, परिवार और कामकाजी पेशेवर शामिल हैं, जो शिक्षा, व्यवसाय और धार्मिक गतिविधियों के लिए ईरान गए थे। तेहरान में दूतावास और कर्नाटक में स्थानीय सरकारी अधिकारियों के साथ भारतीय अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं और क्षेत्र में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए इंतजाम में सहयोग कर रहे हैं।

नवीनतम मतदाता सूची के अनुसार, अलीपुर लगभग 25,000 लोगों की आबादी वाला गांव है जिसमें 8,000 से 8,500 मतदाता हैं। यहां हिंदुओं की आबादी भी है, लेकिन लगभग 90 प्रतिशत निवासी मुस्लिम हैं जो मुख्य रूप से शिया समुदाय से हैं। यह गांव ईरान के साथ अपने गहरे धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों के लिए जाना जाता है, जो इसे धर्म से जुड़े एवं चिकित्सा अध्ययन के लिए एक आम गंतव्य बनाता है।

एक्सिओम मिशन 4 की लॉन्चिंग में फिर देरी; 22 जून से पहले प्रक्षेपण की कोई तैयारी नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। एक्सिओम मिशन 4 के प्रक्षेपण में एक बार फिर देरी होगी। मिशन अब पहले से तय 19 जून को लॉन्च नहीं होगा। बताया गया कि नासा, एक्जिओम स्पेस और स्पेसएक्स अब रविवार, 22 जून से पहले अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए चौथे निजी अंतरिक्ष यात्री अभियान एक्सिओम मिशन 4 के प्रक्षेपण का लक्ष्य नहीं बना रहे हैं। प्रक्षेपण तिथि में बदलाव से नासा को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के ज्वेज्दा सेवा मॉड्यूल के सबसे पिछले हिस्से में हाल ही में किए गए मरम्मत कार्य के बाद स्टेशन संचालन का मूल्यांकन जारी रखने का समय मिलेगा।

19 जून वाली लॉन्चिंग टालने से पहले एक्सिओम स्पेस मिशन को 11 जून को फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाना था, लेकिन स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट में ईंधन रिसाव और फिर

आईएसएस के रूसी खंड में रिसाव के कारण पहले इसे टालना पड़ा था। सबसे पहले 29 मई को लॉन्च होने वाले इस 14 दिवसीय मिशन को 8 और 10 जून को भी टालना पड़ा था।

इसरो, पोलैंड और हंगरी की टीमों ने एक्सिओम मिशन 4 की संभावित लॉन्च टाइमलाइन के बारे में एक्सिओम स्पेस के साथ विस्तृत चर्चा की। इसके बाद एक्सिओम स्पेस ने कई मापदंडों का आकलन करने के लिए नासा और स्पेसएक्स के साथ परामर्श किया। स्पेसएक्स फाल्कन 9 लॉन्च वाहन, ड्रैगन अंतरिक्ष यान की तत्परता की स्थिति, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के ज्वेज्दा मॉड्यूल में मरम्मत, चढ़ाई गलियारे की मौसम की स्थिति, चालक दल के स्वास्थ्य और तैयारियों के आधार पर एक्सिओम स्पेस ने सूचित किया है कि अगली संभावित लॉन्च तिथि 22 जून 2025 है। यह मिशन भारत के लिए ऐतिहासिक होगा, साथ ही पोलैंड और हंगरी के लिए भी। ये दोनों देश 40 साल बाद पहली बार मानव अंतरिक्ष उड़ान में हिस्सा लेंगे। यह पहली बार होगा जब भारत, पोलैंड और हंगरी एक संयुक्त मिशन के तहत आईएसएस पर साथ जाएंगे। इस मिशन को फाल्कन 9 रॉकेट पर स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल में लॉन्च किया जाएगा। एक्सिओम-4 चालक दल का प्रक्षेपण फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर में लॉन्च कॉम्प्लेक्स 39 से होगा। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि मिशन में नासा की पूर्व अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन भी शामिल हैं, जो मिशन की कमान संभालेंगी। निजी मिशन के अन्य सदस्य पोलैंड के स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगरी के टिबोर कापू हैं, जो पोलैंड और हंगरी के पहले अंतरिक्ष यात्री हैं।

अमेरिका में पाक सेना प्रमुख आसिम मुनीर का भड़काऊ बयान, बोला- पाकिस्तान 1971 की जंग का...

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान सेना प्रमुख और नए-नए फील्ड मार्शल बने सैयद आसिम मुनीर इन दिनों अमेरिका दौरे पर हैं। अपने इस दौरे के दौरान उन्होंने अमेरिका में रह रहे पाकिस्तानी समुदाय को संबोधित किया। इस भाषण में उन्होंने कई मुद्दों पर बात की, लेकिन खासतौर पर भारत को लेकर दिए गए उनके तीखे और विवादास्पद बयान चर्चा का विषय बन गए हैं। उन्होंने दावा किया कि, हमने चीन के साथ मिलकर भारत के खिलाफ जंग लड़ी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आसिम मुनीर ने अपने भाषण में दावा किया कि मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए चार दिन के टकराव को पाकिस्तान ने जीत लिया था। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान कभी 1971 की हार को नहीं भूलेगा और सही समय आने पर उसका बदला लेगा। पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार ने एक टॉक शो में बताया कि जनरल मुनीर ने अमेरिका में दिए गए भाषण में कहा कि पाकिस्तान 1971 की जंग का बदला भारत को तोड़कर लेगा। इस बात की पुष्टि वॉशिंगटन में मौजूद एक पाकिस्तानी नागरिक नोमान मुगल ने भी की। उनका दावा है कि मुनीर ने कहा, हमने चीन के साथ मिलकर भारत के खिलाफ जंग लड़ी है। मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ पांच स्तरों पर युद्ध लड़ा है, जिनमें साइबर वॉरफेयर भी शामिल है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पाकिस्तानी हैकरों ने भारत के 70 प्रतिशत पावर ग्रिड स्टेशन हैक कर बंद कर दिए और पाकिस्तान के ड्रोन दिल्ली और गुजरात तक पहुंच चुके हैं।

ट्रंप ने तीसरी बार बढ़ाई टिकटॉक की बिक्री की समयसीमा

अब 90 दिनों की राहत; जल्द जारी करेंगे आदेश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टिकटॉक की बिक्री की समयसीमा तीसरी बार बढ़ा दी है। अब ट्रंप ने टिकटॉक को बेचने के लिए 90 दिनों की राहत दी है। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप टिकटॉक के चीनी मालिक को एप बेचने की समयसीमा बढ़ाने के लिए इस सप्ताह एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे।

इससे पहले, ट्रंप ने अप्रैल की शुरुआत में टिकटॉक को 75 और दिन चलाने की अनुमति दी थी। इस आदेश पर हस्ताक्षर करने के बाद टिकटॉक को अमेरिकी कंपनी को बेचने का सौदा टल गया था। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप नहीं चाहते हैं कि टिकटॉक बंद हो जाए। यह विस्तार 90 दिनों तक चलेगा, जिसे प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा कि यह सौदा बंद हो जाए ताकि अमेरिकी लोग इस आश्वासन के साथ ज्ञद्बद्मज्ञश्वद्म का उपयोग करना जारी रख सकें कि उनका डेटा सुरक्षित है। कनाडा से वाशिंगटन लौटते वक्त पत्रकारों से की बात

ट्रंप ने जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेकर कनाडा से वाशिंगटन लौटते वक्त मंगलवार सुबह एयरफोर्स वन में पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह संभवतः समयसीमा को फिर से बढ़ा देंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें भरोसा है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अंत में टिकटॉक को बेचने की मंजूरी दे देंगे।

यह तीसरी बार होगा जब ट्रंप ने समय सीमा बढ़ाई है। पहली बार ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद 20 जनवरी को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके बाद टिकटॉक पर अमेरिका में प्रतिबंध लगा दिया गया था। दूसरी बार अप्रैल में समयसीमा बढ़ाई गई, जब टिकटॉक को अमेरिकी कंपनी में बदलने की कोशिश हो रही थी, लेकिन ट्रंप की टैरिफ घोषणा के बाद चीन के पीछे हटने से यह सौदा टूट गया था। टिक टॉक की मूल कंपनी

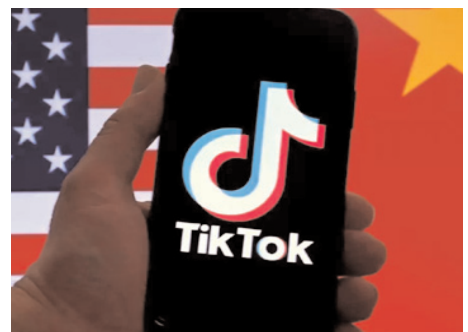

बाइटडांस चीन की है और अमेरिका को आशंका है कि यह एप यूजर्स का डेटा चीन सरकार के साथ साझा कर सकता है। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए अमेरिका ने एक कानून पारित किया था, जिसके तहत बाइटडांस को ज्ञद्बद्मज्ञश्वद्म का मालिकाना अधिकार किसी अमेरिकी कंपनी को सौंपना होगा या फिर देश में इसका संचालन बंद करना पड़ेगा।

एफबीआई और फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन दोनों ने चेतावनी दी थी कि बाइटडांस उपयोगकर्ता डेटा, जैसे ब्राउजिंग हिस्ट्री, लोकेशन और बायोमेट्रिक जैसी जानकारियों को चीन की सत्तावादी सरकार के साथ साझा कर सकता है। टिकटॉक ने कहा कि उसने ऐसा कभी नहीं किया है और न ही ऐस करने का कोई उद्देश्य रखता है। टिकटॉक ने बाताया कि अमेरिकी सरकार ने ऐसा होने का सबूत नहीं दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपना कार्यकाल शुरू करते ही टिक टॉक को बैन से कुछ दिनों की राहत दी थी।

टिक टॉक के अमेरिकी ऑपरेशन को खरीदने के लिए कई बड़ी कंपनियां मैदान में हैं। इसमें सबसे पहले टेक कंपनी ओरेकल है जिसके पास पहले से ही टिक टॉक ग्लोबल में 12.5प्रतिशत की हिस्सेदारी है और यह इसका क्लाउड टेक्नोलॉजी पार्टनर भी है।

इससे अलावा इन्वेस्टमेंट फर्म ब्लैकस्टोन भी टिक टॉक को खरीदने में दिलचस्पी दिखा रही है। वहीं, एआई स्टार्टअप पर्प्लेक्सिटी एआई ने भी टिक टॉक के अमेरिकी कारोबार को अपने साथ मर्ज करने का प्रस्ताव दिया है। कंपनी का कहना है कि वह टिक टॉक के एल्गोरिदम को नए सिरे से तैयार करेगी ताकि यह अमेरिकी डेटा सुरक्षा मानकों के अनुरूप हो। बिलियनेयर फ्रैंक मैककॉर्ड का कंसोर्टियम समूह ने टिक टॉक के लिए 20 बिलियन डॉलर की पेशकश की है और इसमें रेडिट के सह-संस्थापक एलेक्सिस ओहानियन भी सलाहकार के रूप में जुड़े हैं। इसके अलावा, एम्प्लॉयर डॉट कॉम के फाउंडर जेसी टिन्सली ने 30 बिलियन डॉलर और वायोमिंग के बिजनेसमैन रीड रैस्नर ने 47.5 बिलियन डॉलर की पेशकश की है। टिक टॉकपर बैन लगने या उसके बिकने के बीच अमेरिकी प्रशासन की नीति में बदलाव भी हो सकता है। दिलचस्प बात यह है कि खुद ट्रंप के टिक टॉक पर लाखों फॉलोअर्स हैं और वे इसे युवा वोटर्स तक पहुंचने के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म मानते हैं।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129